हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

अमेरिका ने ईरान के 80 ठिकानों पर किए ताबड़तोड़ हमले

जवाब में 85 स्थानों पर टूट पड़े ईरान के खतरनाक ड्रोन

अमेरिका-ईरान के बीच 60 दिन का युद्धविराम 21 दिन में ही टूट गया

'युद्धविराम' के बीच फिर भड़का 'युद्ध'

तेहरान में अमेरिका के हमले के बाद धुएं का गुबार

हमले का असर

शेयर मार्केट
78000 अंक गिरा

क्रूड ऑयल
74.50 डॉलर प्रति बैरल पर

ब्रेंट क्रूड
78.35 डॉलर प्रति बैरल पर

दोनों देशों के हमले के पीछे तर्क

अमेरिका
तेल टैंकरों पर हुए हमले के बदले जवाबी कार्रवाई की

ईरान
राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा की रक्षा के लिए हर कदम उठाएंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लीजिए, अमेरिका-ईरान के बीच 60 दिन का युद्धविराम 21 दिन में ही टूट गया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान से अब कोई बात, कोई समझौता नहीं होगा। अमेरिका ने ईरान पर ताबड़तोड़ 80 ठिकानों पर हमले कर दिए। ईरान ने भी पूरी ताकत के साथ अमेरिका के 85 ठिकानों पर हमले कर दिए। दोनों तरफ से जारी हमले का परिणाम ये है कि जहां शेयर मार्केट गिरा वहीं तेल की कीमतों में भी उछाल आ गया। अमेरिका का कहना है कि यह कार्रवाई ईरान द्वारा अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग में निर्दोष नागरिकों वाले कमर्शियल जहाजों और तेल टैंकरों को निशाना बनाने के जवाब में की जा रही है। ईरान ने युद्धविराम का उल्लंघन किया है। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में तीन टैंकरों को निशाना बनाकर उन पर हमला किया जिसकी वजह से एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा- अपने राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा की रक्षा के लिए जरूरी कोई भी कदम उठाएगा।

ईरान के इन ठिकानों पर हुए हमले

इन हमलों में ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम, तटीय निगरानी प्रणाली, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, एंटी-शिप क्रूज मिसाइलें और ड्रोन लॉन्च पैड्स को निशाना बनाया गया है। दक्षिणी ईरान के सिरीक, केशम और बंदर अब्बास जैसे प्रमुख बंदरगाह शहरों में तेज धमाकों की आवाजें सुनी गई हैं।

यूएस सैन्य ठिकाने पर हमला

ईरान का अमेरिका पर भयानक पलटवार

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने बहरीन और कुवैत सहित खाड़ी देशों में स्थित कम से कम 85 अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर भीषण मिसाइल हमले किए हैं। इस जवाबी कार्रवाई में बहरीन स्थित अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट बेस और कुवैत का अली अल-सलेम एयर बेस मुख्य निशाना बने। ईरान ने दक्षिणी हिस्से में एक अमेरिकी एमक्यू-9 रीपर ड्रोन को भी मार गिराने का दावा किया है।

60 दिनों के लिए बिना शुल्क खोला था होर्मुज

बीते माह यानी जून में दोनों देशों के बीच हुए एक समझौता ज्ञापन के बाद तनाव कम होने लगा था और हॉर्मुज़ जलमार्ग को 60 दिनों के लिए बिना शुल्क खोल दिया गया था, जिससे तेल की कीमतें सामान्य हो रही थीं। हालांकि, इस नए घटनाक्रम ने बाजार को फिर से अनिश्चितता में धकेल दिया है।

35 हजार के ड्रोन के लिए 40 लाख डॉलर की मिसाइल खर्च

35 हजार डॉलर के ईरानी ड्रोन व हमलों को रोकने के लिए अमेरिका 40 लाख डॉलर की महंगी मिसाइलें दाग रहा है। एक अनुमान के मुताबिक, इस लड़ाई में अमेरिका सैन्य अभियान पर करीब 113 अरब डॉलर खर्च कर चुका है। शुरुआती छह दिनों में ही रोजाना का खर्च 1.88 अरब डॉलर था, जो बाद में करीब 1 अरब डॉलर प्रतिदिन रहा। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इसमें कुल आर्थिक बोझ जोड़ा जाए, तो यह आंकड़ा 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है।

पाठक सूचना

हरिभूमि सुनहरा मौका सुनिश्चित उपहार 2026 का सामान्य कूपन कल के अंक में देखें।

inh

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

बगलामुखी मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले की होगी जांच

नलखेड़ा। मप्र के प्रसिद्ध मां बगलामुखी मंदिर में एक गैर-सरकारी एजेंसी पर श्रद्धालुओं से एकत्र नकदी और आभूषण चोरी करने का आरोप लगा है। मामले को गंभीरता से लेते हुए संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र लोधी ने जांच के आदेश दे दिए हैं।

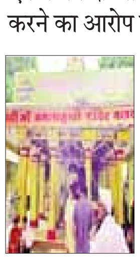

उन्होंने दोषियों को राक्षस और कालनेमी बताते हुए सख्त कार्रवाई की बात कही है। मंत्री ने कहा जांच से पता चलेगा कि चढ़ावे की चोरी कब से हो रही थी और कितनी रकम का गबन हुआ। दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

मोहन सरकार ने लिया बड़ा निर्णय

मप्र उपार्जित गेहूं, चना, ज्वार एवं बाजरा निस्तारण नीति- 2026 को मिली स्वीकृति

अब किसानों को गेहूं, चना, ज्वार और बाजरा पर मिलेगा 'भावांतर का लाभ'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राज्य सरकार गेहूं, धान, ज्वार व बाजरा खरीदी के लिए नई नीति बनाने जा रही है। इस नीति से प्रदेश के करीब 80 लाख किसानों को तो लाभ होगा ही साथ में सरकार को बेवजह की क्षति से निजात मिल जाएगी। कैबिनेट ने बुधवार को मप्र उपार्जित गेहूं,चना, ज्वार एवं बाजरा निस्तारण नीति-2026 को मंजूरी दी है। इसमें सरकार किसानों को भावांतर योजना का लाभ देगी। भावांतर योजना की राशि किसानों के बैंक खातों में सीधे दी जाएगी। इसके लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित राज्य स्तरीय कमेटी को अधीकृत किया गया है। इस योजना के लागू होने से सरकार को बैंकों का ब्याज, परिवहन, भंडारण आदि पर होने वाला खर्च भी बच सकेगा। सीएम डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय में हुई। खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने इससे होने वाली क्षति आदि के बारे में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को अवगत कराया। कैबिनेट ने शासकीय हायर सेकंडरी स्कूलों में प्रथम स्थान पाने वाली बालिकाओं एवं बालक को मुख्यमंत्री स्कूटी योजना वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-2031 तक निरंतरता की राशि 495 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की है।

इस योजना के लागू होने से सरकार को बैंकों का ब्याज, परिवहन, भंडारण आदि पर होने वाला खर्च भी बच सकेगा

मुख्यमंत्री स्कूटी योजना को 2031 तक निरंतर रखे जाने के लिए 495 करोड़ की मंजूरी

सीएम और मंत्रीगण

भावांतर योजना की राशि किसानों के बैंक खातों में सीधे दी जाएगी

राज्य स्तरीय कमेटी उपार्जन पर लेगी निर्णय

कैबिनेट में लिए गए निर्णय के बारे में मंत्री चैतन्य काश्यप ने बताया कि इस नीति के अनुसार एक राज्य स्तरीय कमेटी मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित होगी। समिति की ओर से उपज के मात्रा निर्धारण के बाद प्रस्तावित उक्त मात्रा विक्रय करने के पूर्व रिजर्व प्राइज अपसेट मूल्य तय करना एवं ई-निविदा/ई-ऑक्शन प्रक्रिया के माध्यम से दरें आमंत्रित करना, दरों का परीक्षण के बाद अनुमोदन की कार्रवाई का अनुमोदन किया जाएगा। गेहूं व धान के साथ ही ज्वार व बाजरा की खरीदी का भी अनुमोदन करेगी।

अभी ये हाल है?

1. गेहूं व धान पर ही सरकार को 30 हजार करोड़ रुपए का ऋण लेना पड़ा
2. इसका 48 करोड़ रुपए से ज्यादा का ब्याज हर महीने देना पड़ रहा
3. केंद्र सरकार की स्वीकृति के बाद ही मप्र सरकार की गारंटी पर बैंकों से 30 हजार करोड़ रुपए का ऋण लेकर गेहूं व धान की खरीदी की गई

इसलिए, लाई राज्य सरकार यह नीति?

गेहूं व धान के उपार्जन में सबसे बड़ा तथ्य यह है कि केंद्र सरकार महज 25 से 30 लाख मीट्रिक टन गेहूं का ही उठाव कराना है। बाकी गेहूं खुले बाजार में उपार्जन लागत से काफी कम कीमत पर बेचना होता है। इससे सरकार को काफी नुकसान उठाना पड़ता है।

के. राधाकृष्णन कमेटी की सिफारिश

नीट का पूरा पैटर्न बदलेगा... अब 1 नहीं 6 दिन तक लगातार चलेंगे पेपर

नए प्लान के तहत परीक्षा केंद्रों की संख्या 5,000 से घटाकर सिर्फ 1,000 की जाएगी

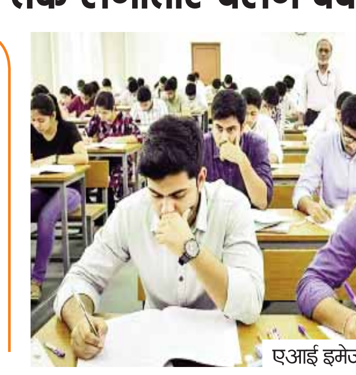

एआई इमेज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नीट-यूजी की तैयारी करने वाले बच्चों और उनके माता-पिता के लिए यह खबर बहुत जरूरी है। अगर आप सोच रहे हैं कि अगले साल भी नीट परीक्षा वैसे ही होगी जैसे हमेशा से होती आई है, तो आप बिल्कुल गलत हैं।

सरकार इस पूरी परीक्षा का सिस्टम बदलने जा रही है, और यह कोई छोटा-मोटा बदलाव नहीं बल्कि एक पूरा महा-बदलाव है। अभी तक देश भर के 22-23 लाख बच्चे एक ही दिन, एक ही शिफ्ट में पेन और ओएमआर शीट लेकर परीक्षा देने बैठते थे। नए प्लान के अनुसार अब नीट परीक्षा एक दिन नहीं, बल्कि 5 से 6 दिनों तक चलेगी। अब परीक्षा को अलग-अलग दिनों में कई शिफ्टों में बांटा जाएगा। हर दिन देश भर में करीब 5 लाख छात्र परीक्षा देंगे। इस सुपर प्लान का दूसरा सबसे बड़ा हिस्सा है परीक्षा का मोड बदलना। पेन-एंड-पेपर मोड को अब पूरी तरह से खत्म करके इसे ऑनलाइन (कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट) किया जा रहा है। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि ओएमआर शीट और पेपर प्रिंटिंग वाली परीक्षा में पेपर लीक होने का खतरा सबसे ज्यादा रहता है। कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट में पेपर पूरी तरह डिजिटल लॉक रहता है, जो परीक्षा शुरू होने के ठीक कुछ मिनट पहले ही छात्र की स्क्रीन पर खुलता है। नए प्लान के तहत परीक्षा केंद्रों की संख्या 5,000 से घटाकर सिर्फ 1,000 की जाएगी।

ये 1,000 केंद्र सिर्फ और सिर्फ केंद्रीय विद्यालय और नवोदय विद्यालय जैसे भरोसेमंद सरकारी संस्थानों में ही बनाए जाएंगे। ये रिफॉर्म इसरो के पूर्व प्रमुख के. राधाकृष्णन कमेटी की सिफारिशों पर हो रहा है, जिसका लक्ष्य अक्टूबर 2026 तक एनटीए के पूरे सिस्टम को सुधारना है।

मंडला में स्वास्थ्य तंत्र पर बड़ा सवाल

एंबुलेंस न मिलने पर ऑटो में हुआ 4 बच्चों का जन्म, सभी की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडला

जिले से बेहद झकझोर देने वाली और स्वास्थ्य सेवाओं की पोल खोलती एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां समय पर एंबुलेंस न मिलने के कारण एक गर्भवती महिला को ऑटो से अस्पताल ले जाना पड़ा, जहां रास्ते में ही उसने चार बच्चों को जन्म दे दिया। प्री-मैच्योर प्रसव और सही समय पर इलाज न मिलने की वजह से चारों नवजातों ने दम तोड़ दिया। हालांकि, डॉक्टरों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महिला की जान बचा ली है और फिलहाल उसकी हालत स्थिर है। यह पूरी घटना मंगलवार की है, जब मंडला जिले के नयागांव की रहने वाली 28 वर्षीय रजनी सिंगराम को गर्भावस्था के सातवें महीने में अचानक तेज प्रसव पीड़ा शुरू हुई।

मृतकों में तीन बच्चियों और एक बच्चा शामिल डॉक्टरों ने महिला की जान बचाई

प्रसूता का इलाज जारी

पिता-एंबुलेंस समय पर मिलती तो बच्चे बच जाते

अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने चारों बच्चों को मृत घोषित कर दिया। इस हादसे के बाद पीड़ित पिता धनेश सिंदराम का सीधा आरोप है कि एंबुलेंस का समय पर न आना ही उनके चारों बच्चों की मौत की मुख्य वजह बना। अगर 108 सेवा दूसरी तरफ, मंडला के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. डीजे मोहंती ने सफाई देते हुए बताया कि प्रसव सातवें महीने में ही हो गया था।

इंटरपोल के रेड नोटिस पर बड़ी कार्रवाई

महादेव बेटिंग एप का मास्टरमाइंड सौरभ चंद्राकर ओमान में गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित और हजारों करोड़ रुपए के 'महादेव ऑनलाइन बेटिंग एप' घोटाले के मुख्य आरोपी और एप संचालक सौरभ चंद्राकर को ओमान में गिरफ्तार कर लिया गया है। साल 2019 से फरार चल रहे चंद्राकर को भारतीय जांच एजेंसियों द्वारा जारी इंटरपोल के रेड कॉर्नर नोटिस के आधार पर रॉयल ओमान पुलिस ने हिरासत में लिया है। फिलहाल उसे ओमान की राजधानी मस्कट के हाई-सिक्योरिटी 'अल खौद डिटेंशन सेंटर' में रखा गया है। भारत सरकार अब औपचारिक प्रत्यर्पण की प्रक्रियाओं को पूरा कर उसे जल्द से जल्द भारत लाने की तैयारियों में जुट गई है। भिलाई का रहने वाला सौरभ चंद्राकर करीब 5 हजार करोड़ रुपए के इस सट्टेबाजी और मनी लॉन्ड्रिंग घोटाले का मास्टरमाइंड है। चंद्राकर ने वहां एक फर्जी इंडोनेशियाई पासपोर्ट के जरिए अवैध रूप से एंट्री ली थी, जिसके चलते उसके खिलाफ ओमान में भी जालसाजी का मामला दर्ज किया गया है।

भारत प्रत्यर्पण की तैयारी तेज फर्जी पासपोर्ट के जरिए मस्कट में ली थी एंट्री

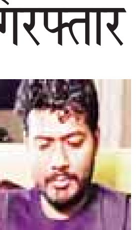

गुना में दुस्साहसिक वारदात

गल्ला व्यापारी की आंखों में डाला मिर्च स्प्रे, 17 लाख लूटकर भागे

सीसीटीवी खंगाले, 3 विशेष टीमें बनाईं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुना

यहां बेखौफ बदमाशों ने दिनदहाड़े एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया है, जहां गल्ला मंडी के एक प्रतिष्ठित व्यापारी से करीब 17 लाख रुपए की मोटी रकम लूट ली गई। यह सनसनीखेज घटना उस समय घटी जब व्यापारी अपने कर्मचारी के साथ थैले में 17 लाख नकद लेकर बैंक में जमा करने जा रहे थे। रास्ते में पहले से ही घात लगाए बैठे 3 अज्ञात बाइक सवार नकाबपोश बदमाशों ने कट्टे की नोंक पर उन्हें रोका और पलक झपकते ही रुपयों से भरा बैग छीनकर मौके से तेजी से फरार हो गए।

बदमाशों का फुटेज आया

पीड़ित युवक शहर के तीन व्यापारिक प्रतिष्ठानों से जुड़ा हुआ है। वह गंगा ट्रेडर्स सहित अन्य दो फर्मों की नकदी राशि रात को पचोर से लेकर आया था, जिसको सुबह कुंभराज लेकर जा रहा था।

काफी देर से युवक का पीछा कर रहे थे बदमाश

कर्मचारी बासुदेव ने बताया बैग में 17 लाख रुपए रखे थे। तीनों बदमाश काफी देर से युवक का पीछा कर रहे थे। जैसे ही युवक सुनसान मोड़ पर पहुंचा, उन्होंने वारदात को अंजाम दे दिया। युवक की आंखों में स्प्रे डालकर बदमाश बैग लेकर बाइक से भाग निकले। पुलिस प्रशासन का कहना है कि वारदात के आसपास के सभी सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और संदिग्धों की धरपकड़ के लिए पुलिस की तीन विशेष टीमें गठित की गई हैं, जो संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं।

देश के कई राज्यों में बारिश ने लोगों को किया हलाकान आवागमन बाधित

पुणे में इमारत गिरने से 16 लोग दबे, आगरा में दुकान गिरने से 5 लोग मलबे के नीचे, दिल्ली में भी निर्माणाधीन 5 मंजिला इमारत ढही, एक की मौत कई घायल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

महाराष्ट्र के पुणे शहर, उसके उपनगरों और पिंपरी-चिंचवड़ क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित हो गया है। मूसलाधार बारिश के कारण निचले इलाकों में जलभराव शुरू हो गया है। शहर की प्रमुख सड़कों पर लंबा जाम लग गया है। पिंपरी-चिंचवड़ के औद्योगिक और रिहायशी इलाकों में लगातार बारिश होने से लोगों और नौकरीपेशा कर्मचारियों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पिंपरी-चिंचवड़ में एक इमारत गिर गई है। इसमें कम से कम 16 लोगों के फंसे होने की आशंका है। इसके साथ ही फायर ब्रिगेड, पुलिस और दूसरी इमरजेंसी सर्विस वाली एजेंसियों की टीमें मोशी इलाके में घटनास्थल पर पहुंची। बचाव अभियान चल रहा है। लोगों को पास के अस्पतालों में ले जाने के लिए एंबुलेंस भेजी गई। इमारत के आस-पास के इलाके की घेराबंदी की जा रही है। अधिकारी अभी मलबे में फंसे लोगों की संख्या की पुष्टि नहीं कर पाए हैं। यह इमारत मोशी कचरा डिपो के पास स्थित थी। भारी बारिश के कारण कचरे का बड़ा ढेर इमारत पर आ गिरा, जिससे यह हादसा हुआ।

पुणे में इमरात गिरी

महाराष्ट्र में मूसलाधार बारिश ने सबसे ज्यादा बरपाया कहर

मंबुई उपनगरीय रेल सेवाएं प्रभावित

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में बुधवार को मूसलाधार बारिश हुई, जिसकी वजह से उपनगरीय रेल सेवाएं प्रभावित हुईं और कार्यालय जाने वालों को परेशानी हुई। सप्ताहांत में शहर में भारी बारिश हुई थी और मंगलवार को थोड़ी राहत मिली थी। पड़ोसी पालघर जिले के वसई-विरार रेल खंड और दक्षिण गुजरात में कई जगहों पर जलजमाव के कारण गुजरात जाने वाली लंबी दूरी की ट्रेन सेवाएं बाधित रहीं। भोर घाट खंड पर सोमवार को भूस्खलन के बाद मुंबई-पुणे मार्ग पर भी ट्रेन सेवाएं पूरी तरह से बहाल नहीं की जा सकी हैं।

आगरा में बारिश के बीच बड़ा हादसा

सुभाष बाजार में गिरी दुकान कई के दबे होने की आशंका

आगरा में बारिश के बीच बड़ा हादसा हो गया। थाना मंटोला क्षेत्र के सुभाष बाजार में बुधवार को एक छोले-भटूरे की दुकान अचानक धंस गई। हादसे के समय दुकान पर मौजूद 4-5 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया। स्थानीय लोग भी मलबा हटाने में प्रशासन की मदद में जुट गए। नगर निगम की टीम मौके पर पहुंच गई। डीसीपी सिटी सैयद अली अब्बास ने भी मौके पर पहुंच घटना का जायजा लिया। 1-2 लोगों को मलबे से बाहर निकाल लिया गया है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा है।

आईआईटी मंडी ने विकसित किया सबसे बड़ा लैंडस्लाइड अर्ली वार्निंग सिस्टम

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) मंडी के वैज्ञानिकों ने भारतीय हिमालयी क्षेत्र के लिए पूरी तरह से काम करने वाला 'लैंडस्लाइड अर्ली वार्निंग सिस्टम' विकसित किया है। इसका मकसद मॉनसून के दौरान एक वेब-बेस्ड प्लेटफॉर्म के जरिए भूस्खलन के जोखिमों की रोजाना भविष्यवाणी करके आपदा की तैयारी को बेहतर बनाना है। इस रिसर्च को आईआईटी मंडी के स्कूल ऑफ सिविल एंड एनवायर्नमेंटल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर डेरिक्स प्रेज शुक्ला ने रिसर्च स्कॉलर अंकित सिंह और नितेश धीमान के साथ मिलकर लीड किया।

आईआईटी मंडी

रोजाना लैंडस्लाइड का पूर्वानुमान मिलेगा

यह इलाके की संवेदनशीलता की जानकारी को रियल-टाइम बारिश के डेटा के साथ मिलाकर लैंडस्लाइड की संभावना का अनुमान लगाता है और उस पर नजर रखता है। यह अधिकारियों और डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसियों को समय पर बचाव के उपाय करने में मदद करने के लिए जगह के हिसाब से चेतावनी जारी करता है। प्रोफेसर शुक्ला ने कहा कि यह सिस्टम मानसून सीजन की शुरुआत से एक वेब-बेस्ड एप्लिकेशन के जरिए रोजाना लैंडस्लाइड का अनुमान देता है।

आपदा के जोखिम को कम करने में मदद मिलेगी

उन्होंने कहा कि सिस्टम आपदा के जोखिम को कम करने में सबसे असरदार इन्वेस्टमेंट में से एक हैं क्योंकि वे साइंटिफिक डेटा को समय पर, एक्शन लेने लायक जानकारी में बदलते हैं। पूरे इलाके में फोरकास्टिंग प्लेटफॉर्म में तैयारी को मजबूत करने, इमरजेंसी रिस्पॉन्स को बेहतर बनाने और लैंडस्लाइड के ज्यादा खतरे के समय डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसियों के बीच कोऑर्डिनेशन बढ़ाने की क्षमता है। यह पूरे भारतीय हिमालयी क्षेत्र को कवर करता है। इससे यह देश का सबसे बड़े स्तर पर काम करने वाला लैंडस्लाइड पूर्वानुमान सिस्टम बन गया है।रिसर्चर्स ने इसे मल्टी-स्टेज मेथडोलॉजी का इस्तेमाल करके डेवलप किया।

रोहिणी में मशक्कत करती बचाव टीम

दिल्ली के रोहिणी में बड़ा हादसा

इमारत गिरी, कई मजदूर मलबे में दबे

रोहिणी सेक्टर-16 स्थित जी-4 पॉकेट में सोमवार को एक निर्माणाधीन इमारत अचानक भरभराकर गिर गई। हादसे के समय भवन में कई मजदूर काम कर रहे थे। कई मजदूरों के मलबे में दबे होने की आशंका है। एक की मौत की खबर है। पहले तेज धमाके जैसी आवाज सुनाई दी और पूरी इमारत धूल के गुबार के साथ जमीन पर आ गिरी। लोगों ने तुरंत पुलिस और अन्य एजेंसियों को सूचना दी। हादसे की सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, दमकल विभाग और एनडीआर एफ की टीमें मौके पर पहुंची। राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। भारी मशीनों के साथ-साथ रेस्क्यू टीमों को भी लगाया गया है।

गृहमंत्री शाह ने बारिश से बेहाल महाराष्ट्र, गुजरात और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्रियों से बात की

कठिन स्थिति की समीक्षा की और केंद्र की ओर से हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महाराष्ट्र, गुजरात और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्रियों से बुधवार को फोन पर बात कर भारी बारिश से उत्पन्न स्थिति की समीक्षा की और केंद्र की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया। शाह ने महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस, गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल और जम्मू-कश्मीर के सीएण उमर अब्दुल्ला से फोन पर बात की। मुंबई में सबसे ज्यादा परेशानी की बात सामने आई है।

खबर संक्षेप

केरलम में घर की लिफ्ट में फंसा बुजुर्ग, मौत

पथानामथिट्टा। केरलम के पथानामथिट्टा में 75 साल के बुजुर्ग व्यक्ति की लिफ्ट में सिर फंसने से मौत हो गई। मृतक की पहचान कडममनिट्टा के कल्लेलिमुकु निवासी माथुकुट्टी के रूप में हुई है। कार पार्क करने के बाद वे लिफ्ट में चढ़े लेकिन लिफ्ट के लोहे के बीम के बीच उनका सिर फंस गया। इस बीच उनकी मौत हो गई।

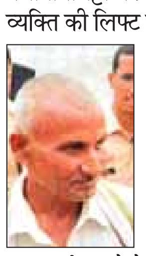

करंट से एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

सतारा। महाराष्ट्र के सतारा जिले के फलटन तालुका के खामगांव में बिजली का करंट लगने से पारधी समुदाय के एक ही परिवार के4लोगों की मौत हो गई है। मृतकों में एक दंपती और उनके 2 बच्चे शामिल हैं। घर के सामने बिजली के केबल का तार छूने से ये पूरा हादसा हुआ। एक दूसरे को बचाने में परिवार के 4 लोगों की मौत हो गई।

एआई से बने शपथ-पत्र पर भड़के छग के सीजे

बिलासपुर। बिलासपुर स्थित छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान की बदहाल व्यवस्थाओं और बुनियादी सुविधाओं की कमी को लेकर सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली पर कड़ी नाराजगी जताई। विभाग के सचिव के शपथ-पत्र को देखकर मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने तीखी टिप्पणी की। यह एआई से तैयार किया गया है।

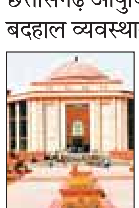

भुवनेश्वर अदालत को बम से उड़ाने की धमकी

भुवनेश्वर। ओडिशा में भुवनेश्वर अदालत परिसर में बम धमाके की धमकी वाला ईमेल मिलने के बाद पुलिस ने तलाशी शुरू किया। सहायक पुलिस आयुक्त (जोन-4) अभिमन्यु नायक ने बताया कि बम निरोधक दस्ते के कर्मी मौके पर पहुंचे और पूरी इमारत की गहन जांच की। तलाशी अभियान में कोई आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली।

कोलकाता में ममता के कार्यक्रम में जमकर हंगामा और बवाल

रैली में भिड़े टीएमसी व भाजपा कार्यकर्ता सड़क पर लगे चोर-चोर के नारे, अंडे फेंके

बारुईपुर में बच्ची के साथ दरिंदगी के विरोध में किया गया था प्रदर्शन

ममता ने अपने नेता को मारा थप्पड़

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में बुधवार को पूर्व मुख्यमंत्री और टीएमसी नेत्री ममता बेनर्जी की रैली के दौरान जमकर हंगामा और बवाल हुआ। बालीगंज फाड़ी से हाजरा मोड़ के बीच निकाले जा रहे इस मार्च में टीएमसी और भाजपा के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। दोनों तरफ के लोग एक-दूसरे से बुरी तरह उलझ पड़े। इस हंगामे के बाद पूरे इलाके में भारी तनाव फैल गया है। दरअसल यह पूरा बवाल बारुईपुर में 11 साल की बच्ची के साथ हुई दरिंदगी के विरोध में ही शुरू हुआ था। इस वारदात के खिलाफ टीएमसी ने कलकत्ता हाई कोर्ट की मंजूरी के बाद रैली निकाली थी। मुख्य आरोपी प्रभा मंडल का पुलिस ने एनकाउंटर कर दिया है। जब यह मार्च बालीगंज फाड़ी से हाजरा मोड़ की तरफ बढ़ रहा था, तो टीएमसी और भाजपा के कार्यकर्ता भिड़ गए और रैली अखाड़ा बन गई। इस दौरान नारेबाजी भी हुई। इस बीच ममता ने आपा खोया और अपने पार्टी के नेता को थप्पड़ मार दिया। वहीं ममता की इस रैली में अंडे भी फेंके गए।

हंगामे से जुड़ीं 5 बड़ी बातें

- पूर्व मुख्यमंत्री और टीएमसी नेता ममता के नेतृत्व में निकाला जा रहा था मार्च।
- यह पूरी झड़प और धक्का-मुक्की कोलकाता के बालीगंज फाड़ी से हाजरा मोड़ के बीच हुई।
- टीएमसी और भाजपा के समर्थक बीच सड़क पर एक-दूसरे से बुरी तरह उलझ पड़े।
- दोनों पक्षों ने एक-दूसरे को निशाना बनाते हुए जमकर की नारेबाजी।
- हाई कोर्ट की सिंगल बेंच ने समय और रूट बदलकर इस रैली को मंजूरी दी थी।

कोलकाता पुलिस ने बीच-बचाव की कोशिश भी की

बीच सड़क हाई-वोल्टेज ड्रामा दिखा

यह हाई-वोल्टेज ड्रामा उस समय शुरू हुआ जब ममताकी रैली बालीगंज फाड़ी से हाजरा मोड़ की तरफ बढ़ रही थी। इसी दौरान टीएमसी और बीजेपी कार्यकर्ता एक-दूसरे के आमने-सामने आ गए।

हाजरा मोड़ पर धक्का मुक्की और नारेबाजी

यह हाई-वोल्टेज ड्रामा उस समय शुरू हुआ जब ममता की अगुवाई में पार्टी का जुलूस बालीगंज फाड़ी से हाजरा मोड़ की तरफ बढ़ रहा था। वहां भाजपा के समर्थक भी पहुंच गए और दोनों राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए। पहले दोनों तरफ से तीखी बहस शुरू हुई, जो देखते ही देखते धक्का-मुक्की में बदल गई। दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को धक्का देते हुए 'चोर, चोर' के नारे लगाने शुरू कर दिए।

कोलकाता में प्रवर्तन निदेशालय की बड़ी कार्रवाई

टीएमसी के बैंक खातों में जमा 440 करोड़ रुपए फ्रीज

प्रवर्तन निदेशालय ने टीएमसी से जुड़े संदिग्ध फंड मामले में पीएमएलए के तहत जांच तेज कर दी है। एजेंसी ने कोलकाता में टीएमसी के बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है, जिनमें लगभग 440 करोड़ रुपए जमा हैं। यह कार्रवाई स्थानीय पुलिस द्वारा 3मुख्य बैंक खातों पर लगाए गए 'डेबिट फ्रीज' के बाद हुई है। पुलिस ने शिकायत के बाद इन खातों से होने वाले सभी लेन-देन और निकासी पर रोक लगा दी थी।

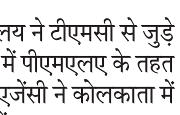

एक्शन के 3 मुख्य बिंदु

- **हवाई कंपनियों पर शक:** 150 करोड़ रुपये से ज्यादा का संदिग्ध फंड एविएशन और ट्रैवल कंपनियों के जरिए भेजा गया था।
- **कोलकाता में ताबड़तोड़ छापेमारी:** सीएपीएफ के साथ ईडी की टीमों ने कोलकाता में कई ठिकानों पर छापे मारे। यह छापेमारी एक प्राइवेट चार्टर फर्म 'केयरवेल एविएशन', उसके निदेशकों और एक कथित इलेक्टोरल ट्रस्ट से जुड़े परिसरों पर की गई।
- **संदेह का घेरा:** एजेंसी तफ्तीश कर रही है कि क्या इन खातों का इस्तेमाल भ्रष्टाचार, जबरन वसूली या तस्करी से जुड़ा है।

एनसीईआरटी किताब में बदलाव

देश के बंटवारे के साथ कांग्रेस की भूमिका, आंदोलन को फिर लिखा

8वीं की बुक 2026-27 के सत्र से पढ़ाई जाएगी

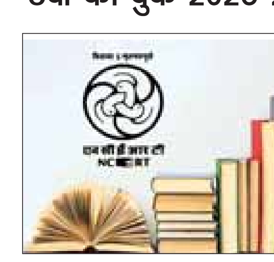

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एनसीईआरटी ने 8वीं की सोशल साइंस की नई किताब जारी कर दी है. इस बार इतिहास के कई हिस्सों में बदलाव किए गए हैं। खास तौर पर भारत के बंटवारे, कांग्रेस की भूमिका, वीडी सावरकर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और भारत छोड़ो आंदोलन से जुड़े चैप्टर को नए तरीके से लिखा गया है। यह किताब अब 2026-27 के शैक्षणिक सत्र से पढ़ाई जाएगी। नई किताब में आजादी की लड़ाई से जुड़े कई हिस्सों को पहले के मुकाबले अलग तरीके से लिखा गया है। कुछ पुरानी बातें हटाई गई हैं तो कुछ नई जानकारी भी जोड़ी गई है।

तब बंटवारे पर अलग अलग राय थी

नई किताब में कहा गया है कि भारत का बंटवारा सिर्फ दो समुदायों के बीच मतभेद की वजह से नहीं हुआ। इसमें यह भी लिखा गया है कि कांग्रेस ने भी बड़े स्तर पर बंटवारे का विरोध किया था और उस समय पूरे देश में इस फैसले पर एक जैसी राय नहीं थी। साथ ही यह भी बताया गया है कि बंटवारे को स्वीकार करना सही फैसला था या नहीं, इस पर आज भी अलग-अलग राय है।

कांग्रेस के 'बेबसी' वाले हिस्से को हटाया

पहले वाली किताब में लिखा था कि बंटवारे के समय हुई हिंसा के दौरान कांग्रेस के नेता खुद को बेबस महसूस कर रहे थे। नई किताब से इस हिस्से को हटा दिया गया है। हालांकि महात्मा गांधी के हिंसा पर दुख जताने वाले विचार अभी भी किताब में रखे गए हैं।

नेताजी वाले चैप्टर को भी बदला

बोस से जुड़े हिस्से में भी बदलाव किया गया है। पहले किताब में एडोल्फ हिटलर और नाजी विचारधारा का जिक्र था। नई किताब में इनका नाम हटा दिया गया है। अब सिर्फ इतना लिखा गया है कि नेताजी ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई में ब्रिटेन के विरोधी देशों से मदद लेने की कोशिश की थी।

'भारत छोड़ो' में लोहिया, जयप्रकाश का नाम जुड़ा

भारत छोड़ो आंदोलन वाले चैप्टर में भी बदलाव किया गया है। पहले गांधी, नेहरू और सरदार पटेल जैसे नेताओं के नाम लिखे गए थे। अब इसकी जगह लिखा गया है कि कांग्रेस का लगभग पूरा नेतृत्व गिरफ्तार कर लिया गया था, साथ ही राम मनोहर लोहिया और जयप्रकाश नारायण की भूमिका को भी विस्तार से बताया गया है।

कई राज्यों में दिखा खजाने का 'खेल' तो कहीं नहीं बैठ पा रहा राजनीतिक तालमेल

रिटायर अफसर के घर मिला 13 किलो सोना और 9 किलो चांदी

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश के परिवहन विभाग से रिटायर सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ललित कुमार कुबेर निकला। उत्तर प्रदेश विजिलेंस विभाग ने 7- 8जुलाई को छापा मारा तो 'कुबेर का खजाना' मिला। इतना सोना चांदी, जवाहरात, प्लॉट मकान दुकान दुकान देख विजिलेंस वालों को चक्कर आ गया। ठिकानों पर 13 किलो सोना और 9 किलो चांदी और 1.62 करोड़ नकद मिले हैं।

फॉरेस्ट रेंजर के यहां 4 मंजिला मकान, कैश-गहने मिले

भुवनेश्वर। ओडिशा विजिलेंस ने केंद्रापड़ा फॉरेस्ट रेंज के फॉरेस्ट रेंजर रवींद्र कुमार नायक के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने 4 अलग-अलग स्थानों पर तलाशी ली। तलाशी अभियान अभी भी जारी है। तलाशी के दौरान 2 लाख 14 हजार नकद मिले हैं। इसके अलावा लगभग 43 लाख की जमा राशि का भी पता चला है। अन्य वित्तीय निवेशों की जांच अभी जारी है। टीम सोने के आभूषणों का वजन और मूल्यांकन भी कर रही है। एक ग्रैंड विटारा और एक दोपहिया वाहन भी मिला है।

चढ़ावा चोरी पर गोपाल राव ने कहा

मैं पद पर बना हूं, मंदिर प्रशासक पद से हटाने की सूचना मात्र अफवाह

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के अयोध्या राम मंदिर दान चोरी मामले में विवाद में प्रशासक गोपाल राव की भूमिका को लेकर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। इस बीच अफवाह उड़ी कि राव को प्रशासक की भूमिका से हटा दिया गया है। बुधवार को वैदेही भवन में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरी से मुलाकात की। उन्हें रदान चोरी मामले के बाद लिस्ट से हटाने का मामला गरमाया था। अब उन्होंने इस प्रकार की अफवाहों पर विराम लगाया है।

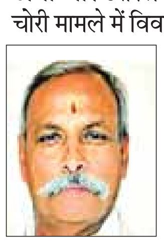

मीडिया में खबरें गलत चल रहीं

कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरी से मीटिंग के बाद राव ने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने ट्रस्ट के विशेष आमंत्रित सदस्य के तौर पर हटाने और प्रशासक की भूमिका से मुक्ति पर कहा मैं पद पर बना हुआ हूं और मैं यहीं रहूंगा। मीडिया में चल रही तमाम अफवाहें गलत हैं।

पंजाब विवाद पर बोले बघेल

यह गुड्डे-गुड़िया का खेल नहीं, हम नियुक्त अध्यक्ष को नहीं हटाएंगे

नई दिल्ली। कांग्रेस के पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल ने प्रदेश में पार्टी के नेतृत्व में किसी भी बदलाव की संभावना से इनकार करते हुए कहा कि ऐसे फैसले 'गुड्डे-गुड़ियों का खेल' नहीं हैं, जिन्हें बार-बार बदला जाए। उन्होंने कहा कि नेतृत्व पर आलाकमान का फैसला अंतिम है। वे जल्द ही प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके चरणजीत सिंह चन्नी से मुलाकात करेंगे। कांग्रेस ने घोषणा की थी कि अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर बने रहेंगे।

अब फैसले में नहीं होगा कोई बदलाव

मोहाली में चन्नी की मौजूदगी में कई नेताओं ने बैठक की थी। वड़िंग को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाए रखने के फैसले पर पुनर्विचार की अटकलों को खारिज करते हुए बघेल ने कहा कि जब आलाकमान ने फैसला कर लिया है तो उसे बदला नहीं जाता है।

जबलपुर
गुरुवार 9 जुलाई 2026
- आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष-9
- वर्ष : 21, अंक : 68
- पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 29
न्यून. 24

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

4 विश्व राजनीति के नए दौर में भारत

जबलपुर मैट्रो
8 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय...

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट से प्रदेश की 96 हजार आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिकाओं को बड़ी राहत

48 महीने का बकाया एरियर्स और ग्रेच्युटी देने का आदेश सरकार को जल्द चुकाना होगा 1400 करोड़ का बकाया

- हाईकोर्ट ने 6% ब्याज का आदेश खारिज किया, सरकार के करीब 300 करोड़ रुपए बचे
- जबलपुर हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने सिंगल बेंच के फैसले को रखा बरकरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

मध्य प्रदेश की करीब 96 हजार आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के हक में जबलपुर हाईकोर्ट ने एक बड़ा और ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार को जून 2019 से जून 2023 तक का, यानी पूरे 48 महीनों का लंबित एरियर्स और ग्रेच्युटी का लाभ जल्द से जल्द देने का आदेश दिया है। अदालत के इस फैसले से प्रदेश की हजारों महिला

फाइल फोटो

कर्मचारियों को बड़ी आर्थिक राहत मिली है। जस्टिस आनंद पाठक और जस्टिस बीपी शर्मा की डिवीजन बेंच ने लगभग 1400 करोड़ रुपए का मूल एरियर्स और ग्रेच्युटी देने के आदेश को तो सही ठहराया, लेकिन सिंगल बेंच द्वारा तय किए गए 6 प्रतिशत ब्याज के फैसले को बदल दिया। कोर्ट ने कहा कि मूल याचिका में ब्याज की मांग का पर्याप्त कानूनी आधार नहीं था, इसलिए ब्याज देने का आदेश कानूनन सही नहीं है।

हाईकोर्ट ने कहा- केंद्र ने अंशदान बढ़ाया तो राज्य ने कम क्यों किया?

सुनवाई के दौरान अदालत ने राज्य सरकार के रवैये पर कड़ी आपत्ति जताई। कोर्ट ने सरकार को अपना पुराना अंशदान बहाल रखने के निर्देश देते हुए सवाल किया कि जब साल 2018 में केंद्र सरकार ने अपना अंशदान बढ़ाया था, तो फिर राज्य सरकार ने उसे घटा क्यों दिया? कोर्ट ने साफ कहा कि राज्य सरकार के इस कदम के कारण आंगनवाड़ी कर्मचारियों को मिलने वाला वास्तविक लाभ बेहद कम हो गया था।

क्या था पूरा मामला और क्यों रुकी थी राशि?

दरअसल, यह पूरा मामला साल 2018 से जुड़ा है जब केंद्र सरकार ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के मानदेय में 1500 रुपए की बढ़ोतरी की थी। इस फैसले के बाद कार्यकर्ताओं का मानदेय 10 हजार रुपए और सहायिकाओं का मानदेय 7 हजार रुपए तय हुआ था। लेकिन साल 2019 में मध्य प्रदेश में सत्ता परिवर्तन होते ही नई सरकार ने राज्य का अंशदान घटा दिया। इस कटौती के चलते आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय घटकर महज 5500 रुपए तक सीमित हो गया था। सरकार के इसी फैसले के खिलाफ आंगनवाड़ी संगठनों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जिस पर अब कोर्ट ने अपना अंतिम फैसला दे दिया है।

खबर संक्षेप

सरपंच दंपती 20 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

शिवपुरी। खनियाधाना जनपद की ग्राम पंचायत जुंगीपुर की महिला सरपंच केशवती कोली और उनके पति खेमचंद कोली को ग्वालियर लोकायुक्त पुलिस ने 20 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। बुधवार सुबह सरपंच के आवास पर की गई। शिकायतकर्ता राहुल सिंह यादव ने साल 2025 में कपिलधारा योजना के तहत कुएं का निर्माण कराया था। भुगतान जारी करने के एवज में सरपंच रुपए की मांग कर रहे थे।

एयरपोर्ट पर पेशाब करते बच्चे का वीडियो वायरल

इंदौर। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर के एयरपोर्ट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने इंटरनेट पर 'पेरेंटिंग' को लेकर नई बहस छेड़ दी है। वीडियो में एक बच्चा रनवे पर खड़ी फ्लाइट के ठीक सामने खुले में पेशाब करता नजर आ रहा है। मशहूर उद्यमी अनुभव दुबे ने गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने लिखा कि हमें सार्वजनिक स्थानों पर पेशाब करना बंद करना होगा।

45 घंटे बाद भी टॉवर से नीचे नहीं उतरा शख्स

पांढुर्णा। शहर के तीन शेर चौक स्थित करीब 300 फीट ऊंचे बीएसएनएल टॉवर पर चढ़े एक शख्स को 45 घंटे से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन वह नीचे उतरने को तैयार नहीं है। यह हाई-वोल्टेज ड्रामा बुधवार को भी जारी रहा। छिंदवाड़ा से बुलाई गई विशेष रेस्क्यू टीम, पुलिस और प्रशासन दो दिनों से उसे सुरक्षित उतारने की कोशिश में जुटे हैं। शख्स टॉवर के सबसे ऊपरी हिस्से पर हाथ में लोहे की रॉड लेकर बैठा है।

दतिया का रणक्षेत्र : भारती बोले- पार्टी में किसी और को भी टिकट तो वे जी जान लगा देंगे

अब तक एक भी प्रत्याशी ने नामांकन दाखिल नहीं किया

नरोत्तम ने खरीदा नामांकन, भारती के मामले की हाईकोर्ट में सुनवाई

गुरुवार को सरकारी पक्ष की सुनवाई के बाद यदि भारती को राहत मिली तो दतिया उप चुनाव स्थगित भी हो सकता है। इसलिए, सभी दावेदार नामांकन खरीद रहे हैं लेकिन दाखिल नहीं कर रहे हैं

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

दतिया विधानसभा सीट के उप चुनाव के लिए भाजपा, कांग्रेस सहित किसी दल ने अब तक अपने अधिकृत प्रत्याशी घोषित नहीं किए हैं। अलबत्ता, नामांकन खरीदने का सिलसिला जारी है। भाजपा के प्रमुख दावेदार पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा की ओर से भी बुधवार को नामांकन फार्म खरीद लिया गया। अब तक एक भी नामांकन दाखिल नहीं किया गया है। कांग्रेस के पूर्व विधायक राजेंद्र भारती ने कहा है कि कांग्रेस हाईकमान यदि मेरे परिवार के अलावा किसी अन्य को प्रत्याशी बनाए तो मैं पूरी ताकत से जिताने के लिए काम करूंगा। दूसरी तरफ राजेंद्र भारती की याचिका पर बुधवार को दिल्ली हाईकोर्ट में लगभग एक घंटे तक सुनवाई हुई। भारती के वकीलों ने उनका पक्ष रखा। सुनवाई गुरुवार को भी जारी रहेगी और अपरान्ह ढाई बजे सरकारी पक्ष अपनी दलीलें रखेगा। इसके बाद हाईकोर्ट राजेंद्र भारती को राहत देने न देने के बारे में विचार करेगा।

भारती की याचिका पर बुधवार को दिल्ली हाईकोर्ट में लगभग एक घंटे तक सुनवाई

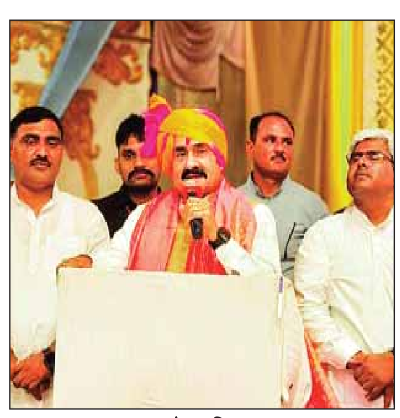
नरोत्तम मिश्रा

- गुरुवार को अपरान्ह ढाई बजे सरकारी पक्ष अपनी दलीलें रखेगा
- इसके बाद हाईकोर्ट भारती को राहत देने न देने के बारे में विचार करेगा
- पूर्व विधायक घनश्याम सिंह और अवधेश नायक कांग्रेस के प्रमुख दावेदार

हाईकोर्ट के निर्णय पर टिका उप चुनाव

मप्र कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) घोटाले में दोषी पाए जाने के बाद भारती को दिल्ली की एमपी-एमएलए कोर्ट ने सजा सुनाई थी। इसी फैसले को चुनौती देते हुए उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। बुधवार को भारती की ओर से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं प्रसिद्ध अधिवक्ता पी चिदंबरम ने उनका पक्ष रखा।

तीन दिन में खरीदे जा चुके 9 नामांकन फार्म

बुधवार को डॉ. नरोत्तम मिश्रा के अलावा बालकिशन विश्वकर्मा (छतरपुर), वेदराम कुर्मी (दमोह) और हंसमुखी लोधी ने भी नामांकन पत्र खरीदे। इसके साथ ही 3 दिन में नामांकन फॉर्म लेने वालों की कुल संख्या 9 हो गई है। पहले दिन सोमवार को आजाद समाज पार्टी के दामोदर यादव और केशव यादव ने फॉर्म खरीदे थे। मंगलवार को कांग्रेस नेता अवधेश नायक के साथ हरदास और रामसिंह ने भी नामांकन पत्र लिए।

परिवार को टिकट देना आवश्यक नहीं

कांग्रेस के पूर्व विधायक राजेंद्र भारती ने कहा कि उन्होंने पार्टी नेतृत्व से अनुरोध किया है कि उनके परिवार को टिकट देना आवश्यक नहीं है। यदि पार्टी किसी अन्य योग्य नेता को उम्मीदवार बनाती है तो भी वे तन, मन और धन से काम करेंगे और उसकी जीत सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि हमने अब फैसला पार्टी नेताओं पर छोड़ दिया है। कह दिया है कि हमारा लड़ना बहुत जरूरी नहीं है। पार्टी को और अच्छा प्रत्याशी मिलता है तो उसे लड़ाइए, हम पूरा सपोर्ट करेंगे।

राजेंद्र भारती

ई-अटेंडेंस पर स्कूल शिक्षा मंत्री की दो टूक

दिनभर मोबाइल चलाने वाले शिक्षकों को इसमें क्या दिक्कत?

फाइल फोटो

तकनीकी खामियों के चलते किसी भी शिक्षक का वेतन नहीं काटा गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सरकारी स्कूलों में ई-अटेंडेंस व्यवस्था को लेकर सरकार और शिक्षकों के बीच बहस एक बार फिर गरमा गई है। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने साफ कर दिया है कि सरकार इस फैसले से पीछे हटने के मूड में नहीं है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जब शिक्षक दिनभर मोबाइल का इस्तेमाल कर सकते हैं, तो उन्हें एप पर ई-अटेंडेंस लगाने में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि जहां नेटवर्क की समस्या है।

पीएफ धारकों के लिए खुशखबरी

15 जुलाई तक खातों में आएगा 8.25% ब्याज

कर्मचारी घर बैठे आसान तरीके से चेक कर सकते हैं राशि

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश के करोड़ों नौकरीपेशा कर्मचारियों और पेंशनधारकों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। सरकार ने भविष्य निधि (पीएफ) खातों में ब्याज की रकम डालने की आधिकारिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने घोषणा की है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए तय किया गया 8.25% सालाना ब्याज आगामी 15 जुलाई तक सभी सदस्यों के खातों में पूरी तरह क्रेडिट (जमा) कर दिया जाएगा।

फाइल फोटो

यूपी में रिटायर्ड अफसर के घर कुबेर का खजाना

दीवारों और कमरों से निकला 1.62 करोड़ कैश 20 करोड़ के सोने-हीरे जब्त

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सेवानिवृत्त एआरटीओ ललित कुमार के लखनऊ आवास पर विजिलेंस टीम ने बड़ी छापेमारी की है। करीब 26 घंटे चली इस कार्रवाई में 13 किलो सोना, 9 किलो चांदी और हीरे के आभूषण जब्त किए गए हैं, जिनकी कीमत 20 करोड़ रुपये आंकी गई है। तलाशी के दौरान टीम को अलग-अलग कमरों और दीवारों में छिपाकर रखे गए 1.62 करोड़ रुपए कैश मिले हैं।

ललित कुमार

रोंगटे खड़े कर देने वाला हादसा

तेज रफ्तार कार पलटी, 20 फीट ऊपर उछला ड्राइवर

युवती की मौके पर मौत, 6 घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सीहोर

जिले के भेरुंदा में एक तेज रफ्तार टवेरा कार अनियंत्रित होकर महज 3 सेकंड में 4 बार पलटी खाते हुए सड़क किनारे खेत में जा गिरी। हादसा इतना भीषण था कि कार का ड्राइवर शीशा तोड़कर हवा में करीब 20 फीट ऊपर उछला और दूर जा गिरा। 6 जुलाई को हुए इस खौफनाक हादसे का सीसीटीवी फुटेज बुधवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इस दुर्घटना में कार सवार एक युवती की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 6 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

हाई कोर्ट की नाराजगी के बाद एक्शन

भूमि विवादः डिप्टी कलेक्टर व नायब तहसीलदार सस्पेंड

प्रमुख सचिव कोर्ट में हुए पेश, देरी के लिए बिना शर्त मांगी माफी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने अदालती आदेशों के पालन में लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया है कि कोर्ट के निर्देशों का अक्षरशः पालन होना चाहिए। जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने एक अवमानना याचिका का निराकरण करते हुए राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव को भविष्य में ऐसे मामलों में देरी न होने देने की हिदायत दी है।मामले की सुनवाई के दौरान राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव खुद कोर्ट में पेश हुए।

आज धार में अत्यधिक भारी बारिश का रेड अलर्ट

एक दर्जन जिलों में अति भारी बारिश होगी

अब बारिश ले रही रौद्र रूप, खरगोन में उफनती नदी में युवक बहा, अचानक बाढ़ का अलर्ट जारी

आगर-मालवा, मंदसौर, रतलाम, राजगढ़, शाजापुर, उज्जैन, सीहोर, देवास, इंदौर, धार, खरगोन, बड़वानी, बुरहानपुर जिलों में कुछ जगह अचानक बाढ़ का अलर्ट जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित अधिकांश जिलों में अभी तेज से भारी और कुछ हिस्सों में अति भारी बारिश का दौर जारी है। बुधवार तक इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम, भोपाल, सागर, जबलपुर, रीवा, शहडोल, ग्वालियर और चंबल संभाग के अधिकांश हिस्सों में बारिश दर्ज की गई है। इस बीच कुछ जिलों में स्थिति काफी खराब रही। कुछ इलाकों में अचानक बाढ़ का खतरा भी बढ़ा है।

खरगोन में युवक को बचाते हुए

सेंधवा में एक पुल के ऊपर से पानी का बहाव

बाढ़ का खतरा

मौसम केंद्र ने कुछ जिलों में अचानक बाढ़ के खतरे के लिए अलर्ट जारी किया है। इनमें आगर-मालवा, मंदसौर, रतलाम, राजगढ़, शाजापुर, उज्जैन, सीहोर, देवास, इंदौर, धार, खरगोन, बड़वानी, बुरहानपुर जिले शामिल हैं। इनमें निचले इलाकों में पानी भरने और बाढ़ का खतरा हो सकता है।

आज यहां अति भारी बारिश

गुरुवार को धार में अत्यधिक भारी बारिश का रेड अलर्ट है। झाबुआ, रतलाम, गुना, शिवपुरी, ग्वालियर, मुरैना, टीकमगढ़, दतिया, निवाड़ी में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, खरगौन, बड़वानी, अलीराजपुर, इंदौर, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर, नीमच, अशोकनगर, भिंड, श्योपुरकलां, दमोह, सागर, छतरपुर में भारी बारिश हो सकती है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

18 से कम उम्र में मुस्लिम लड़की का निकाह गैरकानूनी, पर्सनल लॉ पॉक्सो से ऊपर नहीं

एजेंसी ▶▶ प्रयागराज

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले में स्पष्ट किया है कि बाल विवाह निषेध कानून और पॉक्सो एक्ट देश के सभी नागरिकों पर समान रूप से लागू होते हैं। अदालत ने साफ तौर पर कहा कि मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरिया) समेत कोई भी पर्सनल लॉ इन कानूनों से ऊपर नहीं है और न ही इनके प्रावधानों को दरकिनार कर सकता है। जस्टिस जेजे मुनीर और जस्टिस अचल सचदेव की बेंच ने उन 19 याचिकर्ताओं की एफआईआर रद्द करने की मांग को खारिज कर दिया, जिन्होंने बुलंदशहर में एक 16 वर्षीय मुस्लिम लड़की का बाल विवाह रुकवाने गई ।

चिंतन

फिर अनिश्चितता के भंवर में दुनिया

मध्य-पूर्व एक बार फिर अशांत होता दिखाई दे रहा है। ईरान के अड़ियल रुख और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पलटवार के कारण दुनिया एक बार फिर अनिश्चितता के भंवर में फंस गई है। खाड़ी में युद्ध के कारण कच्चा तेल, गैस और ऊर्जा सभी की महंगाई और टूटती चेन सप्लाई ने लोगों को परेशान कर रखा था। युद्ध विराम के बाद दुनिया कुछ उभरने लगी थी, लेकिन अब होर्मुज में कतर समेत तीन जहाजों पर ईरान का हमला और फिर ट्रम्प का यह कहना कि ईरान के साथ हुआ युद्धविराम (सीजफायर) अब समाप्त हो चुका है और अमेरिका ईरान से कोई नई डील नहीं करना चाहता, क्षेत्र में बढ़ते तनाव का संकेत है। अमेरिकी सैन्य कार्रवाई, ईरान पर 80 से अधिक ठिकानों पर हवाई हमले और होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर हुए हमलों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चिंता बढ़ा दी है। यह घटनाक्रम केवल दो देशों के बीच का विवाद नहीं, बल्कि वैश्विक शांति, ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता से जुड़ा हुआ विषय है। इस साल एक तरफ अलनीनो के कारण कमजोर मानसून और दूसरी तरफ ईरान की बेजा हरकत ने दुनिया को परेशानी में डाल दिया है। ईरान ने शांति की सारी उम्मीदों को झटका दे दिया है। अब खाड़ी के देशों को एकजुट होकर ईरान के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। होर्मुज में जहाजों पर हमला किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं किया जा सकता है। जहाजों पर लोग रोजी-रोटी कमाने के लिए काम करते हैं। ऐसे में उनको निशाना बनाया जाना गलत है। खासकर जहाजों पर काम करने वालों में अधिकतर भारतीय हैं। ऐसे में दुनिया के किसी भी जहाज पर हमला भारतीय नागरिकों पर हमले जैसा है। भारत सरकार को भी ईरान को दो टूक कहना चाहिए कि भारतीयों पर हमले स्वीकार्य नहीं हैं। ईरान अपने प्रतिशोध के लिए दूसरा तरीका अपनाए। अमेरिका का तर्क है कि ईरान समर्थित गतिविधियों और उसके परमाणु कार्यक्रम से क्षेत्रीय तथा वैश्विक सुरक्षा को खतरा है। दूसरी ओर ईरान इसे अपनी संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रश्न मानते हुए सैन्य दबाव के बीच किसी समझौते से इनकार कर रहा है। दोनों देशों के बीच अविश्वास वर्षों पुराना है, लेकिन हाल की घटनाओं ने स्थिति को और अधिक विस्फोटक बना दिया है। यदि जवाबी कार्रवाई का यह सिलसिला जारी रहता है, तो संघर्ष सीमित नहीं रहेगा और पूरे पश्चिम एशिया को अपनी चपेट में ले सकता है।यदि अमेरिका अपने सहयोगियों से अपेक्षित समर्थन न मिलने की बात कह रहा है, तो यह पश्चिमी देशों की सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था में मतभेदों की ओर संकेत करता है। किसी भी अंतरराष्ट्रीय गठबंधन की शक्ति उसकी एकजुटता में होती है। यदि रणनीतिक मतभेद सार्वजनिक रूप से सामने आने लगें, तो इसका लाभ अस्थिरता फैलाने वाली शक्तियां उठा सकती हैं। भारत के लिए भी यह स्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण है। देश की ऊर्जा सुरक्षा, खाड़ी क्षेत्र में रहने वाले लाखों भारतीयों की सुरक्षा और वैश्विक व्यापार से जुड़े हित इस संकट से सीधे प्रभावित हो सकते हैं। इसलिए भारत को अपनी पारंपरिक संतुलित विदेश नीति के अनुरूप शांति, संवाद और अंतरराष्ट्रीय कानून के सम्मान का पक्ष मजबूत करना चाहिए। कुल मिलाकर किसी भी युद्ध में अंततः जीत किसी की नहीं होती, जबकि मानवता, अर्थव्यवस्था और वैश्विक स्थिरता सबसे अधिक नुकसान उठाती है। अमेरिका और ईरान दोनों को यह समझना होगा कि सैन्य शक्ति भय पैदा कर सकती है, लेकिन विश्वास नहीं। स्थायी शांति केवल बातचीत, पारस्परिक सम्मान और कूटनीतिक समाधान से ही संभव है।

साझेदारी
नृपेन्द्र अभिषेक 'नृप'

विश्व राजनीति के नए दौर में भारत

इंडोनेशिया के साथ रक्षा और व्यापारिक सहयोग के नए आयाम हों या ऑस्ट्रेलिया के साथ शिक्षा, खनिज संसाधनों और रणनीतिक साझेदारी को नई दिशा देने के प्रयास, ये घटनाएं इस बात का प्रमाण हैं कि बदलते वैश्विक समीकरणों में भारत अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि एक निर्णायक भूमिका निभाने वाला राष्ट्र बन चुका है। विश्व व्यवस्था जिस तीव्र गति से बदल रही है, उसमें भारत अपनी आकांक्षाओं को नए पंख देने के लिए दूरदर्शी कूटनीति और संतुलित विदेश नीति के साथ आगे बढ़ रहा है। 21वीं सदी की अंतरराष्ट्रीय राजनीति पहले की तुलना में कहीं अधिक जटिल और बहुआयामी हो गई है। यही कारण है कि भारत आज विश्व के अनेक देशों के लिए एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में उभर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया यात्रा ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया कि आज की दुनिया केवल कूटनीतिक औपचारिकताओं से नहीं चलती, बल्कि राष्ट्रीय हितों, आर्थिक साझेदारियों, तकनीकी सहयोग और मानव संसाधनों के साझा विकास से आगे बढ़ती है। इंडोनेशिया के साथ रक्षा और व्यापारिक सहयोग के नए आयाम हों या ऑस्ट्रेलिया के साथ शिक्षा, खनिज संसाधनों और रणनीतिक साझेदारी को नई दिशा देने के प्रयास, ये घटनाएं इस बात का प्रमाण हैं कि बदलते वैश्विक समीकरणों में भारत अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि एक निर्णायक भूमिका निभाने वाला राष्ट्र बन चुका है। विश्व व्यवस्था जिस तीव्र गति से बदल रही है, उसमें भारत अपनी आकांक्षाओं को नए पंख देने के लिए दूरदर्शी कूटनीति और संतुलित विदेश नीति के साथ आगे बढ़ रहा है। इक्कीसवीं सदी की अंतरराष्ट्रीय राजनीति पहले की तुलना में कहीं अधिक जटिल और बहुआयामी हो गई है। पहले देशों के बीच संबंध मुख्यतः सैन्य शक्ति और राजनीतिक प्रभाव तक सीमित थे, लेकिन आज आर्थिक सहयोग, तकनीकी नवाचार, ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री व्यापार, आपूर्ति शृंखला, शिक्षा, डिजिटल अर्थव्यवस्था और जलवायु परिवर्तन जैसे विषय वैश्विक संबंधों के केंद्र में आ चुके हैं।

ऐसे समय में भारत ने अपनी विदेश नीति को केवल सीमाओं की सुरक्षा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे विकास, निवेश, रोजगार और नागरिकों के भविष्य से जोड़ दिया है। यही कारण है कि भारत आज विश्व के अनेक देशों के लिए एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में उभर रहा है। इंडोनेशिया के साथ भारत के संबंध केवल दो मित्र देशों के संबंध नहीं हैं, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समुद्री सुरक्षा की साझा जिम्मेदारी भी हैं। मलक्का जलडमरूमध्य और हिंद महासागर के बीच स्थित यह क्षेत्र वैश्विक व्यापार का प्रमुख मार्ग है। ऐसे में भारत और इंडोनेशिया के बीच रक्षा सहयोग, समुद्री सुरक्षा और व्यापारिक समझौते पूरे क्षेत्र की स्थिरता को मजबूत करने का कार्य करते हैं। ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल और आकाश एयर डिफेंस सिस्टम जैसे रक्षा सहयोग केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन नहीं हैं, बल्कि यह भारत की बढ़ती तकनीकी क्षमता और रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता का भी प्रतीक हैं। इससे भारत की वैश्विक साख मजबूत होती है और रक्षा निर्यात के नए अवसर भी पैदा होते हैं। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया के साथ बढ़ती निकटता भारत की बदलती रणनीतिक सोच को दर्शाती है। ऑस्ट्रेलिया आज केवल एक मित्र देश नहीं, बल्कि ऊर्जा, शिक्षा, तकनीक और खनिज संसाधनों का महत्वपूर्ण साझेदार बन चुका है। स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ रही दुनिया में लिथियम और अन्य महत्वपूर्ण खनिजों की मांग लगातार बढ़ रही है।

ऑस्ट्रेलिया इन संसाधनों से समृद्ध है और भारत को अपनी इलेक्ट्रिक वाहन नीति, बैटरी निर्माण तथा हरित ऊर्जा परियोजनाओं के लिए इनकी आवश्यकता है। इसलिए दोनों देशों का सहयोग केवल वर्तमान की जरूरत नहीं, बल्कि भविष्य की आर्थिक सुरक्षा का भी आधार बन रहा है। भारत की विदेश नीति का एक महत्वपूर्ण पक्ष शिक्षा और मानव संसाधन विकास भी बन चुका है। आज लाखों भारतीय छात्र विदेशों में उच्च

शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, जिनमें बड़ी संख्या ऑस्ट्रेलिया में अध्ययनरत है। यदि दोनों देशों के बीच वीजा प्रक्रिया सरल होती है, शोध सहयोग बढ़ता है और डिग्रियों की पारस्परिक मान्यता मजबूत होती है, तो इसका सीधा लाभ भारतीय युवाओं को मिलेगा। शिक्षा के साथ-साथ रोजगार, स्टार्टअप, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में भी नए अवसर खुलेंगे। इस प्रकार विदेश नीति अब केवल सरकारों के बीच संबंध नहीं रह गई है, बल्कि यह सीधे युवाओं के सपनों और परिवारों की आकांक्षाओं से जुड़ गई है। बदलते वैश्विक समीकरणों में व्यापार की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। दुनिया ने महामारी और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संघर्षों के दौरान देखा कि जब आपूर्ति शृंखलाएं बाधित होती हैं, तो पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है। इसलिए आज हर देश विश्वसनीय साझेदारों की तलाश में है।

भारत अपनी विशाल बाजार क्षमता, कुशल मानव संसाधन, लोकतांत्रिक व्यवस्था और मजबूत विनिर्माण क्षमता के कारण वैश्विक कंपनियों के लिए आकर्षण का केंद्र बन रहा है। 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी पहलें केवल घरेलू योजनाएं नहीं हैं, बल्कि इन्हें वैश्विक निवेश और निर्यात वृद्धि से भी जोड़ा गया है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सक्रियता ने भी विश्व राजनीति को नई दिशा दी है। अनेक देश संतुलित शक्ति व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारत के साथ अपने संबंध मजबूत कर रहे हैं। भारत ने भी किसी टकराव की नीति अपनाने के बजाय सहयोग, संवाद और साझेदारी को प्राथमिकता दी है। यही संतुलित दृष्टिकोण भारत को विश्व मंच पर एक जिम्मेदार और भरोसेमंद राष्ट्र के रूप में स्थापित करता है। क्वाड जैसे मंचों में सक्रिय भागीदारी, समुद्री सुरक्षा पर सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता के प्रयास इसी सोच का परिणाम हैं। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। यदि वैश्विक साझेदारियों के माध्यम से शिक्षा, तकनीक, निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ते हैं, तो इसका सबसे अधिक लाभ भारतीय युवाओं को मिलेगा। आज दुनिया कुशल मानव संसाधनों की तलाश में है और भारत के पास प्रतिभा का विशाल भंडार है। आवश्यकता केवल इस प्रतिभा को सही अवसरों से जोड़ने की है। विदेश नीति का यही नया स्वरूप भारत के युवाओं की आकांक्षाओं को वैश्विक मंच प्रदान कर रहा है। आज की दुनिया में किसी भी देश की शक्ति केवल उसकी सैन्य क्षमता से नहीं मापी जाती, बल्कि उसकी आर्थिक मजबूती, तकनीकी प्रगति, नवाचार, कूटनीतिक प्रभाव और वैश्विक विश्वसनीयता से भी तय होती है। भारत इन सभी क्षेत्रों में निरंतर आगे बढ़ रहा है। यही कारण है कि विकसित देशों से लेकर विकासशील राष्ट्रों तक, सभी भारत के साथ दीर्घकालिक साझेदारी बनाने में रुचि दिखा रहे हैं।

यह परिवर्तन अचानक नहीं आया है, बल्कि वर्षों की संतुलित नीति, निरंतर संवाद और राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का परिणाम है। बदलते वैश्विक समीकरण भारत के लिए केवल चुनौतियाँ लेकर नहीं आए हैं, बल्कि उन्होंने नई संभावनाओं के द्वार भी खोले हैं। इंडोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ मजबूत होते संबंध इस बात के संकेत हैं कि भारत अब विश्व व्यवस्था में एक प्रभावशाली, विश्वसनीय और दूरदर्शी शक्ति के रूप में उभर रहा है। यदि यही गति, संतुलन और दूरदृष्टि बनी रही, तो आने वाले वर्षों में भारत न केवल अपनी आर्थिक और रणनीतिक स्थिति को और मजबूत करेगा, बल्कि करोड़ों भारतीयों, विशेषकर युवाओं के सपनों और आकांक्षाओं को भी नई उड़ान देगा। यही बदलते वैश्विक दौर में भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि और सबसे बड़ी आशा है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

मंथन

डॉ. मोनिका शर्मा

बच्चियों के साथ बर्बरता-समाज को भयभीत करती घटनाएं

हाल ही में राजस्थान के श्रीगंगानगर में एक नाबालिग के साथ दरिंदगी के गंभीर अपराध से समग्र समाज स्तब्ध है। बेटियों की सुरक्षा को लेकर हर परिवार चिंतित है। मासूम बच्ची के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म और खरीद-फरोख्त का यह झकझोर देने वाला मामला दिशाहीन और अमानवीय होती सोच की बानगी है। इस घिनौनी वारदात में ई-रिक्शा चालक ने बच्ची को विश्वास में लेकर एक होटल संचालक को बेच दिया। उसके बाद बंधक बनाकर अलग-अलग होटलों में उसके साथ लगातार 5 दिन तक दरिंदगी की गई। दर्द से तड़पती मासूम को शांत करने और सुलाने के लिए जबरन शराब पिलाई जाती थी। वस्तुतः, यह शर्मनाक और खौफनाक घटना खत्म होते नैतिक मूल्यों और लचर कानून व्यवस्था दोनों की कटु हकीकत लिए है। इतना ही नहीं, नाबालिग बच्चियों के साथ होते संगठित अपराध और मानव तस्करी के आंकड़े तो डराने वाले ही हैं।पीड़ादायी है कि बेटियों के साथ कुत्सित सोच वाले लोगों के वहशीपन की घटनाएं आए दिन हो रही हैं। दरिंदगी की इन्तेहा पार करने वाले ऐसे मामले बार-बार बेटियों की सुरक्षा और लोगों की निर्दयी होती सोच को सामने रखते हैं। इंसानी सोच का यह कलुषित पक्ष समाज में डर का सबसे बड़ा कारण बन गया है। चिंतनीय है कि बात श्रीगंगानगर में हुई घिनौनी और बर्बर घटना भर की नहीं है। देश के हर हिस्से से आए दिन ऐसी खबरें आती रहती हैं जिनमें मासूम बच्चियों के साथ ऐसी शर्मनाक और वीभत्स घटनाओं को अंजाम दिया जाता है। जीवन के सही मायने तक ना समझने वाली उम्र में भी बच्चियों के साथ हद दर्जे की बर्बरता हुई है। शर्मनाक ही है कि शारीरिक शोषण और क्रूरता के ऐसे मामलों में अनजान लोगों की ही नहीं, अपनों की भी भागीदारी देखने को मिली है। कहना गलत नहीं होगा कि घर हो या बाहर, मौजूदा परिवेश में बेटियां असुरक्षित भी हैं और अमानवीयता भी झेल रही हैं। चाइल्डलाइट ग्लोबल चाइल्ड सेफ्टी इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट 'इंटू द लाइट इंडेक्स 2025' के अनुसार भारत में बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों के मामलों में 2017 से 2022 तक 94 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। नेशनल क्राइम रिकाड्र्स ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक हमारे यहां हर 30 मिनट में एक बच्चे के साथ यौन दुर्व्यवहार हो रहा है। एनसीआरबी की पिछले साल की रिपोर्ट बताती है कि भारत में बच्चों के खिलाफ अपराधों में लगातार वृद्धि हो रही है।यह आंकड़ा 2022 के आंकड़ों की तुलना में लगभग 9 फीसदी अधिक है। इन मामलों में नाबालिग लड़कियों के साथ हो रहे अपराधों की संख्या सबसे चिंताजनक है। असल में समाज के सभ्य-संवेदनशील लोगों को झकझोर कर रख देने वाले इन मामलों की पुनरावृत्ति होना सबसे चिंतनीय पक्ष है। खासकर बेटियों के अभिभावकों के मन में तो ऐसे समाचार नैराश्य, विषाद और भय पैदा करते हैं। मासूम बच्चियों के साथ होने वाली ऐसी हैवानियत उनके पूरे व्यक्तित्व को खंडित कर देती है। भावी जीवन में उनके विचार और व्यवहार दोनों ही ऐसे दुर्भाग्यपूर्ण वाकये से प्रभावित होते हैं। मनोवैज्ञानिक रूप से तो मासूम मन ऐसे हादसे से जीवन भर नहीं उबर पाता। यह बर्बरता बहुत सी बच्चियों का जीवन ही छीन लेती है। विचारणीय है कि इन खबरों का समाज की मानसिकता पर भी नकारात्मक असर पड़ता है। भय भरे परिवेश में बच्चियों का बचपन छिन जाता है। गांवों-कस्बों में हुई ऐसी एक घटना कई बेटियों का स्कूल जाना छुड़वा देती है। माता-पिता कम उम्र में उनकी शादी करने को विवश हो जाते हैं। इतना ही नहीं, बरसों तक चलने वाले ऐसे मुकदमे भी कहीं ना कहीं बेटियों के परिवारजनों के लिए ही प्रताड़ना का कारण बन जाते हैं। कठोर कानून बनने के बावजूद ऐसे दुस्साहस भरे मामले हर दिन सामने आ रहे हैं। हाल ही में पुणे के नसरापुर में 3 साल की मासूम से दुष्कर्म और हत्या के जघन्य मामले में विशेष पॉक्सो अदालत ने दोषी को फांसी की सजा सुनाई है। यह फैसला मात्र 60 दिनों के रिकॉर्ड समय में 'रेयरेस्ट ऑफ रेयर' श्रेणी के तहत सुनाया गया। कहना गलत नहीं होगा कि मासूम बच्चियों के साथ बलात्कार और यौन शोषण की घटनाएं विकृत और बार्बर मानसिकता को दर्शाती हैं। कानूनी लचरता संग हर ओर परोसी जा रही अश्लीलता ने हालात भयावह बना दिए हैं। स्मार्ट स्क्रीन में पल-पल देखा जा रहा पॉर्न और नेगेटिव कंटेन्ट हर उम्र के लोगों में कुत्सित मनःस्थिति को पोषण दे रहा है। कहीं न कहीं जीवन के हर पहलू पर विस्तार पा रही संस्कारहीन सोच और नैतिक अवमूल्यन ही भयावह हादसों के लिए जिम्मेदार है। इसीलिए कड़े कानूनों संग इंसानी मन में बेटियों की सुरक्षा के प्रति मानवीय दायित्व और संवेदनशील सोच का भाव भी आवश्यक है।

श्रीकृष्ण का क्रिया योग

संकलित
दर्शन

योगदा सत्संग सोसाइटी के संस्थापक और 'योगी कथामृत' के लेखक श्री श्री परमहंस योगानंद की श्रीमद्भगवद्गीता पर व्याख्या 'ईश्वर-अर्जुन संवाद' के अनुसार, कृष्ण शब्द की अनेक व्युत्पत्ति में हैं। इनमें 'श्याम' सर्वाधिक प्रचलित है, जो उनके रंग-रूप की ओर संकेत करता है। उन्हें चित्रों में प्रायः गाढ़े नीले रंग का दिखाया जाता है, जो देवत्व का प्रतीक है। नीला रंग दिव्य नेत्र में (भ्रूमध्य के बीच) दिखने वाले नीले प्रकाश का भी प्रतीक है, जो योग में चेतना की कूटस्थ चैतन्य अवस्था को दर्शाता है। मतलब कृष्ण का रंग आध्यात्मिकता का भी प्रतीक है और एक गूढ़ अर्थ की ओर संकेत करता है। योगानंद जी के अनुसार, इंद्रिय जनित लिप्स ग्रस्त संसार दिव्य प्रेम की शुद्धता को नहीं समझ पाता। शाब्दिक अर्थों से परे गोपियों संग कृष्ण लीलाओं का प्रतीकात्मक अर्थ, ब्रह्म और सृष्टि के उस रास से है, जो ईश्वरीय लीला को संसार में व्यक्त करता है। कृष्ण की वंशी की मधुर तान भक्तों को ध्यान जनित समाधि के मंडप में आने को पुकारती हैं, ताकि वह आनंददायक ईश्वरीय प्रेम का पान कर सकें। कृष्ण के जीवन का दर्शन हमें भौतिक जीवन के दायित्वों के निर्वहन और उन्हीं के बीच ईश्वर का सानिध्य पाने के प्रयासों के मध्य सामंजस्य साधना सिखाता है। कृष्ण सिखाते हैं कि परिवेश कुछ भी हो, ईश्वर को वहीं ले आओ, जहां उसने तुम्हें रखा है। कृष्ण ने अपने राजसी दायित्व निभाने हेतु दुष्ट शासकों के विरुद्ध कई अभियान किए, जिनमें कौरव-पांडवों के बीच हुए महाभारत युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जीवन का, जीवन बीमा

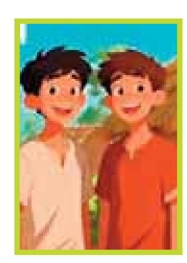

संकलित
प्रेरणा

दो मित्र थे, बड़े परिश्रमी और मेहनती। अपने परिश्रम से दोनों एक दिन बड़े सेठ बन गए। दोनों ने बड़ा व्यवसाय खड़ा कर लिया। पहले सेठ ने अपनी सारी संपत्ति का बीमा करवा लिया। उसने अपने मित्र को बार-बार यही परामर्श दिया कि वह भी अपनी सम्पत्ति का बीमा करवा ले। परन्तु दूसरे मित्र ने उसकी बात को अनसुना कर दिया। दुर्भाग्य से एक दिन शहर में आग लग गई। दोनों की सारी संपत्ति जल कर राख हो गई। पहले सेठ ने बीमा करवा रखा था इसलिए उसे सारी संपत्ति वापस मिल गई, जबकि दूसरा मित्र निर्धन बन गया। मगर हाथ पछताने के अतिरिक्त उसके पास कोई चारा नहीं बचा था। मनुष्य का यह जन्म भी सेठ की संपत्ति के समान है। हम सभी को मालूम है कि एक दिन इस शरीर को भस्म होना है मगर हम हैं कि जीवन के इस अटल सत्य को जानकर भी अनसुना कर देते हैं। हम इसका कभी बीमा नहीं करवाते। न सत्कर्म करते है, न अभ्यास और वैराग्य द्वारा मोक्ष मार्ग को सिद्ध करते हैं, न योग मार्ग के पथिक बनते है, न ईश्वर का साक्षात्कार करते है। इसके विपरीत भोग, दुराचार, पाप, राग-द्वेष, ईर्ष्या, अभिमान, अहंकार, असत्य आदि के चक्कर में अपना बीमा ही करवाना भूल जाते हैं। वेद में अनेक मन्त्रों के माध्यम से जन्म-मरण और मुक्ति की पवित्र शिक्षा को कहा गया हैं- शरीररूप बंधन में आकर जीवात्मा जहाँ तहाँ भटकता है- वेद शरीर नश्वर है इसके रहते हुए जो श्रेष्ठ कर्म किया जा सके करले अपने को संभाल के परमात्मा का स्मरण कर-वेद जीवात्मा वासनावश ऊंची नीची योनियों में शरीर धारण करता है।

सटाका

आज की पाती

बरसा आसमान का कहर

लंबे इंतजार के बाद जब मानसून ने पूरे देश में दस्तक दी तो लोगों के चेहरों पर खुशी थी। भीषण गर्मी और पानी के संकट से जूझ रहे करोड़ों लोगों को उम्मीद थी कि बारिश राहत लेकर आएगी, खेतों में हरियाली लौटेगी और जलस्रोत भर जाएंगे। लेकिन इस बार मानसून ने राहत से ज्यादा आफत का रूप दिखाया। देश के अनेक राज्यों में मूसलाधार बारिश ने बाढ़, जलभराव, भूस्खलन और हादसों का ऐसा सिलसिला शुरू कर दिया कि जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया। कई स्थानों पर लोगों को घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा, सैकड़ों गांवों का संपर्क टूट गया, सड़कें नदियों में बदल गईं और करोड़ों रुपए की संपत्ति पलभर में तबाह हो गई।

– सीमा, जींद,

ट्रेंड

प्रम्बानन मंदिर

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) अब इंडोनेशिया के यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल 'प्रम्बानन मंदिर' के संरक्षण में अपनी विशेषज्ञता साझा करेगा। प्रम्बानन मंदिर में गूंजता "ॐ नमः शिवाय" सनातन की शाश्वत चेतना का दिव्य स्पंदन है।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

धार्मिक स्थल

उत्तर प्रदेश में अयोध्या के श्रीराम मंदिर के बाद, अब उत्तराखंड के बद्रीनाथ धाम में दान चोरी और गबन का मामला भी काफी चर्चा में है। इन दोनों मशहूर धार्मिक स्थलों के ट्रस्ट से जुड़े मुख्य प्रबंधकों की भी ठीक से जांच होनी चाहिए।

-मायावती, पूर्व सीएम, उत्तर प्रदेश

भूस्खलन दुखद

वायनाड में हुआ भूस्खलन बेहद दुखद है। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मैं अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ। इस दुखद आपदा से प्रभावित सभी लोगों के साथ मेरी संवेदनाएँ और प्रार्थनाएं हैं।

-मल्लिकार्जुन खड़गे, अध्यक्ष, कांग्रेस

फुटबॉल वर्ल्ड कप

फुटबॉल वर्ल्ड कप यह साबित करता है कि बड़े-बड़े पुरुषों को भी खुलकर रोने की इजाजत है ताकि दुनिया देख सके... और हम भी उनके साथ रोते हैं... यहाँ तक कि सबसे मज़बूत लोग भी। ख़ासकर वे जो सबसे ज़्यादा मज़बूत होते हैं।

-शेखर कपूर, फिल्मकार

करंट अफेयर

सुदर्शनी भारतीय समुद्री विरासत का प्रतिनिधित्व करती है

न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूत बिनय प्रधान ने कहा कि भारतीय नौसेना के प्रशिक्षण पोत 'आईएनएस सुदर्शनी' की अमेरिका यात्रा दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा और आपसी संबंधों को प्रदर्शित करती है। अमेरिका की आजादी की 250वीं सालगिरह के मौके पर आयोजित हो रहे 'यूनाइटेड स्टेट्स इंटरनेशनल नेवल रिव्यू 250' और 'सेल फोर्थ 250' समारोहों में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए 'आईएनएस सुदर्शनी' गर्व के साथ तिरंगा लहराते हुए चार जुलाई को न्यूयॉर्क पोर्ट पहुंची। प्रधान ने मंगलवार को बताया, 'आईएनएस सुदर्शनी भारतीय समुद्री विरासत की शानदार परंपरा का प्रतिनिधित्व करती है और भारतीय नौसेना की ताकत और कौशल को दिखाती है। यह भारत और अमेरिका के बीच बढ़ते रक्षा और दोनों देशों के लोगों के बीच मजबूत होते आपसी संबंधों का भी प्रतीक है।' आईएनएस सुदर्शनी का यह दौरा पोत के 10 महीने लंबे समुद्री अभियान 'लोकायन 2026' का हिस्सा है। भारत सरकार के एक बयान के अनुसार यह अभियान 'समुद्री सहयोग को मजबूत करने, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सद्भावना बढ़ाने और सहयोगी नौसेनाओं के साथ संबंधों को प्रगाढ़ करने के प्रति भारतीय नौसेना की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।'

ऑफ बीट

मधुमक्खियों के चेहरे खोल सकते हैं उनके मन के राज

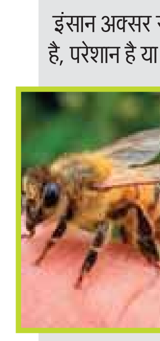

इंसान अक्सर सामने वाले के चेहरे के भाव देखकर समझ लेते हैं कि वह खुश है, परेशान है या किसी चीज को पसंद नहीं कर रहा है। स्वादिष्ट भोजन मिलने पर मुस्कान आ जाती है, पसंद न आने वाली चीज पर चेहरा सिकुड़ जाता है। लेकिन क्या ऐसा ही कुछ छोटे-से शरीर वाली मधुमक्खियों के साथ भी होता है? हम अपने आसपास के जानवरों को देखकर अक्सर समझ लेते हैं कि वे खुश हैं, डर रहे हैं या उन्हें दर्द हो रहा है। मधुमक्खियों का चेहरा इंसानों की तरह भाव दिखाने वाला नहीं होता। उनका बाहरी शरीर कठोर खोल से ढका होता है, इसलिए पहली नजर में लगता है कि उनके चेहरे पर कोई बदलाव संभव नहीं होगा। लेकिन वैज्ञानिकों का ध्यान उनके मुंह के बेहद सक्रिय हिस्से 'ग्लोसा' पर गया। यह एक लंबी जीभ जैसी संरचना होती है, जिसकी मदद से मधुमक्खियां फूलों से रस चूसती हैं। प्रयोगों में शोधकर्ताओं ने भौंरों (बम्बलबी) को अलग-अलग स्वाद वाली छोटी-छोटी बूंदें दीं और उनकी प्रतिक्रियाओं को ध्यान से देखा। जब एक मधुमक्खी को चीनी का घोल दिया गया तो उसने तेजी से अपनी ग्लोसा बाहर निकाली और उसे पी लिया। लेकिन हैरानी तब हुई जब घोल खत्म हो गया और उसे देने वाली पाइपेट हटा ली गई। इसके बाद भी मधुमक्खी कुछ समय तक अपनी ग्लोसा को बाहर निकालती और अंदर करती रही।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

हाईकोर्ट पहुंचा सवाल

सरकारी आदेश नहीं, फिर नए गैस कनेक्शन क्यों बंद

जबलपुर। घरेलू एलपीजी गैस का नया कनेक्शन जारी करने पर कथित रोक का मामला हाईकोर्ट की चौखट तक पहुंच गया है। एक याचिका में दावा किया गया है कि नए गैस कनेक्शन बंद करने संबंधी केंद्र या राज्य सरकार का कोई अधिसूचना, आदेश या परिपत्र अस्तित्व में नहीं है। इसके बावजूद भारत पेट्रोलियम और उसके अधिकृत वितरक द्वारा नए कनेक्शन देने से इन्कार किया जा रहा है, जो आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 तथा एलपीजी (रेगुलेशन आफ सप्लाई एंड डिस्ट्रीब्यूशन) आर्डर, 2000 के विपरीत है। जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने मामले की प्रारंभिक सुनवाई के बाद भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) को जवाब पेश करने के लिए 15 दिन का समय दिया है।

याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी अनुकृति दीक्षित की ओर से अधिवक्ता राहुल राजपूत ने पक्ष रखा। मामले की अगली सुनवाई दो सप्ताह बाद होगी। याचिका में कहा गया है कि

एलपीजी नियंत्रण आदेश, 2000 के तहत नए गैस कनेक्शन के पंजीयन या वितरण से इन्कार प्रतिबंधित गतिविधि है। वहीं बीपीसीएल ने अपने जवाब में वैश्विक भू-राजनीतिक परिस्थितियों और सीमित एलपीजी आपूर्ति का हवाला देते हुए नए कनेक्शन पर रोक को अस्थायी कदम बताया है और कहा है कि फिलहाल प्राथमिकता मौजूदा उपभोक्ताओं को निर्बाध गैस आपूर्ति बनाए रखना है।

किसके निर्देश पर सांदीपनी हायर सेकेंडरी स्कूल सिंगौद में लगा ताला हाईकोर्ट ने पूछा

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने जबलपुर जिला प्रशासन से पूछा है कि किसके निर्देश पर सांदीपनी हायर सेकेंडरी स्कूल सिंगौद को ताला लगाकर बंद किया गया। जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने एक सप्ताह के भीतर जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

यह याचिका सुरेश कुमार नामदेव और अन्य की ओर से दायर की गई है। याचिका में कहा गया है कि वर्ष 2021 में हायर सेकेंडरी स्कूल सिंगौद का चयन सीएम राइज स्कूल के लिए किया गया था। स्कूल भवन के लिए 2 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई थी। कुछ समय बाद 12 किलोमीटर दूर ग्राम रैपुरा पनागर में सिंगौद स्कूल के नाम पर भवन बनाया जाने लगा। यह सब किसके निर्देश पर हुआ, किसी को भी जानकारी नहीं है। सिटीजन वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष सुभाष चंद्रा ने भी वर्ष 2022 में इसकी शिकायत तत्कालीन कलेक्टर से की थी। न्यायालय को बताया गया कि 1 अप्रैल 2026 को सिंगौद हायर सेकेंडरी स्कूल को ताला लगाकर बंद कर दिया गया। इसकी कोई भी सार्वजनिक सूचना नहीं दी गई। सुनवाई के बाद एकल पीठ ने जिला प्रशासन से पूछा है कि किसके निर्देश पर सांदीपनी हायर सेकेंडरी स्कूल सिंगौद को बंद किया गया है।

स्वच्छता से समझौता नहीं, लापरवाही पर होगी चालानी कार्रवाई: महापौर

जबलपुर। "स्वच्छ, हरित और उज्जवल भारत" की दिशा में ठोस कचरा प्रबंधन नियम-2026 को लेकर आयोजित कार्यशाला में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छता सबसे जरूरी है। उन्होंने कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था और नागरिकों के स्वास्थ्य से अब कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

कार्यशाला में नए ठोस कचरा प्रबंधन नियम-2026 की जानकारी पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से दी गई। महापौर ने कहा कि नए नियम शहर को कचरा मुक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। सड़कों पर कचरा फेंकने और स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों पर अब सख्त चालानी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि स्वच्छता अभियान को जनभागीदारी से मजबूत बनाने के लिए वार्ड स्तर पर समितियों का गठन किया जाएगा, जो स्थानीय स्तर पर निगरानी और जागरूकता का कार्य करेंगी। साथ ही आधुनिक तकनीक के माध्यम से कचरे से बिजली उत्पादन को बढ़ावा दिया जाएगा। महापौर ने कहा कि स्वच्छ शहर से बीमारियां कम होंगी और नागरिकों का स्वास्थ्य बेहतर होगा। कचरे के बेहतर प्रबंधन से पर्यावरण संरक्षण के साथ आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी। कार्यशाला के अंत में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों ने नए नियमों को प्रभावी रूप से लागू करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर निगमाध्यक्ष रिंकू विज, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार, एमआईसी सदस्य डॉ. सुभाष तिवारी, विवेक राम सोनकर, दामोदर सोनी, श्रीमती अंशुला राघवेंद्र यादव, श्रीमती रजनी कैलाश साहू सहित सिहोरा, पनागर, बरेला के नगर पालिका अध्यक्ष, पार्षदगण एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

15 जुलाई से सामूहिक अवकाश की चेतावनी

कलेक्ट्रेट में पटवारियों का प्रदर्शन

जबलपुर। अपनी विभिन्न मांगों और प्रशासनिक कार्रवाई के विरोध में जबलपुर जिले के पटवारियों ने कलेक्टर कार्यालय परिसर में एकत्र होकर जमकर नारेबाजी की। पटवारियों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर अपनी पीड़ा बताई और कहा कि यदि सात दिनों के भीतर उनकी समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया तो वे 15 जुलाई से सामूहिक अवकाश पर चले जाएंगे।

पटवारी संघ का कहना है कि राजस्व से जुड़े डायवर्सन के प्रकरणों में मांग पत्र जारी करने की

जिम्मेदारी तहसीलदार की और वसूली की जिम्मेदारी राजस्व निरीक्षक की होती है। इसके बाद भी प्रशासन द्वारा सिर्फ पटवारियों को ही निशाना बनाया जा रहा है। पटवारियों ने आरोप लगाया कि ग्रामों के लिए मनमाने लक्ष्य निर्धारित किए जा रहे हैं और लक्ष्य पूरे न होने की स्थिति में उनके विरुद्ध एकतरफा कार्रवाई की जा रही है।

संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि विधिवत स्वीकृत अवकाश लेने के बाद भी उनका वेतन रोक दिया जा रहा है जो कि प्रशासनिक नियमों के विरुद्ध है। साथ ही वर्तमान में उन पर सीमांकन कार्य, लघु सिंचाई, फार्मर आईडी निर्माण और जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्यों का अतिरिक्त दबाव है, जिससे उनका काम प्रभावित हो रहा है।

ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला अध्यक्ष जागेन्द्र पीपरी, उपेन्द्र बाघेल और मुक्ता चौकसे, पंकज पाठक, अभिनव साहू, नरेश दुबे, ममता चतुर्वेदी, सुनील झा, शालिनी सोनी, साहिल नायक, सहित जिले के बड़ी संख्या में पटवारी उपस्थित रहे। सभी पटवारियों ने एकजुट होकर कहा कि यदि प्रशासन ने समय रहते उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया तो प्रदेशव्यापी आंदोलन किया जाएगा और 15 जुलाई से सामूहिक अवकाश पर जाकर राजस्व कार्य ठप कर दिया जाएगा।

जनसुरक्षा को लेकर नगर निगम सख्त 30 से अधिक जर्जर भवन किए जमींदोज

जबलपुर। मानसून को देखते हुए नगर निगम प्रशासन ने शहर में जर्जर और खतरनाक भवनों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अब तक शहर के विभिन्न क्षेत्रों में 30 से अधिक जर्जर भवनों को ढहाने की कार्रवाई की जा चुकी है। साथ ही ऐसे भवनों को चिन्हित करने का कार्य लगातार जारी है। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के निर्देशन में अपर आयुक्त सौरभ मिश्रा ने विभागीय टीम के साथ वीरेंद्रपुरी वार्ड का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पिसनहारी की मढ़िया के सामने स्थित पुराने और जर्जर रैन बसेरा भवन का मौके पर जाकर निरीक्षण किया तथा भवन की तकनीकी एवं सुरक्षा स्थिति का आकलन कर अधिकारियों को आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान दिनेश प्रताप सिंह, संभागीय

अधिकारी दिग्दर्श सिंह, संभागीय यंत्री वीरेंद्र पांडेय, विकास कुशवाहा सहित निगम के कर्मचारी उपस्थित रहे। महापौर और निगमायुक्त ने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। वर्षाकाल में कमजोर और जर्जर भवन दुर्घटनाओं का कारण बन सकते हैं, इसलिए ऐसे सभी भवनों को चिन्हित कर नियमानुसार हटाने की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

मूंग-उड़द खरीदी शुरू: केंद्रों पर अब तक नहीं पहुंचे किसान

10 जुलाई के बाद खरीदी में तेजी आने की उम्मीद

जबलपुर। जिले में मूंग और उड़द की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदी की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इसके लिए अधारताल, पनागर, कुण्डम, पाटन, शहपुरा, सिहोरा और मझौली सहित विभिन्न क्षेत्रों में 10 उपार्जन केंद्र बनाए गए हैं। हालांकि 1 जुलाई से शुरू हुई खरीदी फिलहाल कागजों तक ही सीमित है। 2 जुलाई से संचालित इन केंद्रों पर अब तक एक भी किसान अपनी उपज लेकर नहीं पहुंचा है। इस वर्ष खरीदी की जिम्मेदारी कृषि विभाग को सौंपी गई है और अधिकारियों को उम्मीद है कि 10 जुलाई के बाद केंद्रों पर किसानों की आवाजाही बढ़ेगी।

सरकार ने इस बार उड़द की खरीदी को प्राथमिकता दी है। इसके तहत प्रति हेक्टेयर मूंग की खरीदी 12 क्विंटल के बजाय 3 क्विंटल तक सीमित रहेगी, जबकि उड़द की खरीदी 13 क्विंटल से अधिक की जाएगी। साथ ही उड़द पर 600 रुपये प्रति क्विंटल बोनस भी दिया जाएगा। मूंग और उड़द की खरीदी 10 अगस्त तक की जाएगी। खरीदी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए प्रत्येक केंद्र पर नोडल अधिकारी और निरीक्षक तैनात किए जाएंगे, जो गुणवत्ता परीक्षण, तौल और पूरी प्रक्रिया की निगरानी करेंगे।

गेहूं खरीदी में भी संभाली थी जिम्मेदारी

गौरतलब है कि गेहूं खरीदी के दौरान भी इन्हीं अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई थी, जिसके बाद करोड़ों रुपये की अनियमितताओं के मामले सामने आए थे। इस बार खरीदी सोमवार से शुक्रवार तक सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक होगी। किसानों को प्रतिदिन सुबह 6 बजे तक टोकन जारी किए जाएंगे, ताकि दिन के उजाले में फसल की गुणवत्ता की जांच कर खरीदी प्रक्रिया पूरी की जा सके।

शराबी ने पति पत्नी को दी जान से मारने की धमकी

जबलपुर। घमापुर थाना अतंर्गत भारत सेवक समाज से अपनी पत्नी व बच्ची को लेकर घर आ रहे एक युवक से एक शराबी ने शराब पीने के लिए रुपए की मांग की, मांग पूरी न होने पर शराबी ने पति पत्नी के साथ गालीगलौज कर जान से मारने की धमकी दी। घमापुर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार लालमाटी साहू मोहल्ला सिद्धबाबा निवासी 31 वर्षीय आशीष कुमार पटेल गत दोपहर लगभग 1 बजे भारत सेवक समाज से अपनी बच्ची व पत्नी को लेकर घर वापस जा रहा था तभी डॉ. पाण्डे का लड़का पीयूष उर्फ रितेश शराब के नशे में आया और उससे शराब पीने के लिये एक हजार रूपये की मांग करने लगा, मना करने पर आशीष व उसकी पत्नी के साथ गाली गलौज करते हुये जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296(ए), 308(2), 351(2), 126(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

यूजीसी ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय से मांगा जवाब

छात्र शिकायत निवारण व्यवस्था पर उठे सवाल

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय (आरडीयू) की छात्र शिकायत निवारण व्यवस्था अब विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के संज्ञान में पहुंच गई है। विश्वविद्यालय में यूजीसी के छात्र शिकायत निवारण विनियम-2023 के पालन में कथित अनियमितताओं संबंधी शिकायत मिलने के बाद आयोग के राज्य विश्वविद्यालय अनुभाग ने कुलगुरु और कुलसचिव को पत्र जारी कर मामले में शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही की गई कार्रवाई की जानकारी शिकायतकर्ता और यूजीसी दोनों को उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है।

जानकारी के अनुसार जुलाई को यूजीसी के वरिष्ठ अधिकारियों को ई-मेल के माध्यम से विस्तृत शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि विश्वविद्यालय में यूजीसी (छात्रों की शिकायतों का निवारण) विनियम-2023 का प्रभावी पालन नहीं हो रहा है। इसके अलावा मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा 2 फरवरी को जारी निर्देशों में

निर्धारित वैधानिक प्रावधानों के अनुपालन पर भी प्रश्न उठाए गए हैं।

शिकायत में कहा गया है कि विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर केवल छात्र शिकायत निवारण समिति (एसजीआरसी) से संबंधित सामान्य सूचना प्रकाशित की गई है, जबकि नियमों के अनुरूप लोकपाल और एसजीआरसी की संरचना, कार्यप्रणाली, शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया, संपर्क विवरण, ऑनलाइन शिकायत पोर्टल, विद्यार्थियों के बीच जागरूकता तथा अन्य अनिवार्य जानकारियों का समुचित प्रकाशन और प्रभावी क्रियान्वयन नहीं किया गया है।

राज्य विश्वविद्यालय अनुभाग को भेजा गया मामला

सूत्रों के मुताबिक शिकायत यूजीसी सचिव प्रो. श्यामा रथ के कार्यालय पहुंचने के बाद राज्य विश्वविद्यालय अनुभाग को भेजी गई। इसके बाद 7 जुलाई को अनुभाग ने विश्वविद्यालय के आधिकारिक ई-मेल और कुलसचिव कार्यालय को पत्र जारी कर शिकायत में उठाए गए बिंदुओं पर तत्काल कार्रवाई करने तथा उसकी रिपोर्ट शिकायतकर्ता एवं यूजीसी को भेजने के निर्देश दिए।

पहले भी पहुंच चुका है मामला उच्च स्तर तक

यूजीसी ने सभी विश्वविद्यालयों में छात्रों की शिकायतों के समयबद्ध और निष्पक्ष निराकरण के लिए लोकपाल तथा छात्र शिकायत निवारण समिति की व्यवस्था अनिवार्य कर रखी है। वहीं, मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग ने भी 2 फरवरी को प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों को यूजीसी विनियम-2023 का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए थे। इसके बावजूद आरडीयू में इन व्यवस्थाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर सवाल उठने से मामला गंभीर माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने भी विश्वविद्यालय से जुड़े एक अन्य मामले में राष्ट्रपति सचिवालय ने प्राप्त शिकायत पर संज्ञान लेते हुए उसे आवश्यक कार्रवाई के लिए मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव को भेजा था। ऐसे में अब यूजीसी के निर्देशों के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन क्या कदम उठाता है, इस पर सभी की निगाहें टिकी हैं।

पार्किंग व्यवस्था | स्वीकृत लेआउट, ग्रीन बेल्ट और पर्यावरणीय शर्तों की जांच की उठी मांग

समदड़िया मॉल पर NGT और पर्यावरणीय नियमों के पालन पर उठे सवाल

हरिभूमि जबलपुर।

हरिभूमि फॉलोअप

सिविक सेंटर स्थित समदड़िया मॉल की पार्किंग व्यवस्था को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। सड़क पर पेड पार्किंग और मॉल परिसर की ग्रीनरी में वाहनों की पार्किंग के आरोपों के बीच अब मामला केवल यातायात व्यवस्था तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि पर्यावरणीय नियमों के पालन पर भी सवाल उठने लगे हैं।

पर्यावरण विशेषज्ञों के अनुसार, यदि किसी व्यावसायिक परिसर को पर्यावरणीय स्वीकृति दी गई है तो उसे स्वीकृत नक्शे और शर्तों के अनुरूप ही संचालित किया जाना अनिवार्य है। ग्रीन एरिया, ओपन स्पेस और पार्किंग का उपयोग उसी उद्देश्य के लिए किया जा सकता है जिसके लिए अनुमति मिली हो। स्वीकृत ग्रीन बेल्ट या हरित क्षेत्र का अन्य उपयोग पर्यावरणीय शर्तों के उल्लंघन के दायरे में आ सकता है।

सूत्रों का कहना है कि यदि मॉल परिसर में विकसित ग्रीनरी का उपयोग पार्किंग के रूप में किया जा रहा है या सार्वजनिक सड़क पर बिना सक्षम अनुमति के शुल्क लेकर पार्किंग संचालित की जा रही है, तो इसकी जांच नगर निगम, यातायात पुलिस और मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा की जाना चाहिए।

ये हैं नियम

पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त परियोजनाओं में हरित क्षेत्र का संरक्षण, सीवेज प्रबंधन, पार्किंग व्यवस्था तथा स्वीकृत लेआउट का पालन अनिवार्य माना जाता है। नियमों के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित एजेंसियां नोटिस जारी करने से लेकर पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति और अन्य कार्रवाई तक कर सकती हैं।

जांच के घेरे में ये सवाल

- क्या मॉल की स्वीकृत लेआउट योजना में ग्रीनरी पर पार्किंग का प्रावधान है?
- क्या सड़क पर पेड पार्किंग के लिए नगर निगम और यातायात पुलिस से वैध अनुमति ली गई है?
- क्या मॉल के पास वर्तमान में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की वैध 'कंसेंट टू ऑपरेट' अनुमति है?
- क्या पर्यावरणीय स्वीकृति की **Bday** शर्तों का पालन किया जा रहा है?

नहीं हो रहा पालन

- ग्रीन बेल्ट और ओपन स्पेस का संरक्षण अनिवार्य।
- स्वीकृत पार्किंग का उपयोग केवल पार्किंग के लिए।
- पर्यावरणीय स्वीकृति की शर्तों का पालन आवश्यक।
- उल्लंघन मिलने पर नोटिस, पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति की कार्यवाही

वायरल वीडियो के बाद पुलिस ने शुरू की जांच

मोबाइल चोरी के शक में विवाद छात्रों पर चाकू से हमला

जबलपुर। नेपियर टाउन स्थित नचिकेता स्कूल के छात्रों के बीच मोबाइल चोरी के शक को लेकर शुरू हुआ विवाद सरेराह हिंसक झड़प में बदल गया। शारदा चौक स्थित रिलायंस पेट्रोल पंप के सामने कुछ युवकों ने दो छात्रों पर चाकू और लात-घूंसों से हमला कर दिया। घटना में छात्र छायांक यादव और उसका मित्र भविष्य विश्वकर्मा घायल हो गए। वारदात का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद गढ़ा थाना पुलिस ने मामले की जांच तेज कर दी है।

घायल छात्र छायांक यादव ने बताया कि कुछ दिन पहले स्कूल से उसका मोबाइल फोन गायब हो गया था। उसे अपने ही एक सहपाठी पर चोरी का संदेह था, जिसे लेकर उसने हितेश नामक छात्र से पूछताछ की थी। आरोप है कि इसी बात से नाराज होकर हितेश ने उसे सबक सिखाने की योजना बनाई। पहले रानीताल चौक पर मिलने के लिए बुलाया गया, लेकिन बाद में स्थान बदलकर शारदा चौक आने को कहा गया। छायांक अपने दोस्त भविष्य (यशू) और अन्य साथियों के साथ वहां पहुंचा तो पहले से मौजूद युवकों ने उन पर हमला कर दिया।

शिकायत के बाद मामला दर्ज

हमले में छायांक के सिर और हाथ में चोटें आईं, जबकि बीच-बचाव करने पहुंचे भविष्य विश्वकर्मा के पैर में चाकू लग गया। दिनदहाड़े हुई इस घटना से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। गढ़ा थाना पुलिस ने पीड़ित छात्रों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है और वायरल वीडियो सहित अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

अब जिम्मेदारी तय करने पर उठे सवाल

बड़े फुहारा हादसा: पहले चेतावनी दी गई थी या नहीं?

जबलपुर। बड़े फव्वारा क्षेत्र में तीन मंजिला जर्जर इमारत के ढहने की घटना के बाद अब सवाल सिर्फ मलबा हटाने तक सीमित नहीं रह गया है। शहर में चर्चा इस बात की है कि क्या इस भवन को पहले से खतरनाक घोषित किया गया था, भवन स्वामी को कभी नोटिस जारी किया गया था या नहीं, और यदि भवन की जर्जर स्थिति की जानकारी प्रशासन को थी तो समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं हुई। अब लोगों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि इस मामले में जिम्मेदारी किसकी तय होगी।

बुधवार को नगर निगम और पुलिस की टीमों ने पूरे क्षेत्र को सुरक्षा घेरे में लेकर बची हुई जर्जर संरचना को गिराने का अभियान जारी रखा। कमानिया गेट से लार्डगंज जाने वाले मार्ग को एहतियातन बंद रखा गया, जबकि निगम की मशीनें लगातार मलबा हटाने के कार्य में जुटी रहीं। भवन का पिछला हिस्सा अभी भी खड़ा होने के कारण खतरा बना हुआ है, जिसे नियंत्रित तरीके से गिराने की तैयारी की जा रही है।

हादसे के बाद नगर निगम के रिकॉर्ड भी जांच के दायरे में आ सकते हैं। यह पता लगाया जाएगा कि संबंधित भवन का अंतिम निरीक्षण कब हुआ था, क्या इसे खतरनाक भवनों की सूची में शामिल किया गया था, भवन स्वामी को कोई नोटिस जारी किया गया था या नहीं और यदि नोटिस दिए गए थे तो उन पर क्या कार्रवाई हुई।

शहर के नागरिकों का कहना है कि यदि भवन पहले से जर्जर था तो समय रहते उसे खाली कराकर ध्वस्त किया जाना चाहिए था। उनका मानना है कि ऐसी घटनाओं के बाद केवल मलबा हटाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि लापरवाही किस स्तर पर हुई।

ऊंचाई बनी चुनौती, चल रहा ऑपरेशन

इमारत की अधिक ऊंचाई के कारण सामान्य मशीनें ऊपर तक नहीं पहुंच पा रही थीं। इसके लिए निगम ने भवन के सामने ट्रकों से मलबा और मिट्टी डालकर अस्थायी प्लेटफॉर्म तैयार करने का काम शुरू किया है। प्लेटफॉर्म तैयार होने के बाद हिताची मशीन को ऊपर चढ़ाकर शेष हिस्से को नियंत्रित तरीके से गिराया जाएगा, ताकि आसपास की इमारतों और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

शहर की अन्य जर्जर इमारतों पर भी उठे सवाल

इस घटना के बाद पुराने शहर के व्यस्त बाजारों और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में मौजूद अन्य जर्जर भवनों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि निगम को ऐसे भवनों का दोबारा सर्वे कर जोखिम वाले ढांचों की पहचान करनी चाहिए, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे से बचा जा सके।

प्रशासन की प्राथमिकता फिलहाल सुरक्षा

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार फिलहाल पहली प्राथमिकता पूरे क्षेत्र को सुरक्षित बनाना और शेष जर्जर हिस्से को गिराना है। मौके पर पुलिस बल तैनात है और मलबा हटाने का कार्य लगातार जारी है। अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र पूरी तरह सुरक्षित घोषित होने के बाद ही यातायात सामान्य किया जाएगा।

घटती हवाई सेवाओं पर फेडरेशन ने इंडिगो से जताई चिंता

जबलपुर। फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज ने जबलपुर से लगातार कम होती हवाई सेवाओं को लेकर इंडिगो एयरलाइन के डायरेक्टर, सेल्स, ईस्ट एवं सेन्ट्रल इंडिया संजीव भट्टाचार्य के नाम ज्ञापन भेजा। यह ज्ञापन भोपाल में मध्य प्रदेश के सेल्स हेड कुंवर रावत को सौंपा गया। फेडरेशन के अध्यक्ष एवं जबलपुर संघर्ष समिति के संयोजक हिमांशु खरे ने कहा कि जबलपुर प्रदेश का महत्वपूर्ण संभागीय मुख्यालय होने के साथ औद्योगिक, शैक्षणिक, व्यापारिक और पर्यटन गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है, लेकिन इसके बावजूद शहर की हवाई कनेक्टिविटी लगातार कमजोर होती जा रही है। उन्होंने बताया कि मुंबई और बेंगलुरु के लिए पहले प्रतिदिन संचालित होने वाली उड़ानें अब सप्ताह में केवल चार दिन रह गई हैं, जिससे यात्रियों में नाराजगी है। उन्होंने कहा कि पहले जबलपुर से अहमदाबाद, पुणे, कोलकाता और चेन्नई जैसे प्रमुख शहरों के लिए भी नियमित उड़ानें उपलब्ध थीं, जबकि वर्तमान में केवल दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, बेंगलुरु और इंदौर के लिए ही सेवाएं संचालित हो रही हैं।फेडरेशन ने इंडिगो एयरलाइन से बंद हो चुकी उड़ानों को शीघ्र पुनः प्रारंभ करने और नियमित व पर्याप्त हवाई सेवाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। इस दौरान फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री के संयुक्त अध्यक्ष विरेंद्र पोरवाल, प्रवीण आचार्य तथा डॉ. सुरेंद्र सिंह भी उपस्थित रहे।

नीमखेड़ा आंगनबाड़ी में वृक्षारोपण बच्चों को वितरित किए उपहार

जबलपुर। गौर के निकट स्थित नीमखेड़ा आंगनबाड़ी में गोद लेने वाले चिकित्सक डॉ. रजनीश गर्ग के सौजन्य से वृक्षारोपण एवं बच्चों को उपहार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा आंगनबाड़ी के बच्चों को उपहार भेंट किए। इस अवसर पर नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज बिज, जनपद अध्यक्ष चन्द्रकिरण गोस्वामी, महिला एवं बाल विकास अधिकारी गौरी शंकर लौवंशी, महंत दयानंद गिरी, गुंजन कला सदन मध्यप्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष हिमांशु तिवारी, पीएमजी के अध्यक्ष डॉ. प्रकाश दुबे, मुंबई के रंगमंच अभिनेता युक्तार्थ श्रीवास्तव तथा अन्य अतिथि उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत नीरज, विपिन, मधु एवं निकिता गर्ग ने तिलक एवं मोतियों की माला पहनाकर किया। कार्यक्रम में प्रतुल श्रीवास्तव, लायन नरेंद्र जैन, विजय जायसवाल, बसंत सोनी, राजीव गुप्ता, प्रदीप जैन एवं अभिजीत रॉय ने आंगनबाड़ी और बच्चों के हित में डॉ. रजनीश गर्ग के कार्यों की सराहना की। अंत में बच्चों को उपहार वितरित किए गए।

बाईक की टक्कर से 2 घायल

जबलपुर। मदनमहल थाना अतंर्गत बर्फ फैक्ट्री के पास एक बाईक ने दूसरी बाईक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाईक सवार दो युवक नीचे गिरकर घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मदनमहल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार टाल के पास गंगानगर रोड आमनपुर निवासी सूरज भलावी के साथ एक बाईक से पड़ोसी देव सिंह को बैठाकर और दूसरी बाईक पर छोटे भाई सुरेंद्र भलावी के साथ शाहीनाका गंगानगर से मजदूरी कर घर वापस आ रहे थे। जैसे ही गंगासागर रोड होते हुये बर्फ फैक्ट्री के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रही मोटर सायकल क्रमांक एमपी 49 एम एम 2387 के चालक ने सूरज भलावी की मोटर सायकल में टक्कर मार दी, जिससे दोनों गाड़ी सहित नीचे गिरकर घायल हो गये। गिरने से सूरज भलावी एवं देव सिंह को हाथ पैर एवं शरीर मे चोटें आयीं है। जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी बाईक चालक के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 281, 125(ए) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

चढ़ावा चोरी मामले पर कांग्रेस करेगी दो दिवसीय आंदोलन

जबलपुर। मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के विरोध में कांग्रेस ने दो दिवसीय आंदोलन की घोषणा की है। पूर्व विधायक विनय सक्सेना के कार्यालय में आयोजित बैठक में आंदोलन की रूपरेखा तय की गई। कांग्रेस ने कार्यकर्ताओं और आमजन से आंदोलन में शामिल होकर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग को मजबूती देने की अपील की है।आंदोलन के पहले दिन 10 जुलाई को कांग्रेस कार्यकर्ता रानीताल चौक पर सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक उपवास रखेंगे। इस दौरान धार्मिक आस्था और सामाजिक सद्भाव के प्रतीक के रूप में सुंदरकांड पाठ एवं हवन-पूजन भी किया जाएगा। वहीं, दूसरे दिन 11 जुलाई को कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल संबंधित थाने पहुंचकर चढ़ावा चोरी के आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने तथा निष्पक्ष और कड़ी कार्रवाई की मांग करेगा।

जनेकृविवि में साइबर सुरक्षा कार्यशाला एएसपी जितेंद्र सिंह ने बताए बचाव के उपाय

जबलपुर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय (जनेकृविवि) में सेफ क्लिक 2.0 "सुरक्षित क्लिक, सुरक्षित जीवन" अभियान के तहत साइबर सुरक्षा कार्यशाला आयोजित की गई। कृषि महाविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जितेंद्र सिंह ने साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी।एएसपी जितेंद्र सिंह ने अनजान लिंक पर क्लिक न करने, ओटीपी और पासवर्ड साझा न करने तथा डिजिटल अरेस्ट जैसी धोखाधड़ी से सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि लालच, भय और अज्ञानता के कारण लोग साइबर अपराधों का शिकार बनते हैं, इसलिए जागरूकता और सावधानी जरूरी है। उन्होंने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी और उपस्थित लोगों के प्रश्नों के सरलता से उत्तर दिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. अल्पना सिंह ने की। इस अवसर पर अधिष्ठाता उद्यानिकी संकाय डॉ. स्वाती बारचे, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित शर्मा, डॉ. मनोज श्रीवास्तव, डॉ. अनुभा उपाध्याय, डॉ. ज्ञानेन्द्र तिवारी, डॉ. एच.के. राय, डॉ. बी.एस. द्विवेदी, डॉ. अमित झा, सीएसपी ज्ञानेश्वरी, अधारताल थाना प्रभारी विपिन ताम्रकार, डॉ. आर.एस. शर्मा, डॉ. सुब्रता शर्मा सहित प्राध्यापक, वैज्ञानिक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

राजेश मिश्रा नियुक्त हुए भाजपा जबलपुर संभाग के संभागीय कार्यालय मंत्री

जबलपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खंडेलवाल ने संभागीय कार्यालय मंत्रियों की नियुक्ति की है। इसमें राजेश मिश्रा को भाजपा जबलपुर संभाग का संभागीय कार्यालय मंत्री नियुक्त किया गया है। राजेश मिश्रा इससे पूर्व भाजपा के जिला कार्यालय मंत्री का दायित्व संभाल चुके हैं। राजेश मिश्रा की नियुक्ति पर लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, सांसद आशीष दुबे, राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीकि, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, महानगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल सहित विधायक अजय विश्नोई, अशोक रोहाणी, सुशील तिवारी इंदु, अभिलाष पांडे, नीरज सिंह, संतोष बरकड़े, जगत बहादुर सिंह अन्नू, जिला पंचायत अध्यक्ष आशा गोंटिया, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी परांजपे, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी श्रीकांत साहू, निशक्त जन प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक संदीप रजक एवं जेडीए उपाध्यक्ष प्रशांत केसरवानी सहित जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों एवं कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दीं।

राजस्थान की घटना को लेकर मझौली में आक्रोश, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग

मझौली। राजस्थान के श्रीगंगानगर में 13 वर्षीय नाबालिग बच्ची के साथ हुई गंभीर घटना को लेकर मझौली नगर में नागरिकों और टारगेट टीम ने आक्रोश जताते हुए थाना प्रभारी मझौली के माध्यम से जिला पुलिस अधीक्षक श्रीगंगानगर (राजस्थान) के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई, कठोरतम दंड, पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा एवं सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की गई। नागरिकों ने प्रशासन से ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने की अपील की। ज्ञापन सौंपने वालों में आशीष तिवारी, प्रभु दत्त दुबे, बिहारी लाल साहू, गगन दुबे, अलका दुबे, मंजिल जैन, साक्षी तिवारी, अंकिता दुबे, शिवानी प्रजापति, वरुण कोष्टा, युसूफ खान, नादर कुरैशी, महेंद्र तिवारी, अजय रैकवार, रीतेश सोनी, योगेश चक्रवर्ती, ब्रजेश दुबे, बी. देवराज, ऋषि प्यासी, मुकेश नेमा, महेंद्र कोष्टा सहित अन्य नागरिक उपस्थित रहे।

जनसुरक्षा को लेकर नगर निगम मुस्तैद और सक्रिय

अभी तक 30 से अधिक जर्जर भवन जमींदोज, कार्रवाई निरंतर जारी

जबलपुर। नगर निगम प्रशासन द्वारा शहर में जनहानि की आशंका को समाप्त करने एवं नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खतरनाक एवं जर्जर भवनों के विरुद्ध अत्यंत सख्त और प्रभावी अभियान चलाया जा रहा है। मानसून अवधि के दृष्टिगत रखते हुए निगम प्रशासन पूरी तरह सक्रिय मोड पर है। इस विशेष अभियान के तहत अब तक शहर के विभिन्न वार्डों में चिन्हित किए गए 30 से अधिक अत्यधिक जर्जर व खतरनाक भवनों को ढहाने की कार्रवाई की जा चुकी है। इसके साथ ही नए सिरे से ऐसे भवनों को चिन्हित करने का कार्य भी युद्धस्तर पर जारी है।इसी क्रम में आज महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के दिशा-निर्देशन में अपर आयुक्त सौरभ मिश्रा ने विभागीय टीम के साथ वीरेंद्रपुरी वार्ड का सघन दौरा किया। अपर आयुक्त द्वारा वार्ड अंतर्गत पिसनहारी की मढ़िया के सामने स्थित अत्यंत पुराने व जर्जर हो चुके रैन बसेरा भवन का मौके पर जाकर निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भवन के तकनीकी और सुरक्षात्मक पहलुओं का आकलन करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व त्वरित वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर दिनेश प्रताप सिंह संभागीय अधिकारी, दिग्दर्श सिंह संभागीय यंत्री, वीरेंद्र पाण्डेय, विकास कुशवाहा एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

निगमायुक्त के निर्देशन में अपर आयुक्त ने टीम के साथ पिसनहारी की मढ़िया स्थित जर्जर रैन बसेरा का किया निरीक्षण

निगमायुक्त का संदेश

महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने बताया कि नागरिकों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। वर्षाकाल में जर्जर और कमजोर ढांचे गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि नगर निगम प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और शहरवासियों की सुरक्षा हेतु ऐसे सभी खतरनाक निर्माणों को चिन्हित कर निरंतर हटाने की कार्रवाई की जा रही है।

उमंग हेल्थ एंड वेलनेस प्रशिक्षण संपन्न

शिक्षकों को तनावमुक्त रहकर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने का संदेश

जबलपुर। स्कूल शिक्षा विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संचालित उमंग स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम के अंतर्गत हेल्थ एंड वेलनेस एम्बेसडर (शिक्षक) प्रशिक्षण का समापन हुआ। 29 जून से 8 जुलाई तक आयोजित प्रशिक्षण में जिले के 101 शिक्षकों ने सहभागिता की। समापन समारोह के मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी गौतम बर्वे एवं जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवनीत कोठारी रहे। इस अवसर पर गौतम बर्वे ने कहा कि शिक्षक स्वयं तनावमुक्त रहें और विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच, तनाव प्रबंधन, स्वच्छता, पोषण, मानसिक स्वास्थ्य एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करें। वहीं डॉ. नवनीत कोठारी ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य और जीवन कौशल बच्चों के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। प्रशिक्षण में किशोर स्वास्थ्य, योग, नशामुक्ति, जीवन कौशल, तनाव प्रबंधन एवं व्यक्तित्व विकास सहित विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों ने मार्गदर्शन दिया। समापन अवसर पर प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले हेल्थ एंड वेलनेस एम्बेसडर शिक्षकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में कृष्णकांत शर्मा, निशांत श्रीवास्तव, बृजेश त्रिवेदी, प्रतिभा दुबे, माया सिंह, मनीषा सोनी, सुनील सोनी एवं विशाल विश्वकर्मा सहित शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, कर्मचारी और प्रशिक्षक उपस्थित रहे।

श्री राजेंद्र कुमार बरकड़े- जसूजा सिटी फेस 3 निवासी श्री राजेंद्र कुमार बरकड़े (69)का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सर्दूल सिंह भौमराह- मदनमहल निवासी श्री सर्दूल सिंह भौमराह (93) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री राम गोपाल विश्वकर्मा- जयप्रकाश नगर अधारताल निवासी श्री राम गोपाल विश्वकर्मा (81)का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री दीपक चौधरी- सिंधी कैंप बाबा टोला निवासी श्री ओंकार चौधरी के पुत्र श्री दीपक चौधरी (36) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री नीलेश कुमार कोचर- बंगला नं. 21 मोदीबाड़ा सदर निवासी श्री संतोष चंद्र कोचर के पुत्र श्री नीलेश कुमार कोचर (43)का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती अर्चना गुप्ता- मिलौनीगंज गल्ला मंडी निवासी श्री सुनीत गुप्ता की धर्मपत्नी श्रीमती अर्चना गुप्ता का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री लोकेश कुमार बिलविया- गली नं. 19 सदर निवासी श्री रमेश कुमार बिलविया के पुत्र श्री लोकेश कुमार बिलविया (38)का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती रूपा ठाकुर- बधैया मोहल्ला मिलौनीगंज निवासी श्री ओमनंद सिंह ठाकुर की धर्मपत्नी श्रीमती रूपा ठाकुर (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल श्मशान भूमि में किया गया।

श्री विनोद कुमार दुबे- महोकौशल नगर अधारताल निवासी श्री विनोद कुमार दुबे (57)का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री जगदीश सकतेल- गोपालबाग निवासी श्री जगदीश सकतेल (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती विद्या बाई देवलिया- खलासी लाइन छोटी ओमती निवासी श्री उमा शंकर देवलिया की धर्मपत्नी श्रीमती विद्या बाई देवलिया (75)का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

कु. नेहा वाल्मीक- बस्ती नं. 2 गाजी नगर निवासी श्री गुरू प्रसाद वाल्मीकी पुत्री कु. नेहा वाल्मीक (38) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

दीपाली सोनी- कटनी निवासी दीपाली सोनी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रज्जन जोशी- सरीन कम्पाउंड चौथा पुल नेपियर टाउन निवासी श्री रज्जन जोशी (49)का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-

भोपाल में 13 जुलाई को आयोजित होगी एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0

ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर, डेटा सेंटर एवं सेमी कंडक्टर क्षेत्र में निवेश पर होगा मंथन, देश के प्रमुख निवेश गंतव्य स्थापित करना उद्देश्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से 13 जुलाई को भोपाल में एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 : जीसीसी, डेटा सेंटर एवं सेमी कंडक्टर एडिशन का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य उच्च-विकास वाले प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में निवेश को गति देना और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी), डेटा सेंटर एवं सेमी कंडक्टर क्षेत्र में प्रदेश को देश के प्रमुख निवेश गंतव्यों में स्थापित करना है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव राज्य सरकार के प्रौद्योगिकी आधारित औद्योगिक विकास के विजन को साझा करेंगे। उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ संवाद कर निवेश, परियोजनाओं के क्रियान्वयन एवं भावी सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में तकनीकी विकास के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। एमपी टेक ग्रोथ संबंधी पहली 2 कॉन्क्लेव ने प्रदेश में प्रौद्योगिकी निवेश को नई गति प्रदान की है।

सीएम के नेतृत्व में प्रदेश में तकनीकी विकास के लिए हो रहे निरंतर कार्य एमपी टेक ग्रोथ संबंधी पहली 2 कॉन्क्लेव ने प्रौद्योगिकी निवेश को प्रदान की है नई गति

कॉन्क्लेव 2.0 में 12 हजार करोड़ से अधिक के अवसर सृजित

कॉन्क्लेव 1.0 में 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनसे लगभग 75 हजार रोजगार के अवसर सृजित हुए। कॉन्क्लेव 2.0 में 12 हजार करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्राप्त हुए, जिनसे लगभग 48 हजार रोजगार के अवसर सृजित हुए। कॉन्क्लेव 3.0 का उद्देश्य इस निवेश यात्रा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाते हुए रणनीतिक प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में उद्योगों की भागीदारी को और सुदृढ़ बनाना है।

इको सिस्टम साझेदारों के प्रतिनिधि कार्यक्रम में शामिल होंगे

उद्योग-अनुकूल नीतियों, विश्वस्तरीय औद्योगिक अधोसंरचना, रणनीतिक भौगोलिक स्थिति, कुशल मानव संसाधन और निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण के कारण मध्यप्रदेश देश के उभरते प्रौद्योगिकी निवेश केंद्रों में अपनी मजबूत पहचान स्थापित कर रहा है। कॉन्क्लेव में देश-विदेश की अग्रणी कंपनियों, उद्योग संगठनों, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर के संचालकों, डेटा सेंटर डेवलपर्स, सेमीकंडक्टर उद्योग से जुड़े प्रतिनिधियों, निवेशकों और नीति विशेषज्ञों की सहभागिता रहेगी। सीटीआरएलएस डेटासेंटर्स, केन्स टेक्नोलॉजीस, फुजियामा पॉवर और न्योबोल्ट लिमिटेड सहित अनेक अग्रणी कंपनियों एवं इको सिस्टम साझेदारों के प्रतिनिधि कार्यक्रम में शामिल होंगे।

कार्यक्रम में विशेषज्ञों की रहेगी सहभागिता

रणनीतिक साझेदारियों एवं समझौतों का आदान-प्रदान

कॉन्क्लेव स्टार्ट-अप, नवाचार आधारित उद्यमों, इनक्यूबेटर्स और इको सिस्टम से जुड़े विभिन्न संगठनों को भी सहभागिता का मंच प्रदान करेगी। आईआईएसईआर और आईआईएम इंदौर सहित प्रमुख शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थान नवाचार, अनुसंधान, कौशल विकास और उद्योग-अकादमिक सहयोग को सुदृढ़ बनाने संबंधी अपने विचार साझा करेंगे। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न घोषणाएं, लोकार्पण और रणनीतिक साझेदारियों एवं समझौतों का आदान-प्रदान किया जाएगा, जिससे प्रदेश के प्रौद्योगिकी इको सिस्टम को और अधिक मजबूती मिलेगी। एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 प्रदेश में प्रौद्योगिकी आधारित औद्योगिक विकास को नई गति देने के साथ ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर, डेटा सेंटर एवं सेमी कंडक्टर क्षेत्र में निवेश के नए अवसर सृजित करेगी। यह आयोजन प्रदेश को देश के अग्रणी प्रौद्योगिकी निवेश गंतव्यों में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

राज्य प्रशासनिक सेवा के कनिष्ठ श्रेणी वेतनमान में होंगे पदोन्नत

सरकार ने 190 तहसीलदारों को डिप्टी कलेक्टर के पद पर किया पदोन्नत, जीएडी के आदेश जारी

लोक सेवा आयोग एक दिन पहले ही छानबीन के बाद जीएडी को भेजी थी फाइल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र में पदोन्नति पर लगी रोक हटने के बाद लगभग सभी विभागों में पदोन्नति आदेश जारी होना शुरू हो गए थे। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने मंगलवार को 190 तहसीलदारों को डिप्टी कलेक्टर के पद पर पदोन्नति किया है। इन सभी तहसीलदारों को प्रभारी अधीक्षक, प्रभारी अधीक्षक भू अभिलेख तथा प्रभारी जिला कलेक्टर के पद पर पूर्व में पदस्थ किया गया था। जीएडी ने पदोन्नति आदेश जारी करते हुए सभी तहसीलदारों को राज्य प्रशासनिक सेवा के कनिष्ठ श्रेणी वेतनमान में पदोन्नत करने का आदेश जारी किया है।

सामान्य प्रशासन विभाग ने प्रदेश भर में तहसीलदारों को पदोन्नत करते हुए डिप्टी कलेक्टर या समकक्ष पदों पर पदस्थ किया गया है। जारी आदेश के अनुसार यह पदोन्नति मध्य प्रदेश सिविल सेवा नियम 1961 के तहत 2 वर्ष की प्रशिक्षण अवधि के लिए की गई है। सामान्य प्रशासन विभाग में मप्र लोक सेवा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण अधिनियम 1994 तथा मप्र लोक सेवा पदोन्नति नियम-2025 के उपबंध और उक्त अधिनियम तथा नियमों के उपबंधों के प्रकाश में राज्य सरकार ने आदेश जारी किया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश में यह भी कहा कि उपरोक्त सभी अनुमतियां सुप्रीम कोर्ट के समक्ष लंबित विशेष अनुमति याचिका तथा हाईकोर्ट की ओर से भविष्य में पारित किए जाने वाले आदेशों के अधीन होगी। यह पदोन्नति शासकीय सेवकों को वेतन निर्धारण के लिए मप्र लोक सेवा पदोन्नति नियम-2025 के नियम 13 अनुसार आदेश प्राप्त होने की तिथि से एक माह के भीतर अपना विकल्प प्रस्तुत करना होगा।

सोनकिया डिप्टी कलेक्टर भोपाल बने

विनोद सोनकिया को अभी तक प्रभारी डिप्टी कलेक्टर भोपाल के पद पर पदस्थ थे। अब वे डिप्टी कलेक्टर के पद पर पदस्थ किए गए हैं।

मनीष श्रीवास्तव को उप राजस्व आयुक्त कार्यालय प्रमुख राजस्व आयुक्त भोपाल, लाखन सिंह चौधरी को डिप्टी कलेक्टर भोपाल, श्रीमती संध्या चतुर्वेदी को उपायुक्त नगर पालिका निगम भोपाल, योगेंद्र मौर्य को विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी मुख्यमंत्री कार्यालय भोपाल, श्रीमती सुनीता लाल को भू प्रबंधन अधिकारी हाउसिंग बोर्ड भोपाल, रत्नेश श्रीवास्तव को डिप्टी कलेक्टर भोपाल, संतोष कुमार मुद्गल को उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग भोपाल, आशुतोष शर्मा को डिप्टी कलेक्टर भोपाल, श्रीमती डॉ. अर्चना रावत शर्मा को डिप्टी कलेक्टर भोपाल, अजय कुमार शर्मा को डिप्टी कलेक्टर भोपाल में पदस्थ किया गया है। यह सभी अधिकारी अभी तक अपने वर्तमान पदों पर प्रभारी के रूप में पदस्थ थे।

आलोक पारे को अधीक्षक स्टेट गैरेज बनाया

जीएडी से जारी आदेश के अनुसार प्रभारी अधीक्षक स्टेट गैरेज आलोक पारे को पदोन्नति के बाद अधीक्षक स्टेट गैरेज के पद पर पदस्थ किया गया है। इसीतरह मंत्री विश्वास सारंग के विशेष सहायक देवेंद्र चौधरी को पदोन्नति करते हुए उसी पद पर पदस्थ किया गया है। भुवन गुप्ता को उपायुक्त नगर पालिक निगम भोपाल, आशीष खरे को विशेष कर्तव्य अधिकारी मुख्यमंत्री कार्यालय भोपाल, श्रीमती प्रीति श्रीवास्तव को निष्कासन अधिकारी संपदा संचालनालय भोपाल में पदस्थ किया गया है।

मनोज श्रीवास्तव सत्कार अधिकारी के पद पर पदोन्नत

जीएडी के अनुसार मंत्रालय में पदस्थ प्रभारी सत्कार अधिकारी मनोज श्रीवास्तव को पदोन्नति के बाद सत्कार अधिकारी के पद पर पदस्थ किया गया है। उनकी सेवाएं सामान्य प्रशासन विभाग को सौंपी गई है। इसीतरह भोपाल में डेढ़ एक दर्जन अधिकारियों को तहसीलदार से डिप्टी कलेक्टर या समकक्ष पदों पर पदोन्नत करते हुए पदस्थ किया गया है। इसमें प्रकाश चंद पांडे को डिप्टी कलेक्टर भोपाल, प्रकाश चंद जैन को विशेष सहायक मंत्री लखन पटेल, श्रीमती नीना गौर को ओएसडी मध्यप्रदेश भवन नई दिल्ली, श्रीमती ऋषि मौर्य को उपायुक्त कार्यालय प्रमुख राजस्व आयुक्त भोपाल, श्रीमती ममता पटेल को प्रशासनिक अधिकारी विमानन भोपाल में पदस्थ किया गया है।

उपचुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया ने पकड़ी रफ्तार

दतिया उपचुनावः दूसरे दिन कांग्रेस नेता अवधेश नायक ने खरीदा नामांकन फॉर्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दतिया

दतिया विधानसभा उपचुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया अब रफ्तार पकड़ने लगी है। अधिसूचना जारी होने के बाद दूसरे दिन मंगलवार को कांग्रेस नेता अवधेश नायक ने नामांकन पत्र खरीदा। उनके अलावा इंदरगढ़ निवासी हरदास बघेल और रामसिंह बघेल ने भी नामांकन फॉर्म लिया। इसके साथ ही दो दिनों में कुल पांच नामांकन पत्रों की बिक्री हो चुकी है। नामांकन प्रक्रिया के पहले दिन आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के संभावित उम्मीदवार दामोदर सिंह यादव और उनके छोटे भाई केशव सिंह यादव के नाम से नामांकन फॉर्म खरीदे गए थे। हालांकि, पार्टी ने अभी तक अपने अधिकृत प्रत्याशी की घोषणा नहीं की है। उपचुनाव के लिए तहसील कार्यालय को रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) कार्यालय बनाया गया है। प्रत्याशी यहीं से नामांकन फॉर्म खरीद रहे हैं और निर्धारित प्रक्रिया के तहत यहीं अपने नामांकन पत्र जमा करेंगे। मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में पूरे दिन चुनावी तैयारियों को लेकर प्रशासनिक गतिविधियां जारी रहीं।

पांच नामांकन पत्रों की हो चुकी बिक्री

सुरक्षा के विशेष इंतजाम

नामांकन अवधि को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए हैं। तहसील कार्यालय के मुख्य प्रवेश द्वार पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक मुख्य गेट आम लोगों के लिए बंद रहेगा और केवल वैध पासधारकों को ही प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। हालांकि, राजस्व और अन्य आवश्यक कार्यों से आने वाले लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कलेक्ट्रेट परिसर से वैकल्पिक प्रवेश की व्यवस्था की गई है, ताकि आम नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

राजनीतिक दलों की गतिविधियां तेज

दतिया विधानसभा उपचुनाव को लेकर राजनीतिक दलों की गतिविधियां भी तेज हो गई हैं। भाजपा और कांग्रेस ने अभी तक अपने अधिकृत उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है, लेकिन संभावित दावेदारों की सक्रियता लगातार बढ़ रही है। आने वाले दिनों में प्रमुख दलों के प्रत्याशियों के नामांकन दाखिल करने के साथ चुनावी मुकाबला और दिलचस्प होने की उम्मीद है।

भाजपा-कांग्रेस के नेता दोनों ही जनता के बीच कर रहे प्रचार

हर चुनाव में कांटे की टक्कर, इस बार 10 हजार वोट का अंतर बनेगा 'किंगमेकर'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दतिया

दतिया विधानसभा उपचुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। निर्वाचन आयोग की ओर से उपचुनाव की अधिसूचना जल्द जारी होने की संभावना है, जिसके बाद राजनीतिक दल पूरी ताकत से चुनाव मैदान में उतरेंगे। हालांकि भाजपा और कांग्रेस ने अभी अपने प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की है, लेकिन दोनों दलों ने चुनावी रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि दतिया में करीब 10 हजार वोटों का प्रभाव रखने वाला मतदाता वर्ग इस बार जीत-हार तय करने में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। दतिया का चुनावी इतिहास बताता है कि यहां पिछले डेढ़ दशक में मुकाबला लगातार रोचक और कड़ा रहा है।

लगातार घटता-बढ़ता रहा वोटों का अंतर

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि दतिया में भाजपा और कांग्रेस के बीच वोटों का अंतर लगातार घटता-बढ़ता रहा है। ऐसे में करीब 10 हजार वोटों का प्रभाव रखने वाले मतदाता इस बार भी निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं।

खुद को पुलिसकर्मी बताकर ठगी

युवाओं को फर्जी नियुक्ति पत्र देकर 25 लाख रुपए हड़पे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राजधानी रायपुर में सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर 25 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी ने स्वयं को पुलिस विभाग में आरक्षक बताते हुए छह बेरोजगार युवाओं का विश्वास जीता और महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय में नौकरी लगवाने का झांसा देकर उनसे लाखों रुपए ऐंठ लिए।

इतना ही नहीं, आरोपी ने फर्जी चयन सूची और नियुक्ति पत्र भी सौंप दिए। जब सभी अभ्यर्थी ज्वॉइनिंग के लिए विश्वविद्यालय पहुंचे तो दस्तावेज पूरी तरह फर्जी निकले। मामले में सिटी कोतवाली पुलिस ने आरोपी इमरान कादरी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

माध्यमिक शिक्षा मंडल कार्यालय में मिला कादरी

पुलिस के अनुसार शिकायतकर्ता देवेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि वह रोजगार संबंधी कार्यों से अक्सर पेंशनबाड़ा स्थित माध्यमिक शिक्षा मंडल कार्यालय आता-जाता था। इसी दौरान उसकी मुलाकात इमरान कादरी से हुई। इमरान ने खुद को पुलिस लाइन रायपुर में पदस्थ आरक्षक बताया और दावा किया कि उसकी पहचान महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय के कुलसचिव आरएल खरे से है। भर्ती प्रक्रिया में बैक डेट से आवेदन कराकर सहायक ग्रेड-3, प्रयोगशाला तकनीशियन और भृत्य पद पर नौकरी लगवा देगा।

आरोपी नहीं चढ़ा पुलिस के हत्थे

आरोपी ने शिकायतकर्ता समेत प्रीतेश वर्मा, छाया वर्मा, राहुल साहू, सुषमा साहू और संजू साहू से अलग-अलग पदों के नाम पर कुल 30 लाख रुपए की मांग की। चयन सूची दिखाने के बाद पीड़ितों ने 5 मई 2026 को टैगोर नगर चौक में 15 लाख रुपए नकद दिए। 30 मई को कथित नियुक्ति पत्र मिलने पर 9 लाख और 2 जून को आरोपी के बताए व्यक्ति को एक लाख रुपए नकद सौंपे गए। इस तरह 25 लाख रुपए आरोपी को दे दिए गए।

30 मई को दिया फर्जी नियुक्ति पत्र

शिकायत में बताया गया है कि 30 मई को आरोपी ने सभी को नियुक्ति पत्र दिए और 5 जून को विश्वविद्यालय में कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए। जब सभी अभ्यर्थी विश्वविद्यालय पहुंचे तो अधिकारियों ने स्पष्ट कर दिया कि न तो चयन सूची असली है और न ही नियुक्ति पत्र विश्वविद्यालय द्वारा जारी किए गए हैं।

मुआवजे की मांग पर ग्रामीणों का चक्काजाम

खारून नदी में 25 भैंसें बहाव में फंसीं, ग्रामीणों का प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

रायपुर के उरला क्षेत्र स्थित पठारीडीह घाट पर कंडका गांव की लगभग 25 भैंसें खारून नदी के तेज बहाव की भेंट चढ़ गईं। चराई के लिए नदी किनारे ले जाई गईं ये भैंसें कब पानी के साथ बह गईं इसकी किसी को भनक तक न लगी। नदी का बहाव इतना उग्र था कि मवेशी अपना संतुलन खो बैठे और सीधे पठारीडीह घाट के पुल के नीचे जमा भारी जलकुंभी के जाल में फंस गए। ग्रामीणों ने जब तक मोर्चा संभाला, तब तक देर हो चुकी थी। एसडीआरएफ की टीम ने रातभर मशक्कत की। अब तक दो भैंसों के शव बरामद हुए हैं और शेष के बचने की उम्मीद खत्म हो गई।

बेरला उरला मार्ग पर उतरे ग्रामीण

पस अनहोनी से ग्रामीणों का सब्र का बांध टूट गया। ग्रामीण बेरला-उरला मार्ग पर उतर आए। चक्काजाम के कारण वाहनों की लंबी कतार लग गई। पुलिस के आला अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। उचित मुआवजे का आश्वासन देकर जैसे-तैसे ग्रामीणों को शांत कराया।

एसएसपी ने मामले को गंभीरता से लिया

कार छुड़ाने के नाम पर 20 हजार रुपए रिश्वत मांगने का आरोप, थाने का आरक्षक निलंबित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

सड़क हादसे के एक मामले में जब्त कार को छुड़ाने के लिए कोर्ट में चालान पेश करने के नाम पर 20 हजार रुपए रिश्वत मांगने के आरोप में कुम्हारी थाने में पदस्थ आरक्षक सोलोमन राजू को निलंबित कर दिया गया है। शिकायत की जांच के बाद दुर्ग एसएसपी ने आरक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए पुलिस लाइन अटैच कर दिया है।

अस्पताल में भर्ती कराया

शिकायतकर्ता विमलेश कुमार द्विवेदी के अनुसार 27 दिसंबर 2025 को कुम्हारी ओवरब्रिज के नीचे उनकी कार और बाइक के बीच टक्कर हो गई थी। हादसे में बाइक सवार घायल हो गया। विमलेश का कहना है कि उन्होंने घायल को रायपुर के महोबा बाजार स्थित अस्पताल में भर्ती कराया।

कार थाने में जब्त कर ली गई

विमलेश ने बताया कि हादसे के बाद उनकी नई सोनेट कार थाने में जब्त कर ली गई थी। सात जुलाई को कोर्ट से वाहन रिलीज कराने की प्रक्रिया के दौरान पहले 1,500 रुपए लिए गए। फोटोकॉपी के नाम पर अतिरिक्त राशि मांगी गई और फिर चालान पेश करने के नाम पर 20 हजार मांगे।

जमानत प्रक्रिया में भी जानबूझकर देरी की

विमलेश ने आरोप लगाया कि जमानत प्रक्रिया में भी जानबूझकर देरी की गई। उनके अनुसार कोर्ट में दस्तावेज दोपहर बाद करीब पौने तीन बजे पेश किए गए, जबकि ऐसे मामलों में दस्तावेज पहले हाफ में प्रस्तुत किए जाते हैं। दस्तावेज देर से पेश होने के कारण उनके भाई की जमानत तो हो गई, लेकिन कार रिलीज नहीं हो सकी। अब वाहन छोड़ने के लिए उन्हें एक सप्ताह बाद की तारीख मिली है। शिकायत मिलने के बाद दुर्ग एसएसपी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरक्षक सोलोमन राजू को निलंबित कर पुलिस लाइन भेज दिया है। मामले की विभागीय जांच भी जारी है।

अतिक्रमण हटाने के दौरान बढ़ते हमलों के बाद फैसला, वन विभाग ने एडीजी इंटेलीजेंस को लिखा पत्र

प्रदेश में पहली बार वन कर्मियों को पुलिस देगी 'मॉब कंट्रोल' की ट्रेनिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश में वन भूमि से अतिक्रमण हटाने और वन अपराधों पर कार्रवाई के दौरान लगातार हो रहे हमलों के बाद वन विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। अब वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को भीड़ नियंत्रण (मॉब कंट्रोल), तनावपूर्ण परिस्थितियों से निपटने और हमले की स्थिति में बचाव का प्रशिक्षण पुलिस विभाग देगा। इसके लिए वन विभाग ने पुलिस विभाग के इंटेलिजेंस विंग को औपचारिक पत्र भेजकर प्रशिक्षण और मास्टर ट्रेनर उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। वन विभाग के अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक अमित कुमार दुबे द्वारा भेजे गए पत्र में कहा गया है कि वन अपराध, अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई और सामूहिक अवैध कटाई रोकने के दौरान वन अमले पर अक्सर संगठित समूहों द्वारा हमला किया जाता है। कई मामलों में वनकर्मी घायल हुए हैं और उन्हें गंभीर प्रतिरोध का सामना करना पड़ा है।

कुछ दिनों पहले अतिक्रमण हटाने गए वन कर्मियों को बुरी तरीके से बंधक बनाकर ग्रामीणों ने पीटा था

बुरहानपुर, खंडवा, डिंडोरी सहित कई जिलों में हो चुके हमले

हाल के महीनों में बुरहानपुर, खंडवा और डिंडोरी सहित कई जिलों में अतिक्रमण हटाने पहुंची वन विभाग की टीमों पर हमले हुए थे। एक मामले में करीब 200 वनकर्मियों को बंधक बना लिया गया था, जबकि एक रेंजर समेत कई कर्मचारियों के साथ मारपीट की गई थी। इन घटनाओं ने वनकर्मियों की सुरक्षा व्यवस्था और संसाधनों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए थे। वन विभाग का कहना है कि उसके कर्मचारी सीमित संसाधनों में कार्रवाई करते हैं। अधिकांश वनकर्मी बिना सुरक्षा उपकरणों, पर्याप्त बल और आधुनिक हथियारों के अतिक्रमण हटाने तथा वन अपराध रोकने के लिए मैदान में उतरते हैं। ऐसे में हिंसक भीड़ का सामना करना उनके लिए चुनौती बन जाता है।

प्रथम चरण में इन जिलों में दिया जाएगा प्रशिक्षण

प्रस्तावित प्रशिक्षण के पहले चरण में मुरैना, शिवपुरी, देवास, खंडवा और बुरहानपुर जैसे संवेदनशील जिलों के वन अधिकारियों और कर्मचारियों को मॉब कंट्रोल और भीड़ प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। पुलिस विभाग से न केवल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने, बल्कि प्रशिक्षकों (मास्टर ट्रेनर) की उपलब्धता सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया गया है। वन विभाग का मानना है कि इस प्रशिक्षण से कर्मचारियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे अतिक्रमण विरोधी अभियान तथा वन अपराधों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान कानून के दायरे में रहते हुए अधिक प्रभावी और सुरक्षित ढंग से काम कर सकेंगे।

खबर संक्षेप

पंजाब एंड सिंध बैंक को गिफ्ट सिटी का लाइसेंस

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब एंड सिंध बैंक को गांधीनगर स्थित गिफ्ट सिटी में आईएफएससी बैंकिंग इकाई स्थापित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण से लाइसेंस मिल गया है। बैंक ने बुधवार को यह जानकारी दी। वैश्विक स्तर की अपतटीय बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पड़ाव है।

रुपया 59 पैसे टूटकर 95.55 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया बुधवार को 59 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.55 (अस्थायी) पर रहा। होर्मुज जलडमरूमध्य में तीन वाणिज्यिक पोतों को निशाना बनाए जाने के कुछ घंटों बाद अमेरिकी सेना ने बुधवार तड़के ईरान के खिलाफ हमले किए। इससे दोनों देशों के बीच युद्ध समाप्त करने को लेकर हुए अंतरिम समझौते पर खतरा खड़ा हो गया है।

नैक पैकेजिंग आठ प्रतिशत बढ़त के साथ सूचीबद्ध

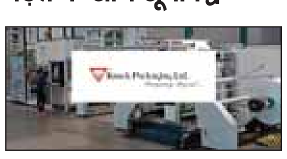

नई दिल्ली। पैकेजिंग समाधान प्रदाता नैक पैकेजिंग लिमिटेड का शेयर बुधवार को बाजार में सूचीबद्ध होने के बाद अपने 170 रुपये के निर्गम मूल्य की तुलना में करीब आठ प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ। कंपनी का शेयर 186 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो निर्गम मूल्य की तुलना में 9.41 प्रतिशत अधिक है। 12.94 प्रतिशत चढ़कर 192 रुपये पर पहुंच गया।

अलायंस इंश्योरेंस ने डेढ़ लाख बीमा दावों का किया निपटान

नई दिल्ली। अलायंस इंश्योरेंस ब्रोकर्स ने वित्त वर्ष 2025-26 में समूह स्वास्थ्य बीमा के 1.5 लाख से अधिक दावों का निपटान किया। इस दौरान कुल 1,100 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसने 96 प्रतिशत दावों का निपटान 10 कार्य दिवस के भीतर किया। आश्रितों सहित 58 लाख लोगों को बीमा सुरक्षा उपलब्ध कराई जा रही है।

पई को साउथ इंडियन बैंक का एमडी नियुक्त करने की मंजूरी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने महेश मुरलीधर पई को तीन साल के लिए साउथ इंडियन बैंक का एमडी और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्ति करने की मंजूरी दे दी है। यह नियुक्ति एक अक्टूबर से प्रभावी होगी। प्रस्ताव 16 जुलाई को होने वाली निदेशक मंडल की बैठक में रखा जाएगा।

फोर्टिस ने एमडी रघुवंशी का कार्यकाल दो वर्ष बढ़ाया

नई दिल्ली। फोर्टिस हेल्थकेयर लिमिटेड के निदेशक मंडल ने आशुतोष रघुवंशी को 19 मार्च, 2027 से अगले दो वर्ष के लिए प्रबंध निदेशक (एमडी) के रूप में पुनर्नियुक्त करने को मंजूरी दे दी है। फोर्टिस हेल्थकेयर लिमिटेड ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि रघुवंशी का मौजूदा कार्यकाल प्रबंध निदेशक (प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के रूप में नामित) के रूप में 18 मार्च, 2027 को समाप्त हो रहा है।

घर का खाना हुआ महंगा, पांच माह के हाई पर शाकाहारी व नॉन-वेज थाली

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

- वजह टमाटर, प्याज, खाद्य तेल व रसोई गैस व ब्रॉयलर चिकन की कीमतें बढ़ी

जून में घर पर बनने वाली शाकाहारी और नॉन-वेज थाली दोनों की लागत पिछले पांच महीनों के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई। इसकी वजह टमाटर, प्याज, खाद्य तेल, रसोई गैस और ब्रॉयलर चिकन की बढ़ती कीमतें रहीं। यह जानकारी क्रिसिल इंटेलिजेंट की मासिक रोटी राइस रिपोर्ट में दी गई है।

जून में शाकाहारी थाली की कीमत 28.4 रुपए रही, जो मई में 27.4 रुपए थी। यानी एक महीने में इसमें 4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। वहीं, जून 2025 के मुकाबले यह 5 प्रतिशत महंगी हो गई। दूसरी ओर, नॉन-वेज थाली की कीमत 58.2 रुपए रही, जो मई में 56.5 रुपए थी। यह मासिक आधार पर 3 प्रतिशत और पिछले साल के मुकाबले 6 प्रतिशत महंगी हुई।

क्रिसिल इंटेलिजेंट की रोटी प्राइस रेट की रिपोर्ट जारी

टमाटर ने सबसे ज्यादा बढ़ाया खर्च

रिपोर्ट के मुताबिक, टमाटर की कीमत एक साल में 31 प्रतिशत बढ़कर 42 रुपए प्रति किलो पहुंच गई। जून 2025 में यह 32 रुपए प्रति किलो थी। फरवरी और मार्च में ज्यादा गर्मी पड़ने की वजह से गर्मियों की फसल की बुआई देर से हुई और उत्पादन भी कम रहा। इसी कारण टमाटर महंगा हुआ।

टमाटर 17 प्रतिशत महंगा हुआ

मई के मुकाबले जून में टमाटर 17 प्रतिशत, आलू 5 प्रतिशत और प्याज 8 प्रतिशत महंगे हुए। इसी वजह से जून में शाकाहारी थाली की लागत और बढ़ गई। हालांकि, आलू की कीमतों में 14 प्रतिशत की गिरावट आई। नई रबी फसल आने से इसकी कीमत कम हुई। इससे थाली की लागत में बढ़ोतरी कुछ हद तक सीमित रही।

एलपीजी की कीमतें 10 प्रतिशत सालाना बढ़ी

वहीं, प्याज की कीमत सालाना आधार पर 2 प्रतिशत बढ़ी, क्योंकि बाजार में महंगे रबी स्टॉक की आवक शुरू हुई। रिपोर्ट के अनुसार, खाद्य तेल और एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में भी सालाना 10-10 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इसकी एक वजह पश्चिम एशिया में तनाव के कारण सप्लाई प्रभावित होना भी रही।

नॉन-वेज थाली क्यों हुई महंगी?

नॉन-वेज थाली की कीमत बढ़ने की सबसे बड़ी वजह ब्रॉयलर चिकन रहा। रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रॉयलर की कीमत सालाना आधार पर करीब 7 प्रतिशत बढ़ी, जबकि महीनेभर में इसमें करीब 2 प्रतिशत की तेजी आई। क्रिसिल के अनुसार, नॉन-वेज थाली की कुल लागत का करीब आधा हिस्सा ब्रॉयलर पर निर्भर करता है। भीषण गर्मी की वजह से सप्लाई कम रही, जिससे चिकन की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिली।

सिबिल के एमडी जैन ने कहा, सकारात्मक कारकों के बावजूद वृद्धि नहीं

भारत में ऋण गुणवत्ता में सुधार के बावजूद क्रेडिट कार्ड की पहुंच कम

- बकाया भुगतान में चुक के स्तर में सुधार आने के बावजूद कार्ड की पहुंच कम
- व्यापक ऋण परिवेश में इस उत्पाद का योगदान घटा है

एजेंसी ▸▸ मुंबई

ट्रांसयूनियन सिबिल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी भवेश जैन ने बुधवार को कहा कि बकाया भुगतान में चूक (डिलिंक्वेंसी) के स्तर में सुधार जैसे कई सकारात्मक कारकों के बावजूद विकसित ही नहीं बल्कि विकासशील देशों की तुलना में भी भारत में क्रेडिट कार्ड की पहुंच कम है।

जैन ने कहा कि व्यापक ऋण परिवेश में इस उत्पाद का योगदान घटा है। नए जुड़े ग्राहकों में केवल आठ प्रतिशत ही ऐसे हैं जो पहली बार ऋण प्रणाली से जुड़े हैं, जबकि एक वर्ष पहले यह अनुपात 26 प्रतिशत था। उन्होंने कहा कि भारत में 5.2 करोड़ लोगों के पास क्रेडिट कार्ड हैं, जो लगभग 25 करोड़ सक्रिय ऋण ग्राहकों की कुल संख्या का केवल 25 प्रतिशत है।

सबसे अधिक क्रेडिट कार्ड का उपयोग हांगकांग में

एमडी ने कहा कि विकसित और विकासशील देशों में क्रेडिट कार्ड का उपयोग करने वाले लोगों का अनुपात इससे अधिक है। क्रेडिट सूचना कंपनी द्वारा तैयार एक श्वेतपत्र के अनुसार, यह अनुपात कोलंबिया में 62 प्रतिशत, हांगकांग में 98 प्रतिशत, अमेरिका में 81 प्रतिशत और ब्रिटेन में 70 प्रतिशत है।

नए जुड़े ग्राहकों में केवल आठ प्रतिशत पहली बार इस प्रणाली से जुड़े

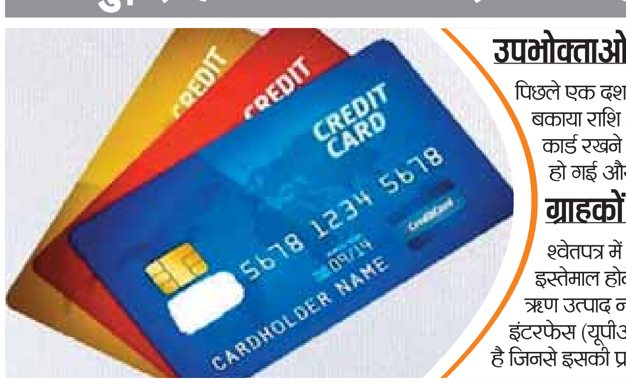

उपभोक्ताओं की संख्या 5.2 करोड़ हुई

पिछले एक दशक में कई मानकों पर वृद्धि दर्ज की गई है। इस दौरान बकाया राशि 8.3 गुना होकर 3.1 लाख करोड़ रुपये हो गई, क्रेडिट कार्ड रखने वाले उपभोक्ताओं की संख्या 3.6 गुना होकर 5.2 करोड़ हो गई और कार्डों की संख्या 5.1 गुना होकर 10.7 करोड़ रही।

ग्राहकों के लिए अब कई विकल्प उपलब्ध

श्वेतपत्र में कहा गया कि वर्षों में मुख्य रूप से उपभोग के लिए इस्तेमाल होने वाले क्रेडिट कार्ड ग्राहकों के लिए प्रमुख असुरक्षित ऋण उत्पाद नहीं रह गए हैं। इसके पीछे यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई), व्यक्तिगत ऋण आदि जैसे विकल्प उपलब्ध होना है जिनसे इसकी प्रतिस्पर्धा है।

क्रेडिट कार्ड पर दो प्रतिशत का एमडीआर लगता है : वर्तमान में प्रत्येक क्रेडिट कार्ड लेनदेन पर दो प्रतिशत तक का मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगाया जाता है। साथ ही, उपयोगकर्ताओं को लेनदेन पर 'रिवॉर्ड प्वाइंट' जैसे लाभ भी मिलते हैं। वर्तमान में उपयोगकर्ता वीजा और मास्टरकार्ड जैसे अन्य नेटवर्क के क्रेडिट कार्ड को यूपीआई ऐप से नहीं जोड़ सकते, जिससे इसका उपयोग सरकार समर्थित रुपे तक सीमित रहता है।

महामारी के दौरान इसमें जरूर व्यवधान रहा : *भौगोलिक दृष्टि से दिलचस्प बात यह है कि अब क्रेडिट कार्ड केवल महानगरों तक सीमित नहीं रहे, बल्कि अर्द्ध-शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोग भी इन्हें रखने लगे हैं। पोर्टफोलियो गुणवत्ता के दृष्टिकोण से श्वेतपत्र में कहा गया कि कोविड-19 वैश्विक महामारी संकट के दौरान जरूर कुछ व्यवधान आया था, लेकिन अब वह पीछे छूट चुका है और समग्र गुणवत्ता में सुधार देखा गया है।*

तीन या उससे अधिक क्रेडिट कार्ड रखने वाले बढ़े: श्वेतपत्र में कहा गया कि अपने बटुए में तीन या उससे अधिक क्रेडिट कार्ड रखने वाले लोगों का अनुपात एक दशक पहले के 12 प्रतिशत से बढ़कर 22 प्रतिशत हो गया है। इसी अवधि में उपभोग ऋण में सक्रिय कार्डों की हिस्सेदारी 56 प्रतिशत से घटकर 38 प्रतिशत रह गई है। जैन ने कहा कि युवा आबादी के पास क्रेडिट कार्ड होने की संभावना अधिक है।

अब डॉलर नहीं रुपए में फीस भरेंगे विदेशी निवेशक

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

- सेबी ने डॉलर आधारित व्यवस्था को किया खत्म
- पंजीकरण शुल्क रुपए में तय करने का निर्देश

बाजार नियामक सेबी ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के लिए पंजीकरण शुल्क ढांचे में बदलाव करते हुए डॉलर आधारित व्यवस्था को खत्म कर रुपये में शुल्क तय करने का फैसला किया है। सेबी ने तीन जुलाई को जारी अधिसूचना में कहा कि इस बदलाव को लागू करने के लिए एफपीआई से संबंधित नियमों में संशोधन किया गया है। संशोधित प्रावधान छह महीने बाद प्रभावी होंगे। सेबी ने तीन जुलाई को जारी अधिसूचना के जरिये प्रथम श्रेणी के एफपीआई के लिए पंजीकरण शुल्क को 2,500 डॉलर से संशोधित कर 2.3 लाख रुपये कर दिया। वहीं, द्वितीय श्रेणी के एफपीआई के लिए पंजीकरण शुल्क को 250 डॉलर से संशोधित कर 23,000 रुपये कर दिया गया है। बाजार नियामक ने नियमों के कड़े अनुपालन से सामान्य छूट या रियायत मांगने के लिए आवेदन शुल्क भी 1,000 डॉलर से संशोधित कर पात्र विदेशी मुद्रा के समतुल्य 90,000 रुपये कर दिया है। सेबी ने एफपीआई पंजीकरण के लिए इस्तेमाल होने वाले साझा आवेदन पत्र को भी अद्यतन किया है। नियामक ने 'स्थायी खाता संख्या' (पैन) आवंटन की सुविधा के लिए साझा आवेदन पत्र में आवेदक की जन्म तिथि या कंपनी के गठन की तिथि को शामिल करना अनिवार्य किया है।

नामित डिपॉजिटरी प्रतिभागियों (डीडीपी) को पंजीकरण दिए जाने के बाद एकत्रित पंजीकरण शुल्क पांच कार्य दिवस के भीतर सेबी को जमा कराना होगा।

पंजीकरण के पांच दिवस के अंदर विवरण जमा करना होगा

सेबी ने कहा, ''हरेक नामित डिपॉजिटरी प्रतिभागी प्रारंभिक पंजीकरण के मामले में एफपीआई से एकत्रित शुल्क भारतीय रुपये में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक को पंजीकरण प्रमाणपत्र दिए जाने की तिथि से पांच कार्य दिवस के भीतर, समय-समय पर निर्धारित प्रारूप में विवरण के साथ बोर्ड को जमा करेगा।''

खाड़ी में तनाव बढ़ने से सोना 800 रुपए टूटा

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

- सोना टूटकर 1.48 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम
- चांदी की कीमतें 2,39,800 रुपए प्रति किलोग्राम पर स्थिर

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बुधवार को सोने की कीमतों में लगातार तीसरे सत्र में गिरावट आई और यह 800 रुपये टूटकर 1.48 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया।

कमजोर वैश्विक रुख और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से निवेशकों की कारोबारी धारणा कमजोर हो गई। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना मंगलवार के 1,49,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के बंद स्तर से 800 रुपये टूटकर 1,48,450 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) पर आ गया। हालांकि, चांदी की कीमतें 2,39,800 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स सहित) पर स्थिर रहीं। बाजार सूत्रों ने कहा कि सर्राफा पर दबाव बना रहा क्योंकि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने महंगाई की चिंता बढ़ा दी, जिससे अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल और डॉलर में बढ़ोतरी हुई।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, ''बुधवार को सोने की कीमतों में गिरावट जारी रही। विदेशी व्यापार में कमजोरी, बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल ने कीमती धातुओं के प्रति कारोबारी धारणा को कमजोर कर दिया।''

महिंद्रा एसयूवी, वाणिज्यिक वाहनों के दाम बढ़ाएगी

नई दिल्ली। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड जिंसों की बढ़ती लागत की भरपाई के लिए 10 जुलाई से अपने स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) और वाणिज्यिक वाहनों की कीमतों में औसतन क्रमशः 2.7 प्रतिशत और दो प्रतिशत की वृद्धि करेगी। कंपनी ने एक बयान में कहा, 'कीमतों में यह वृद्धि मुख्य रूप से जिंस लागत में बढ़ोतरी के कारण की जा रही है। कंपनी ने कहा कि कीमतों में वृद्धि की मात्रा अलग-अलग उत्पादों के आधार पर अलग-अलग होगी। महिंद्रा एंड महिंद्रा के एसयूवी पोर्टफोलियो में लोकप्रिय स्कॉर्पियो श्रृंखला, थार, एक्सयूवी 3एक्सओ और एक्सयूवी 7एक्सओ समेत अन्य मॉडल शामिल हैं। इन वाहनों की शोरूम कीमतें 7.54 लाख रुपये से लेकर 25.07 लाख रुपये तक हैं

आईएमएफ ने वैश्विक आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान घटाया

एजेंसी ▸▸ वाशिंगटन

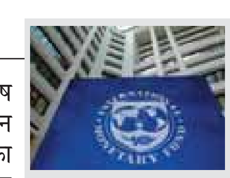

- आईएमएफ ने ऊर्जा संकट का दिया हवाला
- मुद्रा कोष ने अनुमान को घटाकर तीन प्रतिशत किया

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने बुधवार को ईरान युद्ध से पैदा हुए ऊर्जा संकट का हवाला देते हुए इस वर्ष के लिए वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर के अपने अनुमान में मामूली कटौती की है। आईएमएफ ने अब अनुमान लगाया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था 2026 में धीमी तीन प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। यह पिछले साल की 3.5 प्रतिशत वृद्धि और अप्रैल में लगाए गए 3.1 प्रतिशत के अनुमान से कम है। आईएमएफ का अनुमान है कि 2027 में वैश्विक आर्थिक वृद्धि दर बढ़कर 3.4 प्रतिशत हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि अमेरिका और इजराइल के हमलों के जवाब में ईरान ने 28 फरवरी को होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया था, जहां से दुनिया के कुल कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का पांचवां हिस्सा आता है।

चीन की अर्थव्यवस्था 4.6 फीसदी की दर से बढ़ रही

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 2025 की कर कटौती, उत्पादकता में बड़ी वृद्धि और मजबूत शेयर बाजार भी अर्थव्यवस्था को गति दे रहे हैं। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन के इस साल 4.6 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। यह 2025 के पांच प्रतिशत से कम है, लेकिन अप्रैल में आईएमएफ के अनुमान से कुछ बेहतर है।

अमेरिका की वृद्धि दर 2.3 फीसदी रहने का अनुमान

आईएमएफ के अनुसार, वे देश जो खुद ऊर्जा का उत्पादन और निर्यात करते हैं तथा कृत्रिम मेधा (एआई) में निवेश से लाभ उठा रहे हैं, वे युद्ध के आर्थिक प्रभाव से अपेक्षाकृत सुरक्षित हैं। इनमें अमेरिका भी शामिल है। आईएमएफ ने दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिका की वृद्धि दर इस साल 2.3 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है, जो 2025 के 2.1 प्रतिशत से अधिक है और अप्रैल के अनुमान के समान है।

उत्पादकों का भ्रामक दावा

फर्न्स और कुबेरा फूड्स को फसाई का नोटिस

- लेबलिंग मानकों का किया उल्लघंन
- सात दिनों के भीतर देना होगा स्पष्टीकरण

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

खाद्य नियामक भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने विभिन्न खाद्य उत्पादों पर भ्रामक दावों और लेबलिंग मानकों के उल्लंघन को लेकर लोटे इंडिया, फर्न्स एन पेटल्स और कुबेरा फूड्स को नोटिस जारी किए हैं। एफएसएसएआई ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर लिखा कि इन कंपनियों को सात दिन के भीतर यह स्पष्ट करने का निर्देश दिया गया है कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के तहत उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं शुरू की जाए।

एफएसएसएआई ने लोटे इंडिया कॉरपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड को '' विभिन्न खाद्य उत्पादों पर मानकों के अनुरूप नहीं होने वाले पूर्व-मुद्रित लेबल के उपयोग और भ्रामक लेबलिंग दावों'' को लेकर नोटिस जारी किया है। एफएसएसएआई ने लोटे इंडिया द्वारा मानकों के अनुपालन में कई तरह की कमियां पाई हैं। उसने कहा, कंपनी ने पूर्व अनुमति लिए बिना पुराने नाम 'लोटे इंडिया कॉरपोरेशन लिमिटेड' वाले ऐसे पूर्व-मुद्रित लेबल का उपयोग किया, जो मानकों के अनुरूप नहीं थे। इसके अलावा, लोटे चोको पाई विद रिच मार्शमेलो, लोटे चोको पाई रियल ऑरेंज और लोटे चोको पाई चोको बर्स्ट पर ''100 प्रतिशत शाकाहारी'' का दावा किया गया है, जिसे भ्रामक पाया गया। कंपनी के पेपेरो क्रंची बिस्किट स्टिक्स और पेपेरो ओरिजिनल बिस्किट स्टिक्स उत्पादों पर निर्धारित तरीके से पोषण संबंधी जानकारी नहीं दी गई है। इसके एक अन्य उत्पाद लॉली ब्लिस लॉलीपॉप (ऑरेंज, स्ट्रॉबेरी और कच्चा आम फ्लेवर) में विटामिन का स्तर एफएसएस (विज्ञापन एवं दावे) विनियमों के प्रावधानों के अनुरूप नहीं पाया गया।

उत्पाद में कृत्रिम खाद्य रंग व फ्लेवरिंग का उल्लेख नहीं

नियामक ने कहा कि उत्पाद के सामने वाले हिस्से पर '100 प्रतिशत प्राकृतिक' और 'कोई परिरक्षक, रंग एवं फ्लेवर नहीं' जैसे दावे किए गए हैं जबकि उत्पाद के लेबल पर परिरक्षक, कृत्रिम खाद्य रंग और मिलाए गए फ्लेवरिंग पदार्थों का उल्लेख है। उसने कहा कि ''शुद्ध, ताजा और प्राकृतिक'' जैसे दावे कानून का उल्लंघन हैं।

टाटा समूह का वाहन कारोबार 100 अरब डॉलर पहुंचाने का लक्ष्य

- कंपनी की 81 वीं वार्षिक बैठक में जानकारी दी गई
- घरेलू कारोबार में 40 हजार करोड़ रुपए पहुंचाने का लक्ष्य

एजेंसी ▸▸ मुंबई

टाटा समूह के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने बुधवार को कहा कि अगले पांच साल में समूह का वाहन कारोबार 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। इसके लिए घरेलू कारोबार में 40,000 करोड़ रुपये और जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) में लगभग 20 अरब ब्रिटिश पाउंड के पूंजीगत व्यय का लक्ष्य रखा गया है। चंद्रशेखरन ने बुधवार को यहां कंपनी की 81वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) को ऑनलाइन संबोधित करते हुए शेयरधारकों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार में कंपनी का लक्ष्य 40-45 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी बनाए रखना है। वर्तमान में उसकी बाजार हिस्सेदारी लगभग 42 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2019-20 से 2029-30 की अवधि में बिक्री मात्रा में 10 गुना वृद्धि और 20 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल करने का लक्ष्य रखा है। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स (टीएमपीवी) के चेयरमैन चंद्रशेखरन ने कहा, '' मैं कहना चाहता हूं कि दोनों कंपनियों (टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड और टाटा मोटर्स लिमिटेड) ने बेहद महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं।

एलन की संपत्ति अब 992-997 बिलियन डॉलर के करीब हो गई

मस्क से तीन हफ्ते में ही छिन गया ट्रिलियनेयर का दर्जा

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

- स्पेसएक्स के आईपीओ के बाद कंपनी का मार्केट कैप 2.8 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया था

दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क से तीन हफ्ते में ही ट्रिलियनेयर का दर्जा छिन गया है। दरअसल, स्पेस एक्स के शेयर में आई गिरावट की वजह से उनकी संपत्ति अब 992-997 बिलियन डॉलर के करीब हो गई है। यानी दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर बने मस्क की संपत्ति 13 अंकों के नीचे आ गई है।

एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स का आईपीओं 12 जून को आया था, जिसकी लिस्टिंग अमेरीकी शेयर बाजार नेसडेक पर हुई थी, लेकिन ज्यादातर निवेशकों को कंपनी के शेयर नहीं मिल पाए थे। लिहाजा, 135 डॉलर प्रति शेयर की कीमत वाला आईपीओ लिस्ट होने के बाद 150 डॉलर प्रति शेयर पर खुला, जिसकी वजह से कंपनी का कुल मार्केट कैप 2.8 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया। यानी स्पेस एक्स का मार्केट कैप अमेजन के मार्केट कैप को भी पछाड़ दिया था। इसके साथ ही मस्क की व्यक्तिगत संपत्ति 1.4 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गई थी।

जानकारों को अब भी है स्पेसएक्स पर भरोसा

ऊपरी स्तर से स्पेसएक्स की शेयर में आई 30 प्रतिशत की गिरावट के बाद भी जानकारों को भरोसा कंपनी पर बना हुआ है। वेस्टेड फाइनेंस के फाउंडर और सीईओ विक्रम शाह का कहना है कि ऐसा नहीं है कि स्पेसएक्स कंपनी अचानक से कोई कमजोर कंपनी बन गई है। उनके मुताबिक, निवेशक जो देख रहे हैं, वह उम्मीदों के असलियत से आगे निकल जाने का एक क्लासिक उदाहरण है। उन्होंने आगे कहा कि कंपनी चाहे कितनी भी अच्छी क्यों हो, जब ऊंचे दामों पर लिस्ट होती है, तो गिरावट आना स्वाभाविक है।

स्पेसएक्स एआई के क्षेत्र में तेजी से बढ़ रहा

शाह का कहना है कि ऐसा नहीं है कि कंपनी का फंडामेंटल अचानक से खराब हो गई है। आज भी स्टार लिंक का विस्तार तेजी से जारी है और कंपनी करोड़ों सब्सक्राइबर्स को जोड़ रही है। इसके साथ ही कंपनी पूरी ताकत के साथ एआई पर तेजी से काम कर रही है। कंपनी ने एआई कोडिंग स्टार्टअप 'कर्सर' को 60 अरब डॉलर के ऑल-स्टॉक सौदे में खरीदने की घोषणा के बाद, स्पेसएक्स अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ रही है।

इस वजह से संपत्ति में आई गिरावट

हालांकि, कंपनी के शेयर को लेकर जारी यूफोरिया जल्द ही समाप्त हो गया और जुलाई महीने की शुरुआत के साथ ही कंपनी के शेयर में ऊपरी स्तर से 30 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई।

नशे में धुत चालक ने दुकानो, गाड़ियों को रौंदा

टवेरा गाड़ी ने पिपलानावार में मचाया आतंक

10 से अधिक घायल, एक मासूम सहित 4 नागपुर रेफर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सौसर

क्षेत्र में बेलगाम होते वाहनों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार सुबह पीपला नारायणवार में हुए एक भयावह सड़क हादसे ने फिर से स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक अनियंत्रित टवेरा वाहन (एमपी 48 बी 632) ने सड़क किनारे स्थित कई दुकानों बाइक में टक्कर मार दी, जिसमें एक डेढ़ वर्षीय मासूम सहित 10 से अधिक लोग घायल और चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। चर्चा के दौरान बीएमओ डॉ रुपेश बोकड़े ने बताया कि दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल 50 वर्षीय सीताराम ठाकरे 25 वर्षीय गोलू चौहान निलेश पाटणकर, प्रेमराज पाटणकर और डेढ़ साल का मासूम बच्चा भारत पाटनकर को सौसर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद में नागपुर रेफर किया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बुधवार के सुबह विभिन्न कार्यों से बस स्टैंड पर अनेक लोग अपने कार्य से खड़े थे वही जामसावली की ओर से आ रही गाड़ी टवेरा चालक अत्यधिक नशे में धुत था। नशे में होने के कारण चालक वाहन पर अपना नियंत्रण पूरी तरह खो चुका था। तेज रफ्तार गाड़ी ने बस स्टैंड की सड़क किनारे खड़ी कई मोटरसाइकिलों आटो को उड़ाते हुए सीधे दुकानों में प्रवेश किया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दुकान के बाहर खड़े लोग संभल भी नहीं पाए और वाहन की चपेट में आ गए। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते नजर आए। सूचना मिलते ही पीपला पुलिस ने मौके पर पहुंचकर वाहन और आरोपी चालक को हिरासत में ले लिया है। मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

घायलों का हाल जानने अस्पताल पहुंचे पहुंचे जनप्रतिनिधि

हादसे की सूचना मिलते ही पूर्व राज्यमंत्री नाना मोहड़, विधायक विजय चौरे ने तत्काल सौसर सिविल अस्पताल पहुंचे। उन्होंने चिकित्सकों से घायलों के उपचार के बारे में विस्तृत चर्चा की और पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को घायलों को बेहतर और त्वरित चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने के सख्त निर्देश दिए हैं। देखने में आया है कि क्षेत्र में इन दिनों लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैसड़कें अब आम नागरिकों के लिए सुरक्षित नहीं रह गई हैं। यदि प्रशासन ने समय रहते सड़क सुरक्षा के कड़े इंतजाम नहीं किए, तो भविष्य में और भी बड़ी जनहानि हो सकती है।

पत्नी ने प्रेमी और साथी के साथ रची पति की हत्या की साजिश गिरफ्तार

छतरपुर। थाना किशनगढ़ पुलिस ने अमानगंज रोड स्थित जंगल में मिले युवक के शव के मामले का खुलासा करते हुए मृतक की पत्नी सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक की पत्नी ने अपने साथी और एक अन्य सहयोगी के साथ मिलकर सुनियोजित तरीके से हत्या की वारदात को अंजाम दिया था।

पुलिस के अनुसार 1 जुलाई को ग्राम नारायणपुरा, थाना पवई, जिला पन्ना निवासी संजय मिश्रा की गुमशुदगी दर्ज होने के बाद थाना किशनगढ़ पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की। लगातार सर्च अभियान के दौरान अमानगंज रोड पर निर्माणाधीन पुल के पास जंगल में एक शव बरामद हुआ, जिसकी पहचान संजय मिश्रा के रूप में हुई। घटनास्थल के पास से मृतक की मोटरसाइकिल भी बरामद की गई। घटनास्थल से मिले भौतिक एवं तकनीकी साक्ष्यों तथा परिजनों की शिकायत के आधार पर थाना किशनगढ़ में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत हत्या का मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के निर्देशन में गठित विशेष टीम ने वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच की, जिसमें मृतक की पत्नी की संलिप्तता सामने आई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मृतक की पत्नी अनीता निवासी ग्राम नारायणपुरा, थाना पवई, जिला पन्ना, विनोद यादव निवासी ग्राम नगदा, थाना किशनगढ़ तथा सतीश यादव निवासी ग्राम नगदा, थाना किशनगढ़ को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन एवं अन्य सामग्री भी बरामद की गई है। तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की गई।

50 घंटे का हाई-वोल्टेज ड्रामा खत्म, 80 मीटर ऊंचे टावर पर चढ़े विक्षिप्त बुजुर्ग का सुरक्षित रेस्क्यू

जांबाज पुलिस कर्मियों ने टावर पर चढ़कर दी समझाइश, जेब में मिली डायरी से खुला बंगाल कनेक्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पांढुर्णा

स्थानीय तीन शेर चौक स्थित बीएसएनएल के 80 मीटर ऊंचे टावर पर पिछले 50 घंटों से चढ़ा एक 55 वर्षीय बुजुर्ग आखिरकार सुरक्षित नीचे उतार लिया गया है। प्रशासन और रेस्क्यू टीम के कड़े प्रयासों के बाद तीन बचावकर्मियों ने टावर पर ऊपर पहुंचकर बुजुर्ग को समझाइश दी, जिसके बाद वह नीचे उतरने को राजी हुआ।

एक सप्ताह से नागपुर से था लापता

पुलिस प्रशासन के अनुसार, बुजुर्ग की पहचान सोनातोन दियार (55 वर्ष) निवासी ग्राम खड़कपुर, थाना बलियाबार, जिला झारग्राम (पश्चिम बंगाल) के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक बुजुर्ग का मानसिक संतुलन कभी-कभी बिगड़ जाता है। वह करीब 8 दिन पहले अपनी शादीशुदा बेटी को छोड़ने नागपुर आया था, लेकिन वहां से अचानक लापता हो गया। बुजुर्ग की जेब से एक डायरी बरामद हुई है, जिसमें लिखे मोबाइल नंबरों पर जब प्रशासन ने संपर्क किया, तब जाकर उसकी पहचान और पूरी कहानी सामने आई।

परिजनों ने कभी नहीं सुना पांढुर्णा का नाम

डायरी के आधार पर जब बंगाल में परिजनों से बात की गई तो उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने जीवन में कभी 8पांढुर्णा8 का नाम तक नहीं सुना था। नागपुर से लापता होकर बुजुर्ग पांढुर्णा कैसे और क्यों पहुंचा, यह अभी भी एक रहस्य बना हुआ है। सूचना मिलने के बाद परिजन बंगाल से पांढुर्णा के लिए रवाना हो चुके हैं।

जांबाज पुलिसकर्मियों ने बचाई जान

भूखे-प्यासे टावर पर बैठे बुजुर्ग को सुरक्षित नीचे लाने में आरक्षक पुष्पेंद्र सिंह और आरक्षक नीतेश रघुवंशी सहित अन्य बचावकर्मियों ने मुख्य भूमिका निभाई। टावर से उतारने के बाद बुजुर्ग को तुरंत स्थानीय शासकीय अस्पताल में प्राथमिक उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। प्राथमिक जांच में बुजुर्ग का स्वास्थ्य ठीक बताया जा रहा है।

मौके पर डटा रहा प्रशासनिक अमला

शाम 4 बजे से शुरू हुए इस बेहद संवेदनशील रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान पूरा प्रशासनिक अमला मौके पर मुस्तैद रहा। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर प्रेक्ष्या पाठक, एसपी प्रकाशचंद्र परिहार, एडिशनल एसपी मनोकामना प्रसाद, एसडीओपी ब्रजेश भार्गव, नगरपालिका अध्यक्ष संदीप घाटोडे, थाना प्रभारी अमित दानी, आरआई अनीता सिवडे, नायब तहसीलदार मोहित गणवीर और सब-इंस्पेक्टर शिवकरण पांडे सहित भारी पुलिस बल मौजूद रहा।

कटंगी वार्ड 4 में दर्दनाक हादसा

कूलर के करंट से 19 वर्षीय युवती और पालतू कुत्ते की मौत

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

कटंगी शहर के वार्ड क्रमांक 4 में बुधवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में 19 वर्षीय युवती और पालतू कुत्ते की मौत हो गई। घर के बाहर लगे कूलर में आए करंट की चपेट में आने से दोनों की जान चली गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मर्ग कायम किया गया है। इस हादसे से पूरे शहर में शोक की लहर है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक यह घटना बुधवार दोपहर करीब 1 बजे की है। मृतिका की पहचान पूनम उर्फ मोना पिता स्वर्गीय पवन नामदेव निवासी वार्ड 4 के रूप में हुई है। मोना अपनी छोटी बहन पूर्वा के साथ रहती थी। बुधवार को मोना घर के पास ही कुत्ते के साथ खेल रही थी। इसी दौरान पड़ोसी अनिल चुटेलकर का पालतू कुत्ता दौड़ता हुआ घर के बाहर लगे कुलर के पास पहुंच गया। कुत्ते को पकड़ने के लिए मोना भी उसके पीछे दौड़कर गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सबसे पहले कुत्ता कूलर के संपर्क में आया और करंट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। कुत्ते को बचाने के लिए मोना ने उसे पकड़ने की कोशिश की और वह भी करंट की चपेट में आ गई। मोना के चेहरे और हाथों में तेज करंट आया। जिस कारण चंद मिनट में ही उसका पूरा शरीर नीला दिखाई देने लगा था।

बताया जा रहा है कि हादसे के समय अनिल चुटेलकर के घर पर कोई मौजूद नहीं था और कूलर का बटन भी बंद था। इसके बावजूद कूलर में करंट कैसे आया यह अभी जांच का विषय है। मोना की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मोना अपनी छोटी बहन पूर्वा के साथ रह रही थी और इन बच्चियों की देखरेख बड़े माता-पिता करते थे। दरअसल, मोना की मां अपने पति की हत्या के मामले में जेल में सजा काट रही है। पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। हादसे की सूचना मिलते ही उप निरीक्षक सुजाता कामले, प्रधान आरक्षक अनिल चौके और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा किया और पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटंगी भेजा। दोपहर 03 बजे शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया। वहीं इस दर्दनाक हादसे की सूचना जेल में बंद मोना की मां को भी पहुंचाई गई। वकील ने आपातकालीन पैरोल की कार्रवाई भी की है ताकि वह जेल में बंद मां अपनी बेटी के अंतिम संस्कार में शामिल हो सकें। हालांकि शाम 05 बजे तक ऐसी कोई जानकारी नहीं मिल पाई कि जेल में बंद मां को छोड़ा गया है। इधर, मोना के बड़े माता-पिता और नाते-रिश्तेदारों ने अंतिम संस्कार की पूरी प्रक्रिया कर ली थी।

दो बैलों की लड़ाई बनी हादसे की वजह, बाइक सवार घायल

छतरपुर। शहर के देरी रोड निवासी श्यामलाल कोंदर (39) पिता हरिश्चंद्र बीती शाम सड़क हादसे में घायल हो गए। जानकारी के अनुसार शाम करीब 5:30 बजे वह बाइक से अपने घर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान विराज गार्डन के पास सड़क पर दो बैल आपस में लड़ रहे थे। अचानक दोनों बैल बाइक के सामने आ जाने से श्यामलाल का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क पर गिर पड़े। हादसे में श्यामलाल के पैरों में चोट आई। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने उनकी मदद की। परिचित कल्लू यादव उन्हें ई-रिक्शा से तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उनका उपचार किया गया।

तेंदुए ने घर में घुसकर बकरी पर किया हमला

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

कटंगी वन परिक्षेत्र और अरी रेंज के बीच स्थित ग्राम टेकाड़ी के नहर टोला में मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात तेंदुए ने एक बार फिर दहशत फैला दी। वन्य प्राणी ने गांव के अंदर घुसकर एक पालतू बकरी पर हमला कर दिया। हमले में बकरी घायल हो गई है। घटना रात करीब साढ़े 12 बजे की बताई जा रही है। बुधवार को पशु मालिक कृष्ण कुमार लाड़े ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि हमले से बकरी लहूलुहान हालत में थी और आसपास तेंदुए के पंजों के निशान भी मिले। कृष्ण कुमार ने बताया रात में उन्होंने बकरी के चिल्लाने की आवाज सुनी और घर से बाहर निकलकर देखा तो बकरी घायल अवस्था में पड़ी थी। बकरी के शरीर पर पंजों और दांतों के निशान हैं। घर के पास ही मिट्टी में तेंदुए के पदचिन्ह भी साफ दिख रहे हैं। तुरंत इसकी सूचना वन विभाग को दी गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नहर टोला में पिछले कुछ महीनों से तेंदुए की गतिविधियां लगातार बढ़ गई हैं। इससे पहले भी इस इलाके में तेंदुआ कई पालतू मवेशियों का शिकार कर चुका है। आए दिन तेंदुए की चहलकदमी देखने को मिल रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। बार-बार शिकायत के बाद भी पिंजरा नहीं लगाया गया और न ही रात में गश्त बढ़ाई गई है। तेंदुए के बार-बार गांव में आने से नहर टोला के लोगों में डर का माहौल है। खासकर रात के समय महिलाएं और बच्चे घर से बाहर निकलने से डर रहे हैं। मवेशी पालक भी अपने जानवरों को खुले में बांधने से कतरा रहे हैं।

बंदूक चमकाने वाला संविदा उपयंत्री सस्पेंड

सतना। शासकीय कार्यों के निरीक्षण के दौरान धौंस जमाने के लिए बंदूक लेकर घूमने,घोर अनुशासन हीनता के आरोपी संविदा उपयंत्री सतीश समेले पर गाज गिरी है। जनपद पंचायत मझगवां में पदस्थ उपयंत्री समेले को जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने तत्काल प्रभाव से विभागीय कार्यों से विरत (निलंबित) कर दिया है। विरत अवधि के दौरान उनका मुख्यालय कार्यपालन यंत्री,ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग सतना तय किया गया है। मामला तब गरमाया जब उपयंत्री समेले का निर्माण कार्यों के निरीक्षण के दौरान शासकीय कार्यस्थल पर बंदूक लेकर घूमने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। शिकायत मिलने पर जिला पंचायत ने जांच कराई। कारण बताओ नोटिस के जवाब में उपयंत्री ने बंदूक ले जाने की बात तो कबूली,लेकिन उनका स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं था। जिला पंचायत सीईओ ने बताया कि आरोप बेहद गंभीर प्रकृति के हैं। मामले की निष्पक्ष विभागीय जांच के लिए जनपद पंचायत उचेहरा के सीईओ को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया।

निजी स्कूल की बर्बरता: ड्रेस कोड न होने पर 6 साल की मासूम को बेरहमी से पीटा, शरीर पर उभरे जख्म

सतना।

मझगवा ब्लॉक के बरौंधा थाना अंतर्गत केलहोरा पंचायत के मंडा टोला से एक निजी स्कूल की क्रूरता का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहाँ हरिद्वार की एक संस्था द्वारा संचालित 'देव विद्यालय' में नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए कक्षा 2 की 6वर्षीय मासूम बच्ची (कीर्ति,पिता-विजय प्रसाद) को सिर्फ इसलिए बर्बरतापूर्वक पीटा गया,क्योंकि वह तय यूनिफॉर्म में स्कूल नहीं आई थी। शिक्षा के मंदिर को कलंकित करने वाली इस घटना में बच्ची की पीठ,छाती और हाथों पर मारपीट के गहरे लाल और सूजे हुए निशान आ गए हैं।

मामला दबाने का प्रयास, ऑडियो आया सामने

घटना को छुपाने के लिए स्कूल प्रबंधन ने पहले परिजनों को गुमराह करते हुए दलील दी कि बच्ची स्कूल में कहीं गिर गई थी। लेकिन जब परिजनों ने शरीर पर छपे डंडों के निशान दिखाए और तीखे सवाल किए,तब प्रबंधन बैकफुट पर आया और स्टाफ की गलती स्वीकार की। इस बातचीत का एक ऑडियो भी सामने आया है। भयमुक्त शिक्षा के दावों के बीच मासूम से हुई इस अमानवीय प्रताड़ना के बाद अब देखना होगा कि प्रशासन दोषी शिक्षक पर क्या और कब तक कानूनी कार्रवाई करता है।

कढ़ी में छिपकली मिलने की शिकायत पर खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई, तीन प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई

स्वच्छता में मिली गंभीर खामियां, बिना खाद्य पंजीयन कारोबार करने वालों पर प्रकरण दर्ज

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट शहर के एक होटल में परोसी गई कढ़ी में छिपकली मिलने की शिकायत के बाद खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शहर के विभिन्न होटल एवं जलपान गृहों का सघन निरीक्षण किया। जांच के दौरान कई प्रतिष्ठानों में खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर नोटिस जारी किए गए तथा प्रकरण दर्ज किए गए।खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम सबसे पहले मोती नगर स्थित धुवारे जलपान गृह पहुंची। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि घटना के बाद ही संचालक मंगलेश द्वारा होटल बंद कर दिया गया था। इसके बाद वार्ड क्रमांक 32, मोती नगर स्थित गुरुकृपा होटल का निरीक्षण किया गया। यहां साफ-सफाई एवं स्वच्छता संबंधी कई कमियां मिलने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की धारा 32 के तहत नोटिस जारी किया गया। शिव मंदिर चौक, नर्मदा नगर स्थित लिल्हारे जलपान गृह के निरीक्षण में बिना खाद्य पंजीयन के खाद्य कारोबार संचालित किया जाना पाया गया। साथ ही परिसर में स्वच्छता संबंधी गंभीर कमियां भी मिलीं। इस पर बिना खाद्य पंजीयन एवं अस्वच्छता का प्रकरण तैयार किया गया। इसी क्रम में मेन रोड, सरस्वती नगर स्थित शक्ति नमकीन उद्योग एवं चाय-नाश्ता दुकान का निरीक्षण किया गया। यहां भी बिना खाद्य पंजीयन के खाद्य कारोबार संचालित किया जाना, खुले में खाद्य सामग्री का विक्रय तथा परिसर में गंदगी पाए जाने पर बिना खाद्य पंजीयन एवं अस्वच्छता का प्रकरण तैयार किया गया। खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने बताया कि सभी प्रकरण शीघ्र ही न्यायालय में प्रस्तुत किए जाएंगे तथा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों के तहत संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने सभी खाद्य कारोबारियों को खाद्य पंजीयन अनिवार्य रूप से कराने, स्वच्छता मानकों का पालन करने तथा उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

वेटनरी कॉलेज का 79वां स्थापना दिवस

स्थापना दिवस समारोह में स्वर्ण पदक विजेताओं का सम्मान

जबलपुर। नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के अंतर्गत पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय में बुधवार को 79वां स्थापना दिवस एवं जेवीसी एलुमनाई मिलन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में महाविद्यालय की 79 वर्षों की शैक्षणिक, अनुसंधान एवं विस्तार सेवाओं की उपलब्धियों को याद करते हुए पूर्व विद्यार्थियों और वर्तमान छात्र-छात्राओं के बीच संवाद एवं अनुभव साझा किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री एवं पाटन विधायक डॉ. अजय विश्नोई रहे, जबकि कैंट विधायक अशोक रोहाणी, विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति डॉ. गोविंद प्रसाद मिश्रा तथा कुलपति प्रो. (डॉ.) मनदीप शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन अधिष्ठाता डॉ. राखी वैश्य के नेतृत्व में हुआ।

मुख्य अतिथि डॉ. अजय विश्नोई ने पूर्व विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए पशुपालन और समाज के विकास में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। कुलपति प्रो. (डॉ.) मनदीप शर्मा ने संस्थान की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों को नानाजी देशमुख के आदर्शों से प्रेरणा लेने और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का संदेश दिया। विधायक अशोक रोहाणी ने दृढ़ इच्छाशक्ति को सफलता की कुंजी बताया, जबकि संस्थापक कुलपति डॉ. जी.पी. मिश्रा ने महाविद्यालय की उपलब्धियों का श्रेय पूर्व शिक्षकों की मेहनत को दिया। इस दौरान जेवीसी एलुमनाई एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. ओ.पी. श्रीवास्तव ने संगठन की गतिविधियों की जानकारी दी और डॉ. राखी वैश्य ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

इशिता बैस ने जीते 14 स्वर्ण पदक

समारोह में विभिन्न शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए विद्यार्थियों को स्वर्ण पदकों से सम्मानित किया गया। बी.वी.एससी. एंड ए.एच. (2020-25 बैच) की छात्रा इशिता बैस ने कॉलेज टॉपर सहित विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 14 स्वर्ण पदक अपने नाम किए। जान्हवी परिहार, आचला सिंह, यादराम चौधरी, श्रुति पाठक, शिवम तिवारी, श्रेया पाण्डेय, प्रमोद कुमार अहिरवार, वंदना गुप्ता एवं मृणालिनी गजानन वैराले सहित अन्य प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में पूर्व विद्यार्थियों ने संस्थान के विकास में सहयोग का भरोसा जताया तथा डॉ. राखी वैश्य ने सभी अतिथियों, एलुमनाई और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

मानव मिलन संस्था ने वर्षा ऋतु पर विद्यार्थियों को छतरियों का वितरण किया

जबलपुर। संस्कारधानी में भगवान महावीर स्वामी की असीम कृपा और राष्ट्रसंत नेपाल केसरी पूज्य मणिभद्र मुनि की प्रेरणा से अंतर्राष्ट्रीय मानव मिलन संस्था ने मानव सेवा का प्रेरणादायी अभियान चलाते हुए दिव्यांग सेवा भारती एवं शासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों को वर्षा ऋतु के मद्देनजर छतरियों का वितरण किया। अंतर्राष्ट्रीय मानव मिलन संस्था ने जरूरतमंद बच्चों को कॉपी-पुस्तकें देकर उनकी शिक्षा में सहयोग किया, संस्था के अध्यक्ष मयूर संघवी ने बताया कि आईसीयू में भर्ती 13 वर्षीय बालिका के उपचार के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करने के साथ आवश्यक दवाइयों की भी व्यवस्था कर संवेदनशीलता का परिचय दिया, संस्था के अध्यक्ष मयूर संघवी के नेतृत्व में यह पीड़ित मानवता की सेवा के लिए समर्पित कार्य हमेशा ही हमारी संस्था करती रहती है। अध्यक्ष मयूर संघवी ने कहा कि हमारी संस्था ने भविष्य में भी शिक्षा, स्वास्थ्य और मानव सेवा के ऐसे जनकल्याणकारी कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प दोहराया है। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष मयूर संघवी, कोषाध्यक्ष सुभाष डागा, तपसी लाल, गोपाल हुंका, हेमंत, तपस्वी लाल बाघमार, सचिन प्रजापति, गुलनाज बी, मनीषा रजक, सचिन प्रजापति, द्विवेदी मैडम, पवार सर, सुचित्रा त्रिवेदी, मनीषा रजक एवं पवार जी का विशेष सहयोग रहा ।

इमाम हुसैन की तालीम इंसानियत और ख़िदमत का पैग़ामः मतीन अंसारी

जबलपुर। मदनी मिल्लत समिति के तत्वावधान में वरिष्ठ समाजसेवी मतीन अंसारी की सरपरस्ती में मंगलवार को चार खंबा क्षेत्र में बाद नमाज़-ए-मग़रिब विशाल लंगर-ए-आम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कुरआनख़्वानी और फ़ातिहा से हुई, जिसके बाद बड़ी संख्या में अकीदतमंदों एवं आम लोगों ने लंगर ग्रहण किया।इस अवसर पर समिति ने मीडिया प्रतिनिधि अरशद अली कादरी का सम्मान किया। मतीन अंसारी ने कहा कि हज़रत इमाम हुसैन की तालीम इंसानियत, समाज सेवा, ज़रूरतमंदों की मदद, लंगर और प्यासों को पानी पिलाने का पैग़ाम देती है। उन्होंने समाज में भाईचारा और सेवा भावना को बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मदनी मिल्लत समिति के अध्यक्ष आसिफ इकबाल, कुतुबुद्दीन, मोहम्मद शोएब, गुड्डू बाबा, अफरोज, सादिक भाई, परवेज़ अख्तर, मोइन अख्तर, अजहर बाबा सहित समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे। अंत में आयोजन को सफल बनाने वाले सभी सहयोगियों, अकीदतमंदों और क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया गया।

क्या मौसम आया है' कार्यक्रम में सुमधुर गीतों ने बांधा समां

जबलपुर। अंतस साहित्यिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था के तत्वावधान में "क्या मौसम आया है" शीर्षक से सुहावने एवं सदाबहार गीतों का संगीतमय कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्था के संस्थापक डॉ. अनिल कुमार कोरी ने गायक कलाकारों एवं वरिष्ठजनों का सम्मान किया। कार्यक्रम का संयोजन राजेश तिवारी, मार्गदर्शन राजेश पाठक प्रवीण, संरक्षक सरोज संतोषी तथा समन्वयन संदीप बनोधा ने किया।

कार्यक्रम में कमलकांत उपाध्याय, पी.डी. दीक्षित, इंजी. अरुण भटनागर, राजा बेंज, आर.एस. चंदेल, सौरभ संतोषी, सलिल तिवारी, चंद्रशेखर गावंडे, मनीष श्रीवास्तव, डॉ. अनामिका श्रीवास्तव, अर्चना गोस्वामी, माया पांडे, डॉ. आज्ञा मिश्रा, रचना श्रीवास्तव, आयशा खान, रंजना गुप्ता, खुशबू पैगवार एवं निशा पैगवार ने सुमधुर गीतों की प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोह लिया। इस दौरान ₹क्या मौसम आया है₹, ₹एक सवाल मैं करूं₹, ₹ऊंची-ऊंची दुनिया की दीवारें तोड़कर₹, ₹जाने कैसे कब कहां इकरार₹, ₹लाख तारे आसमान पर₹, ₹जादूगर तेरे नैना₹, ₹अफसाना लिख रही हूं₹, ₹तेरे प्यार का आसरा चाहता हूं₹, ₹छुपा लो यूं दिल में प्यार मेरा₹, ₹ओ सजना बरखा बहार आई₹ तथा ₹छाप तिलक सब छीनी₹ जैसे लोकप्रिय गीत प्रस्तुत किए गए।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. मंजू गौरे ने तथा आभार विनीता पैगवार विधि ने व्यक्त किया। इस अवसर पर जादूगर एसके निगम, डॉ. एके शर्मा, बीना शर्मा, डॉ. शशि लडिया, मीना भट्ट, पुरुषोत्तम भट्ट, संतोष नेमा, राकेश पैगवार, एड. विजय पांडे, रश्मि पाठक, चंद्रवती पैगवार, इंजी. हर्ष श्रीवास्तव, रजनी श्रीवास्तव एवं गोविंद डागोर सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

साहू महिला मंडल ने मैहर तीर्थ यात्रियों का किया आत्मीय स्वागत

जबलपुर। छिंदवाड़ा सांसद विवेक साहू बंटी भैया के नेतृत्व में छिंदवाड़ा से मैहर शारदा देवी मंदिर दर्शन हेत 251 सदस्यीय जत्था के साथ पाटन बाईपास जबलपुर आगमन पर अभा तैलिक साहू महासभा की राष्ट्रीय एवं प्रदेश अध्यक्ष भाजपा नेत्री आभा साहू के नेतृत्व में साहू महिला मंडल द्वारा पुष्प वर्षा कर तीर्थ यात्रियों का स्वागत किया गया, साथ पैदल जत्थे के साथ साहू महिला मंडल की सदस्यों ने छह किलोमीटर पदयात्रा कर दल का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर रानी साहू, एकता साहू, रेखा साहू, सीमा साहू, शशि साहू, पूजा साहू सहित अन्य सभी महिलाओं ने बरसते पानी में विवेक बंटी साहू सांसद एवं तीर्थ यात्रियों का भावभीना स्वागत किया।

वृद्ध को लूटने वाले गिरफ्तार पुलिस ने निकाला जुलूस

जबलपुर। माढ़ोताल थाना अतंर्गत मां रेवा कालोनी मोड़ के पास रात लगभग 9 बजे वृद्ध को लूटने वाले बाईक सवार तीन अज्ञात बदमाशों को सीसीटीव्ही फुटेज के आधार पर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से लूट का मोबाइल और रकम बरामद कर लिए। माढ़ोताल थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह पवार ने बताया कि करमेता निवासी 66 वर्षीय सिंचाई विभाग रिटायर्ड मुन्नालाल पटेल गत रात 9 बजे सब्जी, फल लेकर मां रेवा कालोनी मोड़ के पास पहुंचे, तभी मोटर सायकल में तीन अज्ञात लड़के आये जिनमें से दो लड़कों ने उसे पकड़कर उसके फुल पेंट की जेब से एक सेमसंग कम्पनी का मोबाइल, एक छोटी डायरी जिसमें उसका पहचान पत्र व नगदी रकम 1 हजार 150 रूपये छीनकर तीनों मोटर सायकल से चुंगी नाका तरफ भाग गये। इसके बाद पुलिस ने सीसीटीव्ही फुटेज के आधार पर संदेही राजीव गांधी नगर निवासी 24 वर्षीय राहुल चौधरी, 22 वर्षीय अभिषेक चौधरी और 20 वर्षीय सुमित उर्फ अनू चौधरी को गिरफ्तार किया। तीनों थाने की निगरानीशुदा गुंडा लिस्ट में शामिल हैं।

'Safe Click 2.0' अभियान के तहत विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा का दिया संदेश

जबलपुर। मध्यप्रदेश पुलिस के प्रदेशव्यापी "Safe Click 2.0" अभियान के अंतर्गत जीआरपी थाना जबलपुर की टीम ने पंडित लज्जा शंकर झा मॉडल हाई स्कूल एवं शासकीय हाई स्कूल इमलिया परियत में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को फर्जी लिंक, ओटीपी फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट, सोशल मीडिया ठगी, ऑनलाइन गेमिंग फ्रॉड, फर्जी जॉब ऑफर, यूपीआई एवं बैंकिंग धोखाधड़ी सहित विभिन्न साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताए गए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को अज्ञात लिंक पर क्लिक न करने, व्यक्तिगत एवं बैंकिंग जानकारी साझा न करने तथा संदिग्ध कॉल या संदेशों से सतर्क रहने की सलाह दी गई। साथ ही साइबर अपराध होने पर राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर सूचना देने और www.cybercrime.gov.in पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी भी दी गई। अंत में सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को साइबर सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर थाना प्रभारी संजीवनी राजपूत, एएसआई गोपाल सिंह राजपूत, प्र.आर. सागर उपाध्याय, आर. परशुराम यादव, म.आर. लेख कुमारी सहित पुलिस टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

वीएफजे प्रबंधन द्वारा बिना एनओसी के ठेकेदार सुदर्शन वार्ड में बना रहा सड़क

जबलपुर। कैंट विधानसभा के अंतर्गत महर्षि सुदर्शन वार्ड में विकास कार्यों में हो रही अनियमितताओं के खिलाफ शहर जिला आदिवासी कांग्रेस एवं पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी द्वारा बताया गया कि विगत दिनों एक रोड भाजपा पार्षद द्वारा बनवाये जाने की घोषणा न्यूज चैनल के माध्यम से जो व्हीकल फैक्टरी की जमीन है, पर की गई थी, पार्षद द्वारा कहा गया था कि फैक्टरी प्रशासन से बात कर रोड निर्माण कराया जाएगा, लेकिन जानकारी प्राप्त हुई कि उस रोड का टेंडर हो गया है एवं निर्माण सामग्री भी आ गई है, लेकिन वीएफजे प्रबंध के द्वारा एनओसी नहीं मिलने के कारण सामग्री को वीएफजे प्रबंधन द्वारा जब्त कर लिया गया है जिससे नगर निगम की कार्यप्रणाली एवं खुलेआम भ्रष्टाचार उजागर हुआ है। जब वीएफजे प्रबंध ने एनओसी जारी नहीं की तो नगर निगम का टेंडर कैसे पास हो गया? इस संबंध में नगर निगम कमिश्नर को ज्ञापन देकर निष्पक्ष जांच करके दोषियों पर सख्त कार्यवाही की मांग की गई। ज्ञापन सौंपते समय धीरेन्द्र संजू ठाकुर, सोनू गुप्ता, रांझी खमरिया ब्लॉक कांग्रेस महासचिव गोविंद चौधरी आदि उपस्थित रहे।

साइबर सुरक्षा जागरूकता से ही सुरक्षित डिजिटल समाज का निर्माण संभवः डीएसपी उमा कान्ती आर्मो

जबलपुर। राज्य साइबर पुलिस जबलपुर एवं स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल स्वशासी अग्रणी महाविद्यालय में साइबर सिक्यूरिटी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता डीएसपी उमा कान्ती आर्मो ने विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों को ऑनलाइन धोखाधड़ी, फिशिंग, डिजिटल भुगतान सुरक्षा, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा साइबर अपराधों से बचाव के उपायों की जानकारी देते हुए कहा कि साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक नागरिक ही सुरक्षित डिजिटल समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम संयोजक प्रो. अरुण शुक्ल ने कहा कि डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता समय की आवश्यकता है। वहीं राज शर्मा, रामनरेश त्रिपाठी एवं मोहित पांडे ने मजबूत पासवर्ड, दो-स्तरीय प्रमाणीकरण, संदिग्ध लिंक से सतर्क रहने तथा व्यक्तिगत व बैंकिंग जानकारी साझा न करने की सलाह दी। संवादात्मक सत्र में विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर दिए गए तथा साइबर अपराध की शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया, हेल्पलाइन और पोर्टल की जानकारी भी साझा की गई।

कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी, डॉ. ए.सी. तिवारी, डॉ. राजीव मिश्रा, डॉ. राजेश शामकुंवर, डॉ. मलय वर्मा, डॉ. विभा चौधरी, डॉ. अजय कुमार ठाकुर, डॉ. साक्षी मरावी, डॉ. आनंद तिवारी एवं डॉ. मीनाक्षी मेरावी सहित बड़ी संख्या में प्राध्यापक, कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आधुनिक लेंस तकनीक से मोतियाबिंद ऑपरेशन के बाद चश्मे की जरूरत होगी कम

जबलपुर। दादा वीरेंद्रपुरी नेत्र संस्थान (देवजी नेत्रालय) में आयोजित सीएमई (CME) में फ्रांस से आईं इंट्रा ऑक्युलर लेंस अनुसंधानकर्ता मिस सबरीना डुकेसनोय ने बताया कि नेत्र विज्ञान में हुए नवीन अनुसंधानों से मोतियाबिंद ऑपरेशन की तकनीक में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि आर्टिस-सिम्बायोस जैसी आधुनिक लेंस तकनीक से दूर, मध्यम और पास की दृष्टि बेहतर होती है, जिससे ऑपरेशन के बाद चश्मे पर निर्भरता काफी कम हो सकती है।डॉ. पवन स्थापक ने बताया कि नवीनतम अनुसंधानों के अनुसार इन लेंसों के प्रत्यारोपण से मस्तिष्क में न्यूरो-अडॉप्टेशन की प्रक्रिया सक्रिय होती है, जिससे मरीज को बेहतर दृष्टि प्राप्त होती है। मिस सबरीना डुकेसनोय ने पिछले एक वर्ष से देवजी नेत्रालय में इस तकनीक से मिले परिणामों का अवलोकन कर संतोष व्यक्त किया। इस अध्ययन के लिए क्रिस्टा लेंस मेडिकल डिवाइस, फ्रांस ने देवजी नेत्रालय के साथ अनुबंध किया है। इस अवसर पर डॉ. आयुष टंडन, डॉ. अर्पिता स्थापक, डॉ. अपूर्वा स्थापक, डॉ. इंदु पांडे, डॉ. श्रुति चौधरी, डॉ. सुरभि दुबे, डॉ. मोहिनी पटेल, डॉ. प्रांजल जैन, डॉ. कविता साहू एवं डॉ. रागिनी ठाकुर सहित अनेक विशेषज्ञ चिकित्सक उपस्थित रहे।

नाम परिवर्तन सूचना

सूचित हो कि मैने अपना नाम मोहम्मद शाहिद हुसैन अंसारी पिता ताहिर हुसैन अंसारी को परिवर्तन कर शाहिद हुसैन अंसारी पिता ताहिर हुसैन अंसारी कर लिया है अब मुझे मेरे नये नाम से जाना पहचाना व पढ़ा जाये।

पुराना नाम-मोहम्मद शाहिद हुसैन अंसारी पिता ताहिर हुसैन अंसारी
MOHAMMED SHAHID HUSSAIN ANSARI S/O TAHIR HUSSAIN ANSARI
नया नाम- शाहिद हुसैन अंसारी पिता ताहिर हुसैन अंसारी
SHAHID HUSSAIN ANSARI S/O TAHIR HUSSAIN ANSARI
पता- म.नं. 621, राम नगर कालोनी अधारताल, जबलपुर (म.प्र.) 482004 मो. 9993838753

भारतीय ज्ञान प्रणाली से पर्यावरण संरक्षण के उपायों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न

जबलपुर। श्री राम कॉलेज द्वारा शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास (पर्यावरण शिक्षा) एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में "पर्यावरण संरक्षण में भारतीय ज्ञान प्रणाली की भूमिका" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. अतुल कोठारी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण जैसी वैश्विक चुनौतियों का समाधान भारतीय ज्ञान परंपरा में निहित है। अध्यक्षता रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. राजेश कुमार वर्मा ने की। इस अवसर पर ओमप्रकाश शर्मा, डॉ. संजय स्वामी, डॉ. राजेंद्र कुरारिया, डॉ. अजय तिवारी, डॉ. अशोक खंडेलवाल, डॉ. अल्केश चतुर्वेदी, डॉ. सुरेंद्र सिंह एवं आर.के. करसोलिया सहित अनेक शिक्षाविद उपस्थित

रहे।संगोष्ठी में पाँच तकनीकी सत्रों के दौरान प्रो. एस.एस. संधू, डॉ. विजय एल. घुगे, प्रो. प्रदीप उप्पल, डॉ. विमलकांत सैनी, प्रो. सुनीता शर्मा, डॉ. सविता तिवारी, प्रो. महेंद्र जैन, डॉ. प्रशांत पुराणिक, प्रो. रामबाबू तिवारी एवं प्रो. के.एन. शुक्ला सहित देशभर के विशेषज्ञों ने पर्यावरण संरक्षण, भारतीय ज्ञान प्रणाली, जैव विविधता, पंचमहाभूत, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और सतत विकास पर विचार रखे। संगोष्ठी में 80 से अधिक शोध-पत्र प्रस्तुत किए गए तथा पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ। समापन अवसर पर डॉ. योगेश मोहन दुबे ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह संगोष्ठी पर्यावरणीय चेतना और भारतीय ज्ञान प्रणाली के व्यावहारिक अनुप्रयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण साबित होगी।

CHANGE OF DATE OF BIRTH

I, ARMY NO. 14871133X RANK SEP/MT NAME KOMAL SINGH S/O MANJIT SINGH OF UNIT 54 COY ASC (SUP), TYPE 'D' JABALPUR (MP) AADHAR CARD NO. 947693996547 I, have changed date of birth of my FATHER (MANJIT SINGH) from 20/05/1966 (date of birth as per my Army service records) to 30/01/1975 (date of birth as per my FATHER, AADHAR CARD NO. 909441026186) vide affidavit dated 13/05/2026 formerly before public Notary, JABALPUR (MP)
CORRECT DATE OF BIRTH 30/01/1975
INCORRECT DATE OF BIRTH 20/05/1966

CHANGE OF DATE OF BIRTH

I, ARMY NO. 14871133X RANK SEP/MT NAME KOMAL SINGH S/O MANJIT SINGH OF UNIT 54 COY ASC (SUP), TYPE 'D' JABALPUR (MP) AADHAR CARD NO. 947693996547 I, have changed date of birth of my MOTHER (RAJINDER KAUR) from 20/05/1968 (date of birth as per my Army service records) to 01/01/1976 (date of birth as per my MOTHER, AADHAR CARD NO. 983491280426) vide affidavit dated 13/05/2026 formerly before public Notary, JABALPUR (MP)
CORRECT DATE OF BIRTH 01/01/1976
INCORRECT DATE OF BIRTH 20/05/1968

गोविंदपुरा में कल से लगेगा मशीनों का महाकुंभ

चार दिवसीय इंजी.एक्सपो में दिखेगी नई तकनीक और ऑटोमेशन की झलक

एक्सपो का उद्घाटन बीएचईएल भोपाल के ईडी प्रदीप उपाध्याय करेंगे

दूसरे दिन मध्यप्रदेश शासन के मुख्य सचिव अनुराग जैन एक्सपो में शामिल होंगे

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

राजधानी के गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया स्थित एमएसएमई एग्जिबिशन सेंटर में चार दिवसीय इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग एक्सपो 2026 का आयोजन 10 जुलाई से किया जाएगा। गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एसोसिएशन (जीआईए) द्वारा आयोजित इस एक्सपो में देशभर की औद्योगिक कंपनियां हिस्सा लेंगी और आधुनिक मशीनों व नई तकनीकों का प्रदर्शन किया जाएगा।

एक्सपो का उद्घाटन बीएचईएल भोपाल के ईडी प्रदीप उपाध्याय के करकमलों से होगा। वहीं, दूसरे दिन मध्यप्रदेश शासन के मुख्य सचिव अनुराग जैन कार्यक्रम में शामिल होंगे। एक्सपो का समापन सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री की अध्यक्षता में किया जाएगा। यह जानकारी गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय गौर ने दी। इस अवसर पर एसोसिएशन के पदाधिकारी अंकुर गुप्ता, मदन लाल गुर्जर, ब्रजपाल सिंह सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

अब तक किए जा चुके हैं 113 स्टॉल बुक

10 जुलाई से शुरू हो रहे इजीनियरिंग एक्सपो की जानकारी देते जीआईए के अध्यक्ष और पदाधिकारी

विजय गौर ने कहा कि बदलते औद्योगिक दौर में उद्यमियों को नई तकनीकों को अपनाने और अपनी कार्यप्रणाली को आधुनिक बनाने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि एक्सपो में मध्यप्रदेश के अलावा गुजरात, पंजाब और महाराष्ट्र की औद्योगिक इकाइयां भी भाग लेंगी। जापान से आने वाले विशेषज्ञ आधुनिक मशीनों और तकनीकों की जानकारी देंगे। वहीं फ्यूचर कम्युनिकेशन इवेंट एंड एग्जीबिशन प्राइवेट लिमिटेड के संचालक लक्ष्मण दुबे ने बताया कि इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग एक्सपो 2026 में मध्यभारत के प्रमुख औद्योगिक आयोजन शामिल होंगे। इसमें उद्योगपति, सरकार, एमएसएमई इकाइयां, तकनीकी विशेषज्ञ, स्टार्टअप, निवेशक और औद्योगिक संस्थानों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में शामिल होंगे।

करीब 12 से 15 अत्याधुनिक मशीनों का लाइव डेमो

विजय गौर ने बताया कि फ्यूचर कम्युनिकेशन इवेंट एंड एग्जीबिशन के सहयोग से आयोजित इस चार दिवसीय एक्सपो में अब तक 113 स्टॉल बुक किए जा चुके हैं। प्रदर्शनी में रोबोटिक्स तकनीक और फुली ऑटोमैटिक आधुनिक मशीनों का लाइव डेमो मुख्य आकर्षण रहेगा। करीब 12 से 15 अत्याधुनिक मशीनों का प्रदर्शन किया जाएगा।

एक्सपो का प्रमुख आकर्षण जापान से आने वाला औद्योगिक प्रतिनिधिमंडल होगा। जापानी विशेषज्ञ एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग, इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन, स्मार्ट फैक्ट्री सॉल्यूशंस, रोबोटिक्स और प्रिसीजन इंजीनियरिंग जैसे विषयों पर अपने अनुभव साझा करेंगे। साथ ही भारतीय उद्योगों के साथ तकनीकी सहयोग की संभावनाओं पर भी चर्चा होगी।

विशेषज्ञों ने बताए पुदीने के आयुर्वेदिक लाभ

डाबर ने भोपाल में शुरू किया 'पुदीना द वंडर हर्ब' अभियान, औषधीय गुणों के बारे में दी जानकारी

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों के लाभों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से डाबर इंडिया लिमिटेड ने भोपाल में 'पुदीना द वंडर हर्ब' अभियान की शुरुआत की। इस स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के माध्यम से लोगों को पुदीने के प्राकृतिक और औषधीय गुणों के बारे में जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में पीटीकेएलएस गवर्नमेंट आयुर्वेदिक कॉलेज, भोपाल की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. शुचि दुबे ने पुदीने की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पुदीना एंटीऑक्सिडेंट्स और फाइटोन्यूट्रिएंट्स से भरपूर होता है, जो विशेष रूप से गर्मी के मौसम में शरीर के लिए लाभकारी हो सकता है। उन्होंने कहा कि बढ़ते तापमान और लू के प्रभाव के कारण गर्मियों में पेट संबंधी समस्याएं बढ़ जाती हैं।

कंपनी का उद्देश्य इस अभियान के माध्यम से लोगों को प्राकृतिक स्वास्थ्य देखभाल और आयुर्वेदिक समाधानों के प्रति जागरुक करना है

व्यास आनंद और डॉ. शुचि दुबे

आवश्यकता है स्वास्थ्य समाधान की

डाबर इंडिया लिमिटेड के हेड-सीएसआर एवं कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन व्यास आनंद ने कहा कि बदलती जीवनशैली और व्यस्त दिनचर्या के कारण लोगों को प्रभावी और प्राकृतिक स्वास्थ्य समाधान की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि डाबर पारंपरिक आयुर्वेद को आधुनिक जरूरतों के अनुरूप लोगों तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि पुदीन हरा गैस, बदहजमी और एसिडिटी जैसी पेट संबंधी समस्याओं में राहत देने वाला आयुर्वेदिक समाधान है। डॉ. शुचि दुबे ने बताया कि आयुर्वेद में पुदीने का उपयोग लंबे समय से होता आया है। उन्होंने कहा कि पुदीना लगभग 3,000 वर्षों पुरानी औषधीय परंपरा से जुड़ा है । उन्होंने बताया कि बाजार में उपलब्ध कई एंटासिड में एल्यूमीनियम और मैग्नीशियम हाइड्रोक्साइड जैसे रसायन पाए जाते हैं, जबकि डाबर पुदीन हरा आयुर्वेदिक आधार पर तैयार उत्पाद है।

अभियान का दूसरा चरण

कोटक महिंद्रा बैंक का ब्रांड अभियान 'हौसला 2.0' शुरू

एजेंसी ▶▶ मुंबई

कोटक महिंद्रा बैंक ने अपने ब्रांड अभियान 'हौसला 2.0' की शुरुआत की है। यह 2025 में शुरू हुए 'हौसला है तो हो जाएगा' अभियान का दूसरा चरण है। अभियान का उद्देश्य लोगों को बड़े सपने देखने के साथ-साथ उन्हें पूरा करने के लिए पहला कदम उठाने का हौसला देना है। बैंक का कहना है कि आज का भारत बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने की महत्वाकांक्षा रखने वाला देश बन चुका है। ऐसे में केवल सपने देखना ही नहीं, बल्कि उन्हें पूरा करने के लिए साहस और दृढ़ विश्वास भी जरूरी है। इसी सोच के साथ हौसला 2.0 अभियान तैयार किया गया है।

महत्वाकांक्षा की कोई कमी नहीं

कंपनी के प्रेसिडेंट रोहित भसीन ने कहा कि बैंक का उद्देश्य बड़े सपने देखने वाले लोगों और उद्यमियों का साथ देना है। उन्होंने कहा कि भारतीयों के पास बड़े विचार और महत्वाकांक्षाएं हैं, लेकिन कई बार वे पहला कदम उठाने से हिचकिचाते हैं। बैंक चाहता है कि लोग झिझक छोड़कर अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ें। वहीं, कार्टव्हील क्रिएटिव कंसल्टेंसी के सीईओ रामकृष्ण देसिराजू ने कहा कि भारत में सपनों और महत्वाकांक्षा की कोई कमी नहीं है।

करोंद सब्जी मंडी के बाहर अवैध वसूली का आरोप

पुलिस चौकी पर तैनात कर्मियों पर गंभीर सवाल, वाहन चालक और व्यापारी परेशान

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

राजधानी भोपाल की सबसे बड़ी थोक सब्जी मंडियों में शामिल करोंद सब्जी मंडी के मुख्य प्रवेश एवं निकास द्वार के बाहर स्थित पुलिस चौकी एक बार फिर विवादों में आ गई है। मंडी से जुड़े वाहन चालकों, व्यापारियों और कर्मचारियों ने चौकी में पदस्थ पुलिसकर्मियों पर सब्जियों से भरे वाहनों से कथित रूप से अवैध वसूली कराने के गंभीर आरोप लगाए हैं। इन आरोपों के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग तेज हो गई है।

आरोप है कि बिना रकम दिए कई वाहन चालकों को आगे नहीं बढने दिया जाता

मंडी से किसान और व्यापारियों की सब्जियां शहर के विभिन्न बाजारों तक पहुंचाती है

मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की गई

वाहन चेकिंग के दौरान मंडी गेट के सामने लगा जाम

मंडी कर्मचारियों और व्यापारियों का आरोप है कि चौकी में पदस्थ एएसआई सुदर्शन द्विवेदी और पुलिसकर्मी लखन कीर की मौजूदगी में सुरेंद्र और सोनू नामक दो व्यक्तियों के माध्यम से मंडी से निकलने वाले ऑटो, पिकअप और अन्य सब्जी वाहनों से कथित तौर पर वसूली की जा रही है। आरोप है कि बिना रकम दिए कई वाहन चालकों को आगे नहीं बढने दिया जाता, जिससे रोजाना विवाद की स्थिति बनती है। वाहन चालकों का कहना है कि वे किसानों और व्यापारियों की सब्जियां शहर के विभिन्न बाजारों तक पहुंचाते हैं। ऐसे में रास्ते में कथित वसूली के कारण न केवल आर्थिक नुकसान होता है, बल्कि समय पर माल नहीं पहुंच पाने से सब्जियों की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है।

पुलिस अधिकारियों ने कहा-अवैध वसूली का आरोप निराधार

मंडी व्यापारियों का कहना है कि जिला कलेक्टर द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि आवश्यक वस्तुओं, विशेषकर सब्जियों से भरे वाहनों की अनावश्यक धरपकड़ या बाधा नहीं बनाई जाए, ताकि आम जनता तक सब्जियों की आपूर्ति निर्बाध रूप से जारी रह सके। बताया जा रहा है कि रोजाना सैकड़ों वाहन मंडी से निकलते हैं और अधिकांश चालक इस परेशानी का सामना कर रहे हैं। मंडी से जुड़े लोगों ने पुलिस प्रशासन और जिला प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, लगाए गए आरोपों की सत्यता की पड़ताल करने तथा दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। मंडी व्यापारियों और कर्मचारियों एवं वाहन चालकों द्वारा लगाए गए आरोप के संदर्भ में निशातपुरा थाना क्षेत्र पुलिस अधिकारी इन आरोप को एक सिरे से नाकारा। चौकी प्रभारी अनिल कुमार यादव ने कहा कि अवैध वसूली का आरोप निराधार है सब कुछ ऑनलाइन है।

मोटोरोला का नया स्मार्टफोन आया

नई दिल्ली। एआई स्मार्टफोन ब्रांड्स में से एक, मोटोरोला ने नए मोटो जी77 पावर के लॉन्च की घोषणा की है। उन उपभोक्ताओं के लिए डिज़ाइन किया गया है जो अपने रोज़मर्रा के स्मार्टफोन से अधिक की उम्मीद करते हैं, मोटो जी77 पावर एक प्रीमियम डिज़ाइन में प्रोफेशनल-ग्रेड सोनी 600 कैमरा सिस्टम, एक इमर्सिव 120 एचजेड एफएचडी प्लस डिस्प्ले, एक विशाल मल्टी-डे बैटरी और मिलिट्री-ग्रेड ड्यूरेबिलिटी को एक साथ लाता है।

जियो टीवी प्रो पैक लांच, 55 रुपए में 30 दिन तक 1000 प्लस लाइव टीवी चैनल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रिलायंस जियो ने अपने ग्राहकों के लिए नया जियो टीवी प्रो पैक लांच किया है। महज 55 रुपए की कीमत वाले इस प्लान की वैधता 30 दिन होगी। इस पैक के जरिए ग्राहक जियो टीवी एप पर 1000 से अधिक लाइव टीवी चैनलों का आनंद अपने मोबाइल फोन पर ले सकेंगे। कंपनी के अनुसार, इस पैक में 16 से अधिक भाषाओं के चैनल शामिल हैं, जिनमें 150 से अधिक प्रीमियम चैनल भी उपलब्ध होंगे। जियो टीवी प्रो पैक में स्टारप्लस एचडी, कलर्स एचडी, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन एचडी, सोनी सब एचडी, डिस्कवरी,

एनिमल प्लैनेट, सन टीवी नेटवर्क और ईटीवी समेत कई प्रमुख ब्रॉडकास्टर्स के लोकप्रिय चैनल शामिल हैं। हालांकि जियोस्टार और सोनी के स्पोर्ट्स चैनल इस पैक का हिस्सा नहीं होंगे।

M.P. POWER MANAGEMENT CO. LTD.
Executive Engineer (Civil) Dn. I, Rampur, Jabalpur
TENDER INVITATION

1.	Tender No.	2026_MPPMC_519921_1
2.	Tender Specification No.	EE/C/I/1114
3.	Tender Type/Mode of Tender	Double Envelope/e-Tendering
4.	Tender for	Annual Contract for Misc. Civil Maintenance work of Colony and office area at Nayagaon & Water Treatment Plant MPPMCL, Jabalpur.
5.	Bids Submission Last Date & Time	22-July-2026 15:00:00
6.	Tender Opening Date and Time	24-July-2026 15:30:00
7.	Bid Fee (INR)	Rs. 590/- (with GST)
8.	Earnest Money (INR)	Rs. 9,700/-
9.	Eligibility of Contractor-	Registered in MPPMCL in E-1 or above category or having experience as per bid data sheet.
10.	Tender Forms Available at Website	www.mptenders.gov.in
11.	Contact No. for any other details required.	0761-2702833/2702888

Note-The due date of extension or any corrigendum will not be published in newspapers and only uploaded on M.P. Tenders Site.
M.P. Madhyam/126784/2026 EXECUTIVE ENGINEER (CIVIL) DN. I

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

राशिफल

मेष – किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी।

वृष – धैर्यशीलता में कमी भी हो सकती है। संयत रहें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन के रखरखाव एवं वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ सकते हैं।

मिथुन – माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। लाभ में वृद्धि होगी।

कर्क – मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कुछ चिंता परेशान भी हो सकती हैं। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता

सिंह – आत्मविश्वास में कमी रहेगी। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है।

कन्या – आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

तुला – कला एवं संगीत में रुचि रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार होगा। कारोबार में भाग-दौड़ बढ़ेगी, परन्तु स्वास्थ्य के प्रति सचेत भी रहे।

वृश्चिक – संयत रहें। क्रोध से बचें। बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है।

धनु – आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन अशान्त भी रहेगा। आत्मसंयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।

मकर – माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। कारोबार से लाभ में वृद्धि होगी।

कुंभ – आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। फिर भी धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में सन्तुलित भी रहें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है।

मीन – आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत रहें। अपनी भावनाओं को वश में रखें। पिता का साथ मिलेगा। किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है।

बीओआई ने 'एनपीएस संचय' को बताया सुरक्षित भविष्य का आधार

भोपाल। बैंक ऑफ इंडिया, भोपाल अंचल ने नागरिकों को सेवानिवृत्ति के बाद आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली संचय के प्रति जागरूकता अभियान शुरू किया है। बैंक अधिकारियों ने बताया कि असंगठित एवं निजी क्षेत्र में कार्यरत किसान, श्रमिक, महिलाएं, स्वरोजगार से जुड़े लोग, छोटे व्यवसायी और निजी क्षेत्र के कर्मचारी जैसे नागरिकों के लिए पएनपीएस संचय योजना एक सरल, सुरक्षित विकल्प है। बैंक ऑफ इंडिया ने बताया कि 18 से 85 वर्ष तक का कोई भी भारतीय नागरिक 250 से एनपीएस संचय खाता खोल सकता है। वहीं, 10 रुपए से भी स्वैच्छिक अंशदान कर नियमित बचत की शुरुआत की जा सकती है। योजना में निर्धारित नियमों के तहत आंशिक निकासी की सुविधा भी उपलब्ध है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना
सं. एनआईटी/25/जेयूएन/95265528/01
दिनांक 25.06.2026

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे निम्नलिखित वस्तुओं की आपूर्ति के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।
मद क्र.सं. 1, निविदा सूचना सं. 95265528, मद का सक्षिप्त विवरण: मेमू के लिए एयर जनरेशन और ट्रीटमेंट यूनिट। मात्रा: 4 नग अनुमानित निविदा लागत: ₹ 5613930/-, बयाना राशि: ₹ 112280/-
अंतिम तिथि: 24/07/26, अंतिम समय: प्रातः 10.30 बजे
नोटः- उपर्युक्त निविदा, ई-निविदा है और सभी निविदाकर्ताओं से अनुरोध है कि वे अपनी बोलियां IREPS की वेबसाइट https://www.ireps.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन जमा करें। उपर्युक्त निविदाओं और अन्य आपूर्ति निविदाओं के संबंध में अधिक जानकारी के लिए कृपया IREPS की वेबसाइट देखें।
वरि. मंडल सामग्री प्रबंधक/द.पू.म.रेलवे, नागपुर
PAM/14/27
South East Central Railway @secrail

कार्यालय नगरपालिका परिषद जुन्नारदेव जिला छिन्दवाड़ा (म.प्र.)
(तामिया रोड वार्ड क्रमांक-03 जुन्नारदेव पिनकोड-480551)
Phone (07160)231007 ULB CODE-802380 Emailid-cmojunardev@mpurban.gov.in
क्रमांक / 1461/न.पा./ लोनिशा / 2026 जुन्नारदेव दिनांक 07/07/2026
// तृतीय / चतुर्थ ई-निविदा आमंत्रण सूचना //
निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदार से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	2026_UAD _504006_3	वार्ड क्र. 13 में फिश पार्लर प्लेटफार्म निर्माण कार्य (3rd Call)	03 माह 2,92,348/-	2,000/- 3000/-	25.07.2026
2	2026_UAD 495922_4	वार्ड क्र. 13 में स्मार्ट फिश पार्लर निर्माण कार्य (4th Call)	03 माह 4,58,498/-	2,000/- 4600/-	25.07.2026

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी https://mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नही के संशोधन प्रकार का प्रकाशन ऑनलाईन किया जावेगा।
मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगरपालिका परिषद जुन्नारदेव जिला छिन्दवाड़ा

शब्द पहेली - 6281

बाएँ से दाएँ
1.नेमत,वर,ईष्टकृपा -4
3.उद्देश्य,ध्येय-4
8.सयाना,चतुर-4,3
10.मनुष्य-3
11.मोल,दाम-3
13.बैठने का स्थान-3
15.दौड़ना (अंग्रेजी-2)
17.पराजित-2
18.वध,कत्ल-2
19.काव्यकार,शायर-2
21.राशिचक्र की दसवीं राशि-3
25.आक्रमण,प्रहार-3
26.पालतू जानवर-3
27.ईश्वर,भगवान-7
30.ईश्वरीय कृपा-4
31.भयभीत होना, डरना-4

ऊपर से नीचे
2.असुर,दैत्य-3
4.गागर,घड़ा-3
5.मन की करना-4
6.प्रार्थना,ईश वंदना-4
7.चरित्र,ईमान-3
8.कार्यविधि-3
9.रेखा,लाईन-3
12.माला का मोती-3
13.राहत,विश्राम-3
14.कैनाल,उपनदी-3
16.नगद राशि-3
20.रुदन -3
22.पक्षियों का शोर-4
23.मध्यांग, कटि-3
24.12 राशियों का समूह-4
25.महल,बड़ा भवन-3
28.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
29.अदृश्य, जो दिखाई न दे-3

शब्द पहेली- 6280 का हल

स	ज	दा	क	र	ना		म	त	वा	ला
ह	रा		त		का	म	ना		दा	वा
न		बे	र	ह	म		ना	रा		रि
शी	ल	वा	न		या	द		नी	र	स
ल		प		ख	ब	र	ची		न	
ता	र	न	हा	र		का	न	भ	र	ना
	म		र	ह	ब	र		यं		प
प्र	ण	य		रा	हु		ब	क	वा	स
ति		दा	स		बे	क	रा	र		न्द
का	न		चि	रा	ग		म		क	हो
र	म	जा	न		म	द	द	क	र	ना

सूडोकु बवाल - 6291

★★★★☆ कठिन

					1	4		
						5	8	
			7	2				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6						
		9	3					

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु बवाल - 6290 का हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

MANGAL SENACHA, BANGALORE

हेल्थ क्वेस्ट

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

जब कमर में हो अकड़न और दर्द

मेरी उम्र 28 वर्ष है। पिछले कुछ दिनों से मेरी कमर और बैक बोन में अकड़न रहती है और हल्का-हल्का दर्द भी होता रहता है। कृपया मेरी इस प्रॉब्लम का सॉल्यूशन बताएं।

-साकेत, रायपुर

आजकल युवाओं में इस तरह की समस्याएं काफी देखी जाती हैं। इसका कारण लंबी सिटिंग है। अगर आपका प्रोफेशन भी ऐसा है तो जरूर आपको लाइफस्टाइल थोड़ी चेंज करनी पड़ेगी। रेगुलर तौर पर सुबह और शाम कमर की एक्सरसाइज करें। ऑफिस में काम करते वक्त थोड़ी-थोड़ी देर के अंतराल में कुछ चहलकदमी करें। इसके अलावा विटामिन-डी और कैल्शियम की भी जांच कर लें। इसकी कमी भी दर्द की वजह बनती है।

मेरी उम्र 48 वर्ष है। बरसात के मौसम में मैं अकसर बीमार पड़ जाता हूं। गला खराब रहता है, लूज मोशंस और उल्टियों की समस्या बनी रहती है। प्लीज बताएं मुझे क्या करना चाहिए?

-सुशील, भोपाल

आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि आपको पानी से इंफेक्शन हो सकता है, जिससे डाइजेशन सिस्टम गड़बड़ हो जाता है। सबसे पहले आप घर के बाहर जाते समय पीने का पानी साथ लेकर निकलें। गला खराब होने की वजह ठंडा पानी होता है। कई बार लोग गर्मी से आते हैं और तुरंत ठंडा पानी पी लेते हैं। इस मौसम में अचानक ठंडा पानी पीना भी नुकसानदेय हो सकता है। इससे बचना चाहिए।

मेरी उम्र 54 वर्ष है। मैं जब भी सीढ़ियां चढ़ता-उतरता हूं मेरी सांस फूलने लगती है। जबकि प्लेन सरफेस पर चलने-फिरने से ऐसा नहीं होता। कृपया मेरी इस समस्या का समाधान बताएं।

-रमेश, कटनी

सांस फूलने की एक वजह दिल संबंधी परेशानी हो सकती है, लेकिन जांच कराए बिना कुछ भी कहना ठीक नहीं है। हालांकि कई बार फेफड़े संबंधित रोग से भी ऐसा होता है। इसलिए बेहतर होगा कि आप एक बार डॉक्टर से संपर्क करें। वह कुछ जांच कराएंगे, जिससे इसकी वजह पता चलेगी और उसका इलाज हो सकेगा। फिलहाल आप जल्दी डॉक्टर से संपर्क करें।

मेरी उम्र 62वर्ष है। एक साल पहले मैंने प्रोस्टेट का ऑपरेशन करवाया था। पिछले कुछ हफ्तों से यूरिनेशन में प्रॉब्लम हो रही है। कृपया बताएं कि अब मुझे क्या करना चाहिए?

-जगताप, रोहतक

जितनी जल्दी हो आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। जांच करने के बाद ही पता चलेगा कि इसकी वजह क्या है? इस बात का ध्यान रखें कि बगैर जांच कराए आप कोई भी दवा ना लें। ऐसा करना नुकसानदायक हो सकता है।

मेरी उम्र 33 वर्ष है। मेरी आंखों के नीचे डार्क सर्कल्स हो गए हैं। और स्किन भी सूजी हुई है। कई तरह की होम-रेमिडीज ट्राई करने पर भी कोई असर नहीं हुआ। कृपया इस समस्या का कोई इफेक्टिव सॉल्यूशन बताएं।

-सोहम, बिलासपुर

आंखों के नीचे डार्क सर्कल कई बार शरीर में खून की कमी से भी हो सकते हैं। दूसरी बात आप बता रहे हैं कि स्किन में स्वेलिंग भी है तो यह लक्षण शुगर बढ़ने की वजह से भी होता है। ऐसे में बगैर जांच कराए कुछ भी नहीं कहा जा सकता है। इसलिए बेहतर होगा कि आप एक बार डॉक्टर से संपर्क करके जांच करा लें, जिससे परेशानी का कारण पता चलेगा और प्रॉपर उपचार किया जा सकेगा। फिलहाल आप मीठा खाना बिल्कुल बंद कर दें।

मेरी उम्र 38 वर्ष है। मुझे लंबे समय से साइनस की प्रॉब्लम है। काफी दवाइयां लेने और घरेलू उपचारों के बाद भी यह ठीक नहीं हुआ। कृपया बताएं, क्या करूं कि यह प्रॉब्लम ठीक हो जाए।

-नीरज, हिसार

आपको ईएनटी विशेषज्ञ से मिलना चाहिए, वे जांच कर बताएंगे कि इसकी वजह क्या है? कई बार नाक की हड्डी बढ़ने से भी ऐसी समस्या आती है और उसे ठीक किया जा सकता है, लेकिन बगैर जांच किए कुछ भी नहीं कहा जा सकता है, इसलिए डॉक्टर से संपर्क करें। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

डॉक्टर्स सजेशन

डॉ. बी. ए. चौरसिया
कंसल्टेंट-इंटरनल मेडिसिन
कोकिलाबेन अंबानी हॉस्पिटल, मुंबई

मानसून के दौरान पाचन तंत्र से संबंधित समस्याएं अन्य ऋतुओं की तुलना में कहीं ज्यादा बढ़ जाती हैं। समस्या की गंभीरता का अंदाजा इस तथ्य से लगा सकते हैं कि प्रतिवर्ष देश में लगभग तीन लाख बच्चों की मौतें डायरिया के कारण होती हैं, जिनमें सबसे ज्यादा मामले मानसून के दौरान दर्ज होते हैं। बारिश के मौसम में किस तरह की समस्याएं हो सकती हैं, इनसे बचने के लिए क्या सावधानियां बरतें, यहां एक्सपर्ट डॉक्टर डिटेल में बता रहे हैं।

बारिश के मौसम में बढ़ जाता है पाचन संबंधी संक्रमण का रिस्क

अधिकतर हेल्थ एक्सपर्ट्स अब इस तथ्य पर एकमत हैं कि अच्छे स्वास्थ्य की बुनियाद सशक्त पाचन तंत्र पर आधारित है, लेकिन यही तंत्र लापरवाही बरतने पर बारिश के मौसम में तेजी से बिगड़ जाता है। ऐसे में इस मौसम में एक्स्ट्रा केयर और प्रिकॉशन बरतने की जरूरत होती है।

इसलिए बढ़ती हैं समस्याएं

मानसून में अत्यधिक उमस भरे वातावरण के कारण व्यक्ति की पाचन क्रिया धीमी हो जाती है। बारिश होने पर वातावरण में नमी व्याप्त हो जाती है और बारिश थमने पर धूप निकलने के बाद मौसम अत्यधिक उमस भरा, चिपचिपा हो जाता है। यह स्थिति शरीर की पाचन क्रिया को धीमा करती है। पाचन क्रिया के धीमा पड़ने से अपच (बदहजमी), गैस, एसिडिटी, पेट में दर्द, मरोड़ व ऐंठन आदि गैस्ट्रो इंटेस्टाइनल (पेट और आंतों से संबंधित) समस्याएं होने का खतरा बढ़ जाता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार बारिश के मौसम में नमी और उमस के अलावा गंदगी के बढ़ने के कारण जीवाणु तेजी से पनपते हैं। ये जीवाणु व्यक्ति को विभिन्न बीमारियों का शिकार बनाते हैं। अशुद्ध पेयजल और दूषित खाद्य पदार्थ ग्रहण करने से होने वाली इन जीवाणुजनित बीमारियों में प्रमुख तौर पर गैस्ट्रोएंटेराइटिस, डायरिया, पेचिश, पेट और आंतों में संक्रमण, फूड प्वॉइजनिंग और हैजा शामिल हैं। इसके अलावा मानसून में हेपेटाइटिस ए और हेपिटाइटिस ई के मामले भी बढ़ जाते हैं, लेकिन हेपेटाइटिस वायरस जनित रोग है।

गैस्ट्रोएंटेराइटिसः पेट और आंतों में संक्रमण की स्थिति को गैस्ट्रोएंटेराइटिस कहते हैं। इस समस्या में पेट में मरोड़, ऐंठन, दर्द, उल्टी, दस्त और बुखार के लक्षण प्रकट होते हैं। कुछ लोगों में सिर दर्द की समस्या भी होती है।

डायरियाः इसमें भी गैस्ट्रोएंटेराइटिस सरीखे लक्षण प्रकट होते हैं, लेकिन दस्त अनेक बार और जल्दी-जल्दी होते हैं। देश में 5 वर्ष तक के बच्चों में डायरिया के मामले बहुत ज्यादा होते हैं, जो मानसून में तेजी से बढ़ते हैं।

पेचिश (डिसेंट्री): जब दस्त के साथ खून भी आने लगे तो उस स्थिति को पेचिश या डिसेंट्री कहते हैं। इस मर्ज के अन्य लक्षण गैस्ट्रोएंटेराइटिस की तरह ही होते हैं।

अपच (बदहजमी)-गैस-एसिडिटीः भूख से अधिक मात्रा में गरिष्ठ और अधिक चिकनाईयुक्त पदार्थों को खाना, इन समस्याओं का एक कारण है। चूंकि मानसून में पाचन क्रिया धीमी रहती है, इसलिए गरिष्ठ खाद्य पदार्थों को पचाने में पाचन तंत्र पर अतिरिक्त भार पड़ता है, नतीजतन अपच, गैस और एसिडिटी के मामले मानसून में बड़े पैमाने पर सामने आते हैं।

हेपेटाइटिस ए और ईः लिवर में सूजन और इन्फ्लेमेशन (इस स्थिति में सूजन के अलावा मरीज की लिवर कोशिकाएं भी क्षतिग्रस्त होने लगती हैं) को हेपेटाइटिस कहते हैं। मानसून के दौरान हेपेटाइटिस ए और हेपेटाइटिस ई के मामले काफी बढ़ जाते हैं। हेपेटाइटिस में पीड़ित व्यक्ति को पहले बुखार आता है और इसके बाद वह पीलिया (जॉन्डिस) से ग्रस्त हो जाता है। पीलिया के लक्षणों के अंतर्गत पीड़ित व्यक्ति की आंखों का रंग पीला हो जाता है, उन्हें यूरिन पीली होती है और वे भूख महसूस नहीं करते। गौरतलब है कि पीलिया, हेपेटाइटिस का लक्षण है।

फूड प्वॉइजनिंगः ई.कोली और सैलमॉनेला नामक जीवाणु बरसात के मौसम में तेजी से पनपते हैं। ये जीवाणु अशुद्ध पेयजल और दूषित खाद्य पदार्थों के जरिए शरीर में पहुंचते हैं। पेट खराब होना और उल्टी होना, इस समस्या के प्रमुख लक्षण हैं।

हैजाः मानसून के दौरान वाइबरियो कॉलेरी नामक जीवाणु तेजी से पनपता है, जो हैजा (कॉलरा) का कारण है। प्रदूषित खाद्य और अशुद्ध पेय पदार्थों को लेने से इसके जीवाणु शरीर में प्रवेश कर पाचन तंत्र को गड़बड़ कर देते हैं। लगातार उल्टियां और दस्त होना इस रोग के प्रमुख लक्षण हैं।

इलाज के बारे में

- गैस्ट्रोएंटेराइटिस, डायरिया और डिसेंट्री के इलाज में जरूरत पड़ने पर डॉक्टर के परामर्श से एंटीबायोटिक दवाएं दी जाती हैं।
- ओरल रिहाइड्रेशन थेरेपी का भी प्रयोग होता है।
- अनेक मामलों में लक्षणों के आधार पर चिकित्सा की जाती है। जैसे मरीज को उल्टी होने पर इसे दूर करने की दवा, पेट में मरोड़ और दर्द होने पर इसे दूर करने वाली दवा और सिर दर्द होने पर इससे राहत दिलाने वाली दवा पेशेंट को दी जाती है।
- हेपेटाइटिस ए और हेपेटाइटिस ई में एंटीबायोटिक दवाओं का प्रयोग नहीं किया जाता। हेपेटाइटिस के इन दोनों प्रकारों में लक्षणों के आधार पर इलाज किया जाता है। बावजूद इसके, जो महिलाएं प्रेग्नेंट हों, उन्हें डॉक्टर के परामर्श की आवश्यकता होती है।
- बदहजमी, गैस और एसिडिटी की समस्या को ज्यादातर मामलों में घर पर रहकर ही डॉक्टर के परामर्श से खानपान में संयम बरतकर और दवाओं से दूर किया जा सकता है।
- फूड प्वॉइजनिंग का इलाज लक्षणों के आधार पर किया जाता है। जैसे उल्टियां होने पर इसे रोकने की दवाएं दी जाती हैं।
- हैजा के इलाज में उल्टी और दस्त को रोकने की दवाएं दी जाती हैं। यह बहुत जरूरी होता है कि मरीज के शरीर में पानी की कमी न हो पाए, इसलिए उसे हाइड्रेशन थेरेपी दी जाती है।

तब न करें लापरवाही

पाचन तंत्र से संबंधित समस्याओं को गंभीर स्थिति में पहुंचने से पहले ही सावधान हो जाना चाहिए। जैसे मानसून में डायरिया के मामले बढ़ जाते हैं, वैसे तो यह एक आम समस्या है, लेकिन लापरवाही बरतने पर डायरिया आपको गंभीर हालत में पहुंचा सकता है। रोगी अगर पर्याप्त मात्रा में पानी पीता है, ओआरएस लेता है तो स्थिति कंट्रोल में रहेगी। लेकिन अगर यहां बताए जा रहे कुछ लक्षण दिखें तो तुरंत हॉस्पिटल जाकर डॉक्टर से कंसल्ट करना चाहिए। जैसे-अगर मरीज को लगातार कई दिनों से बुखार जारी है। उसे यूरिन कम हो रही हो। मल (स्टूल) से खून आ रहा हो। पीड़ित व्यक्ति की उल्टियां और दस्त बंद न हो रहे हों। *

प्रस्तुतिः विवेक शुक्ला

मानसूनी संक्रमण से बचाव के उपाय

- शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करें। अगर आपके पास वाटर फिल्टर, वॉटर प्यूरीफायर या आरओ उपलब्ध नहीं है तो फिर पानी को उबालकर और फिर ठंडा कर पिएं।
- दस्त और उल्टी होने पर शरीर में पानी की कमी हो जाती है। शरीर में पानी की कमी से डिहाइड्रेशन की समस्या उत्पन्न हो जाती है। इस स्थिति की रोकथाम के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहना चाहिए और ओआरएस भी लेना चाहिए।
- हल्का सुपाच्य भोजन करें। स्वाद के लालच में ओवर ईटिंग से बचें।
- जहां तक संभव हो, घर के बाहर खाने से परहेज करें।
- जंक फूड्स और फास्ट फूड्स से दूरी बनाए रखें।
- कुछ भी खाने से पहले सैनिटाइजर या एंटीबैक्टीरियल साबुन से हाथ जरूर धोएं।
- बाजार में मिलने वाले पकौड़ों, कचौड़ियों, चाट, समोसे आदि गरिष्ठ खाद्य पदार्थों की बजाए कभी-कभार घर में बनाकर खाना बेहतर है।
- बासी खाद्य पदार्थों से परहेज करें।
- ताजी सब्जियों और ताजे फलों को ही ग्रहण करें। इन्हें अच्छी तरह से धोकर खाएं।
- इन दिनों जूस के स्थान पर सूप का सेवन स्वच्छता के लिहाज से अच्छा है। जूस, चाय और कॉफी की मात्रा घटाएं और सूप की मात्रा बढ़ाएं।
- नॉनवेज और सीफूड्स से दूरी बनाए रखना आपके लिए लाभप्रद रहेगा।
- पीने का पानी स्वच्छ और शुद्ध होना चाहिए। संक्रमित पानी पीने से हेपेटाइटिस ए, हेपेटाइटिस ई और डायरिया आदि समस्याओं का रिस्क बढ़ता है।

डाइट

राजकुमार दिनकर

जब नाश्ते के बाद फील हो सुस्ती

बहुत से लोगों को सुबह नाश्ता करने के बाद शरीर में भारीपन महसूस होता है, आलस छाने लगता है, थकान महसूस होती है, काम करने के लिए बैठो तो काम में मन नहीं लगता। यह एक आम समस्या है। नाश्ते में आप क्या लेते हैं, आपका खान-पान कैसा है और आपका लाइफस्टाइल कैसा है, यह बहुत मायने रखता है। सुबह के नाश्ते के बाद नींद या सुस्ती आना इसे फूड कोमा भी कहा जाता है।

हो सकती हैं कई वजहः तमाम दूसरी वजहों के अलावा एक सबसे बड़ी समस्या होती है, नाश्ते में कार्बोहाइड्रेट या वसायुक्त फूड्स खाना। खाना कम मात्रा में न खाकर ज्यादा खाने से भी यह समस्या होती है, क्योंकि अत्यधिक कैलोरी, रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट या वसायुक्त नाश्ता शरीर को सुस्त बनाता है। जो लोग सुबह 4 या 5 बजे सोकर जगते हैं, उन्हें भी इस समस्या का ज्यादा सामना करना पड़ता है, क्योंकि अगर हमारी नींद पूरी न हो तो नाश्ता करने के बाद शरीर में सुस्ती आने लगती है। इसके अलावा जो भोजन हम खाते हैं, उनमें अगर विटामिन-डी, बी, बी-12 या आयरन की कमी होती है तो इससे भी नाश्ता करने के बाद नींद आने लगती है।

सही फूड न चुननाः सुबह के समय परांठा, सफेद ब्रेड, तली हुई चीजें खाने से रक्त में शुगर लेवल बढ़ जाता है। अगर ज्यादा खा लिया जाए तो भोजन को पचाने में शरीर को अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ती है। इसके लिए बड़ी वजह नाश्ते में फाइबर से भरपूर चीजों का कम सेवन करना, एक्सरसाइज न करना, फिजिकल एक्टिविटी से दूर रहना, फास्ट फूड और ज्यादा नमक, मसाले और मैदे से बनी चीजें खाना और लंबे समय तक एक ही जगह बैठे रहने से भी नींद आती है।

डाइट में करें बदलावः नाश्ते में कुछ बदलाव करने से आपको नींद या सुस्ती नहीं आएगी। सुबह 7 बजे फल और भीगे हुए मेवे खाने के बाद 10 बजे संतुलित नाश्ता करें। दही को नाश्ते के बजाय दोपहर के भोजन में लें। सुबह के समय मौसम के अनुसार फलों का सेवन करें। हल्का और पोषक नाश्ता जैसे ओट्स या मल्टीग्रेन रोटी, उबले अंडे, अंकुरित अनाज, फल और सलाद आदि लें। रात के समय हल्का खाएं। सुबह के समय नाश्ते में ज्यादा मीठा या तला-भुना फूड न खाएं। सुबह नाश्ता हल्का रखें। नाश्ते में ज्यादा मात्रा में प्रोटीन और ज्यादा कार्बोहाइड्रेटयुक्त फूड लेने से भी नींद और सुस्ती महसूस होती है। *

ट्रीटमेंट

डॉ. देवेंद्र कुमार
दंत चिकित्सक, एम्स-दिल्ली

आरसीटी के बाद जब प्राकृतिक दांत का बहुत ज्यादा हिस्सा ऊपर की ओर नहीं बचे या कुछ समय बाद किसी कारणवश वह टूट जाए, तब दंत चिकित्सक 'पोस्ट एंड कोर' की सलाह देते हैं। क्या है यह प्रोसेस, जानिए।

आरसीटी के बाद दांत को सुरक्षित बनाए पोस्ट एंड कोर

दांतों में गंभीर इंफेक्शन होने पर डेंटिस्ट रूट कैनाल ट्रीटमेंट (आरसीटी) करते हैं। 'पोस्ट एंड कोर', डेंटल रेस्टोरेशन की वह प्रक्रिया है, जिसका प्रयोग ऐसे दांत को सुरक्षित रखने के लिए किया जाता है, जिसमें आरसीटी के बाद दांत का प्राकृतिक ढांचा ज्यादा नहीं बच पाता। ऐसे में क्राउन, ब्रिज, इंप्लांट या रिमूवर बेंचर के लिए यह सहारा बनता है।

क्या है पोस्ट एंड कोर

पोस्टः इस प्रक्रिया में धातु या फाइबर की एक पतली छड़ (रॉड) को रूट कैनाल की जड़ खाली करके उसमें डाला जाता है।

कोरः यह पोस्ट के चारों ओर बनाया जाने वाला आधार है, जो क्राउन रेस्टोरेशन को मजबूती और स्थिरता देता है।

क्यों पड़ती है इसकी जरूरत

आरसीटी के बाद पोस्ट एंड कोर की जरूरत कुछ कंडीशंस में पड़ती है।

- दांत का ढांचा पर्याप्त न होने पर, क्राउन ढीले हो सकते हैं, अपनी जगह से हट सकते हैं या आरसीटी किए गए दांत को सही सुरक्षा नहीं दे पाते। ऐसे में पोस्ट एंड कोर प्रक्रिया एक मजबूत आधार बनकर इस ढांचागत कमी को दूर करती है, जो दांत के मूल आंतरिक ढांचे जैसा ही होता है।
- कई बार दांतों के ढांचे के नुकसान की सीमा ट्रीटमेंट से पहले दांत की स्थिति पर भी निर्भर करती है। जिन दांतों में बहुत ज्यादा सड़न होती है या पहले से बड़ी फिलिंग होती है, उनमें आरसीटी के बाद बहुत कम स्वस्थ ढांचा बच जाता है। ऐसे में, दांत की बची हुई दीवारें भोजन चबाने की प्रक्रिया का दबाव भी नहीं झेल पातीं।
- आरसीटी के बाद दांत में लगातार बेचैनी या सेंसिटिविटी, खासकर कुछ काटते या चबाते समय, महसूस हो या लगे कि स्ट्रक्चरल सपोर्ट सही नहीं है या टेंपररी रेस्टोरेशन में कोई दिक्कत है या टेंपररी फिलिंग या क्राउन ढीला हो जाए या निकल जाए या ट्रीटमेंट किए गए दांत के रूप-रंग में बदलाव दिखने लगे, तो डॉक्टर यह प्रोसीजर कर सकते हैं।

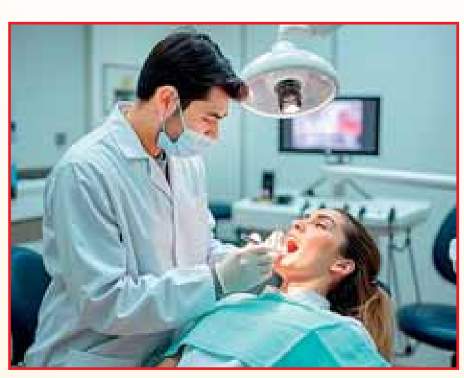

क्या होता है इस प्रक्रिया में

पोस्ट एंड कोर की यह प्रक्रिया आरसीटी के कई हफ्तों बाद की जाती है, ताकि ट्रीटमेंट के बाद दांत को ठीक होने का पर्याप्त समय मिल सके। इसकी आवश्यकता किसी मरीज को है या नहीं, यह भी चिकित्सक आरसीटी के बाद तय करते हैं।

इस प्रक्रिया के दौरान रूट कैनाल फिलिंग मैटीरियल के एक हिस्से को सावधानी से हटाया जाता है ताकि पोस्ट के लिए जगह बन सके, साथ ही जड़ के सिरे पर सही सील बनी रहे। इसके बाद पोस्ट को या तो सीमेंट से अपनी जगह पर लगाया जाता है या कुछ मामलों में, कोर स्ट्रक्चर के हिस्से के तौर पर कास्ट किया जाता है। पोस्ट के चारों ओर कोर मैटीरियल लगाकर दांत के खोए हुए हिस्से को फिर से बनाया जाता है, ताकि फाइनल क्राउन को सहारा देने के लिए सही आकार और बनावट तैयार कर सकें। पोस्ट एंड कोर के लिए कई जगह कंपोजिट कोर के साथ फाइबर ग्लास पोस्ट या पारंपरिक कास्ट मेटल पोस्ट और कोर का भी प्रयोग करते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

आरसीटी के बाद जरूरी इलाज में देरी से समस्या बढ़ सकती है, क्योंकि बिना सुरक्षा वाले दांतों के टूटने या उनमें दोबारा इंफेक्शन होने का खतरा बना रहता है। ऐसे में जरूरी है कि मरीज आरसीटी के बाद रेग्युलर फॉलोअप कराते रहें। *

प्रस्तुतिः सुषमाश्री

72 साल बाद क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड ने मारी एंट्री

- शनिवार को चैंपियन अर्जेंटीना से भिड़ंत
- पेनल्टी शूटआउट में कोलंबिया पर दर्ज की जीत

एजेंसी ▶▶| वैंकूवर

रुबेन वर्गास ने पेनल्टी को गोल में बदला, जिससे स्विट्जरलैंड खेले गए मैच के गोलरहित ड्रॉ रहने के बाद कोलंबिया पर पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से जीत दर्ज करके 72 साल बाद विश्व कप फुटबॉल के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रहा। स्विट्जरलैंड का सामना अब शनिवार को मिसौरी के कनसास सिटी स्थित एरोहेड स्टेडियम में मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना से होगा। अर्जेंटीना ने इससे पहले दिन में दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करके मिस्र को 3-2 से हराया था। स्विट्जरलैंड 1954 में विश्व कप की मेजबानी करने के बाद से कभी भी विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में नहीं पहुंचा था।

स्विस टीम मंज़ांबी के बिना उतरी मैदान में

स्विस टीम युवा मिडफील्डर जोहान मंज़ांबी के बिना मैदान में उतरी। उन्होंने टूर्नामेंट में अब तक तीन गोल किए थे। यह एक ऐसा मैच था, जिसमें किसी तरह का रोमांच नहीं था। अतिरिक्त समय के बाद भी कोई टीम गोल करने में सफल नहीं रही थी लेकिन स्विट्जरलैंड ने धैर्य बनाए रखा, जो आखिर में महत्वपूर्ण साबित हुआ। विश्व कप में दो गोल कर चुके वर्गास ने पूरे अभ्यास सत्र में भाग नहीं लिया था लेकिन वह मैच के दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतरे। शूटआउट में कोलंबिया के डिफेंडर डेविंसन सांचेज़ का पेनल्टी शॉट क्रॉसबार से टकराया और स्विट्जरलैंड के गोलकीपर ग्रेगोर कोबेल ने कूचो हर्नांडिज के शॉट को बचा लिया।

स्टेडियम में मौजूद थे 50 हजार से अधिक दर्शक

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो भी बीसी प्लेस में मौजूद लोगों में शामिल थे, जहां खचाखच भरे स्टेडियम में 52,497 दर्शकों में से अधिकांश कोलंबिया के समर्थन में पीले रंग के कपड़े पहने हुए थे। कोबेल ने कहा, ' दर्शकों का समर्थन उनके पक्ष में था, इसलिए हमारे लिए यह एक कठिन मुकाबला था। हम जानते हैं कि खेल के कुछ ऐसे क्षण थे जब हमें रक्षात्मक खेल खेलना था और मानसिक रूप से मजबूत रहना था। हमारे कुछ खिलाड़ी अनुपस्थित थे, इसलिए यह हमारे लिए एक बड़ी चुनौती थी।'

'गोल्डन बूट' की दौड़ में आगे मेस्सी

अटलांटा। लियोनेल मेस्सी ने मिस्र के खिलाफ इस विश्व कप में अपना आठवां गोल दागा और 'गोल्डन बूट' की दौड़ में आगे निकलने के साथ टूर्नामेंट में लगातार गोल करने का सिलसिला 9 मैचों का कर लिया। विश्व कप के मैचों में लगातार गोल करने का मेस्सी का सिलसिला 2022 से चला आ रहा है । वह लगातार 9 मैचों में 13 गोल कर चुके हैं।'गोल्डन बूट' की दौड़ में वह फ्रांस के कीलियन एमबाप्पे और नॉर्वे के एर्लिंग हालैंड से एक गोल आगे निकल गए हैं। इंग्लैंड के हैरी केन के छह गोल हैं। मेस्सी 2022 विश्व कप में 'गोल्डन बूट' की दौड़ में एमबाप्पे के बाद दूसरे स्थान पर थे। वहीं 2014 में उन्होंने चार गोल करके तीसरा स्थान हासिल किया था।

5 घंटे 16 मिनट चला महासंग्राम सेमीफाइनल में पहुंचे जोकोविच

- नोवाक ने कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिम को हराया
- जोकोविच ने जीता विंबलडन का सबसे लंबा क्वार्टर फाइनल

एजेंसी ▶▶| लंदन

नोवाक जोकोविच की उम्र 39 वर्ष है लेकिन उनका जोश, जुनून और फिटनेस में किसी तरह की कमी नहीं आई है। इसका शानदार नजारा विंबलडन के सेंटर कोर्ट में देखने को मिला, जहां उन्होंने 5 घंटे से भी अधिक समय तक चले मैराथन मुकाबले में फेलिक्स ऑगर-एलियासिमे को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सात बार के विंबलडन चैंपियन जोकोविच ने कनाडा के 25 साल के ऑगर-एलियासिमे पर 7-6 (10), 3-6, 6-3, 6-7 (4), 7-6 (4) से जीत हासिल की और मौजूदा चैंपियन यानिक सिनर के खिलाफ सेमीफाइनल में रोमांचक मुकाबले की नींव रखी। यह मैच 5 घंटे 16 मिनट तक चला। इस तरह से यह विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में सबसे लंबे समय तक चलने वाला मैच बन गया।

रोमांचक मोड़ पर खत्म हुआ मुकाबला

पांच घंटे से ज्यादा समय तक लगातार बेसलाइन पर चले कड़े मुकाबले के बाद दोनों खिलाड़ी बुरी तरह थक चुके थे। यह मुकाबला पांचवें सेट के तनावपूर्ण सुपर टाई-ब्रेक में अपने पीक पर पहुंचा। मैच का एक अहम पल 22-शॉट की लंबी और थका देने वाली रैली के दौरान आया। जोकोविच ने लगातार ऑगर-एलियासिम को कोर्ट के एक कोने से दूसरे कोने तक दौड़ाया। आखिर में मैराथन मुकाबले से बुरी तरह थक चुके कनाडाई खिलाड़ी ने फोरहैंड शॉट बाहर मार दिया, जिससे सर्बियाई खिलाड़ी को टाई-ब्रेक में 9-4 की मजबूत बढ़त मिल गई। इससे बाद जोकोवचि ने जीत के लिए एक पॉइंट हासिल करने के लिए काफी थके होने के बाद भी अपनी पूरी ताकत लगा दी और अपने वंबिलडन करियर का सबसे लंबा क्वार्टर फाइनल जीत लिया।

सिनर के साथ होगा हाईवोल्टेज सेमीफाइनल

जोकोविच अब सेमीफाइनल में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर का सामना करेंगे। इटली के इस खिलाड़ी ने जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 7-5, 7-6 (4), 6-3 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस सेमीफाइनल में टेनिस की सबसे रोमांचक प्रतिद्वंद्विताओं में से एक फिर से देखने को मिलेगी। सिनर ने पिछले साल विंबलडन सेमीफ़ाइनल में जोकोविच को सीधे सेटों में हराया था, जबकि सर्बियाई खिलाड़ी ने इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन सेमीफाइनल में इटली के खिलाड़ी को पांच सेटों के कड़े मुक़ाबले में हराया था।

युवा खिलाड़ियों से मुकाबला करने में सक्षम हूं : जोकोविच

जोकोविच ने कहा, 'ये वो पल हैं, जिनके लिए मैं आज भी टेनिस खेलता हूं। मैं अब भी उन युवा खिलाड़ियों से मुकाबला करने में सक्षम हूं, जो मुझसे 15 साल छोटे हैं। मैं उन्हें बेहद करीबी मुकाबले में हरा सकता हूं।'

विंबलडन सेमीफाइनल में पहुंचे लगातार आठवीं बार

जोकोविच अपने 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब की तलाश में लगातार रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं। उन्होंने विंबलडन के सेमीफाइनल में लगातार आठवीं बार पहुंचकर एक नया रिकॉर्ड बनाया है। वह घास के कोर्ट पर खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में लगातार सबसे अधिक पुरुष एकल सेमीफाइनल में पहुंचने के मामले में रोजर फेडरर से एक कदम आगे निकल गए हैं। जोकोविच से बाद में अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी से अपनी तुलना करने के लिए कहा गया, जो 39 वर्ष के हैं और अभी भी उच्च स्तर पर प्रदर्शन कर रहे हैं। जोकोविच ने उस महान फुटबॉलर के बारे में कहा,'उनके जैसा 90 मिनट खेलना अच्छा लगेगा।'

खबर संक्षेप

हमारे हर गेंदबाज ने किया अच्छा प्रदर्शन

नॉटिंघम। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर का मानना है कि भारत में आईपीएल के दौरान आसान विकेट पर खेलने के बाद इंग्लैंड की परिस्थितियों में गेंदबाजी करना सामान्य स्थिति में वापसी करना है। आर्चर ने कहा, 'मुझे लगता है कि यहां सब कुछ सामान्य हो गया है।' उन्होंने कहा, 'यहां आप अच्छी लेंथ पर सीधी गेंद फेंकने की कोशिश करते हैं। जबकि वहां, विकेट आसान होने और बाउंड्री छोटी होने के कारण बहुत सावधानी बरतनी पड़ती है।' आर्चर ने कहा, 'आईपीएल में कभी-कभी 200 रन भी सुरक्षित नहीं होते। लेकिन यहां 200 रन का लक्ष्य हासिल करना आसान नहीं है। मुझे खुशी है कि सभी ने अच्छा योगदान दिया। हमारे प्रत्येक गेंदबाज ने अच्छा प्रदर्शन किया।' भारतीय बल्लेबाजों को ब्रिटेन की परिस्थितियां कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण लगी हैं।

न्यूजीलैंड सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम का ऐलान

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की वनडे सीरीज के पहले तीन मुकाबलों के लिए वेस्टइंडीज क्रिकेट ने 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। 19 वर्षीय युवा स्पिन गेंदबाज विटेल लॉज को पहली बार टीम में शामिल किया गया है। विटेल लॉज ने मौजूदा घरेलू सीजन से पहले आयोजित तैयारी शिविर में सीनियर टीम के साथ भी अभ्यास किया था। उन्होंने इस साल हुए आईसीसी अंडर-19 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 विकेट अपने नाम किए थे। इसके साथ ही पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा डॉट गेंदें फेंकने का रिकॉर्ड भी उनके नाम रहा।

आईसीसी टी20 रैंकिंग

ईशान शीर्ष पर बरकरार बेथेल ने लगाई लंबी छलांग

एजेंसी ▶▶| दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की जारी टी20 के बल्लेबाजों की रैंकिंग में भारतीय टीम के बाएं हाथ के विस्फोटक बल्लेबाजों ईशान किशन और अभिषेक शर्मा ने अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। ईशान किशन टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर हैं, जबकि अभिषेक शर्मा दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। भारत के खिलाफ जारी टी20 सीरीज के दूसरे मैच में नाबाद 76 रनों की पारी खेलने वाले इंग्लैंड के बाएं हाथ के बल्लेबाज जैकब बेथेल को रैंकिंग में बड़ा फायदा हुआ है। बेथेल 7 स्थान ऊपर चढ़ते हुए आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के मिशेल मार्श नौवें, जबकि दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस दसवें स्थान पर हैं।

बुमराह और वरुण को नुसान

टी20 गेंदबाजों की बात करें तो अफगानिस्तान के राशिद खान पहले, पाकिस्तान के अबरार अहमद दूसरे, इंग्लैंड के आदिल रशीद 1 स्थान ऊपर चढ़ते हुए तीसरे, और ऑस्ट्रेलिया के एडम जांपा 1 स्थान ऊपर चढ़ते हुए चौथे स्थान पर हैं। भारत के वरुण चक्रवर्ती को 2 स्थान का घाटा हुआ है, वह पांचवें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के नाथन एलिस और दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बोश क्रमशः छठे और सातवें स्थान पर हैं। दोनों को एक-एक स्थान का फायदा हुआ है। जसप्रीत बुमराह को दो स्थान का घाटा हुआ है, वह आठवें स्थान पर हैं। श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा नौवें और अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान दसवें स्थान पर हैं।

फिल साल्ट चौथे स्थान पर

पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान तीसरे और इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट चौथे स्थान पर हैं। श्रीलंका के पाथुम निसांका पांचवें स्थान पर हैं। भारत के तिलक वर्मा छठे, इंग्लैंड के जोस बटलर सातवें स्थान पर हैं।

इतने बड़े अंतर से हारना स्वीकार्य नहीं : अय्यर

नॉटिंघम। कप्तान श्रेयस अय्यर ने तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में इंग्लैंड से 125 रन की करारी हार के बाद अपनी टीम के प्रदर्शन को ''बेहद खराब'' करार दिया और कहा कि इस तरह का प्रदर्शन कतई स्वीकार्य नहीं है। अय्यर की कप्तानी में भारत ने अभी तक एक भी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं जीता है। अय्यर ने कहा, ' यह बेहद निराशाजनक था, इतने बड़े अंतर से हारना स्वीकार्य नहीं है। सबसे पहले हमें हार को स्वीकार करना होगा और नए सिरे से रणनीति बनानी होगी। अय्यर ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि यह 200 विकेट वाली पिच थी। हमने पावरप्ले में चार विकेट गंवा दिए और इसी वजह से हम पिछड़ गए। आप कितनी भी योजना बना लें, लेकिन मैदान पर उतरने के बाद आपको परिस्थितियों के अनुसार ढलना पड़ता है।

दो हार के बाद दबाव में टीम इंडिया, हर हाल में जीतना होगा चौथा टी20

एजेंसी ▶▶| ब्रिस्टल

लगातार दो मैच हारने के बाद श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली भारतीय टीम जब गुरुवार को श्रृंखला के निर्णायक चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में इंग्लैंड के सामने होगी तो उसके सामने खिलाड़ियों के चयन को लेकर मुश्किल चुनौतियां होगी। भारतीय टीम इंग्लैंड के मुश्किल हालात में ढलने के लिए संघर्ष कर रही है और टीम यह मैच हार गई तो सीरीज भी गंवा देगी।

टीम चयन को लेकर सबसे बड़ा सवाल संजू सैमसन को लेकर है। उन्हें दूसरे और तीसरे टी20 से बाहर कर 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को मौका दिया गया था। इस युवा खिलाड़ी का प्रदर्शन अब तक टीम के बाकी खिलाड़ियों से न तो खराब रहा है और न ही बहुत अच्छा।

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज का निर्णायक मुकाबला आज

सैमसन की वापसी की संभावना

टीम अभी 0-2 से पीछे चल रही है इसलिए भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने सैमसन की वापसी की संभावना से इनकार नहीं किया है। संजू का करियर पिछले चार महीनों में काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। एक समय वह टीम से बाहर थे, फिर शानदार प्रदर्शन कर टीम में लौटे, लेकिन अब फिर उन्हें बाहर बैठना पड़ा है। टीम के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी सिर्फ कप्तान श्रेयस अय्यर पर नहीं है, जो अपनी वापसी करने वाली श्रृंखला में अचानक कप्तान बनाए जाने के बाद अपनी पहली जीत की तलाश में हैं। बल्कि कोच गौतम गंभीर और अजीत अगरकर की चयन समिति पर भी बड़ी जिम्मेदारी है।

टीम प्रबंधन की रणनीतियों की हो रही आलोचना- टीम प्रबंधन की रणनीतियों की भी आलोचना हो रही है। यह देखना होगा कि क्या वे एक और सीरीज हारने की शर्मिंदगी से बच पाते हैं या नहीं। तीसरे टी20 में 125 रन की करारी हार के बाद ट्रेंट ब्रिज स्टेडियम के बाहर प्रशंसकों ने 'वी वांट संजू' (हमें संजू टीम में चाहिए) के नारे लगाए। टी20 विश्व कप दिलाने वाले कप्तान सूर्यकुमार यादव को बाहर करने पर भारी आलोचना हुई थी।

तीन साल 5 महीने में जीती पहली टेस्ट सीरीज

वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के खिलाफ 23 साल बाद जीती टेस्ट सीरीज

एजेंसी ▶▶| एंटीगुआ

वेस्टइंडीज और श्रीलंका के बीच विवियन रिचड्र्स क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया दूसरा टेस्ट मैच ड्रॉ पर खत्म हुआ। श्रीलंका से मिले 302 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज ने दूसरी पारी में बिना कोई विकेट गंवाए 109 रन बनाए, जिसके बाद दोनों कप्तानों ने ड्रॉ पर सहमति जताई। दूसरा टेस्ट ड्रॉ होने के साथ ही वेस्टइंडीज ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज को 1-0 से अपने नाम किया। वेस्टइंडीज ने 23 साल बाद श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज को अपने नाम किया है। इसके साथ ही पिछले 3 साल और 5 महीने में यह कैरेबियाई टीम की पहली टेस्ट सीरीज जीत है।

दूसरी पारी में वेस्टइंडीज को जॉन कैंपबेल और ब्रैंडन किंग ने शानदार शुरुआत दी। दोनों ही बल्लेबाजों ने अर्धशतकीय पारी खेली। कैंपबेल 113 गेंदों का सामना करते हुए 51 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि किंग 5 चौके और एक छक्के की मदद से 51 रन बनाकर नॉटआउट रहे।

रशीद बने टी-20 में सर्वाधिक विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज

एजेंसीः नॉटिंघम। इंग्लैंड ने तीसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में भारत को 125 रनों से करारी शिकस्त दी। मेजबान टीम की यादगार जीत में आदिल रशीद ने भी गेंद से अहम भूमिका निभाई और दो विकेट चटकाए। रशीद ने इस मुकाबले में बड़ी उपलब्धि को भी अपने नाम कर लिया है। आदिल रशीद टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गए हैं। उन्होंने तीसरे टी20 में 2 विकेट लेने के साथ ही न्यूजीलैंड के स्पिन गेंदबाज ईश सोढ़ी को पीछे छोड़ दिया है।

हांग्झोउ एशियाई खेलों में कांस्य जीतकर ओलंपिक के लिए कोटा हासिल

22 साल की स्वैग वाली मुक्केबाज, राष्ट्रमंडल खेलों में 'गोल्ड' पर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

युवा मुक्केबाज प्रीति पंवार ने अपने करियर की शुरुआत में ही यह सबक सीख लिया था कि जीवन में कुछ भी निश्चित नहीं होता और उम्मीद के अनुरूप योजनाएं काम नहीं करती इसलिए वह शानदार नतीजों के भरोसे राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने पर नजरें लगाए हैं। वह किसी भी चीज को हल्के में नहीं ले रही हैं।

22 साल की बैंथमवेट (54 किग्रा) मुक्केबाज प्रीति पिछले तीन साल में भारत की सबसे होनहार मुक्केबाजों में से एक बनकर उभरी हैं। उन्होंने मुश्किलों का सामना करते हुए लगातार पदक जीते हैं। प्रीति ने 2023 में सीनियर विश्व चैंपियनशिप में पदार्पण करते हुए प्री-क्वार्टर फाइनल से बाहर होने के बावजूद प्रभावित किया। उसी साल बाद में उन्होंने हांग्झोउ एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक के लिए कोटा हासिल करके वापसी की।

लंबे ब्रेक के बाद प्रीति ने की जबरदस्त वापसी

प्रीति ने कहा, 'मैं राष्ट्रमंडल खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहती हूं और भारत के लिए पदक पदक जीतना चाहती हूं। देखते हैं क्या होता है क्योंकि कभी-कभी हम कुछ योजना बनाते हैं लेकिन चीजें वैसी नहीं होतीं जैसी हम चाहते हैं।' ओलंपिक के बाद लंबे ब्रेक के बाद प्रीति ने जबरदस्त वापसी की। उन्होंने 2025 विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल में स्वर्ण पदक जीता और फिर स्पेन में बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल टूर्नामेंट में रजत पदक हासिल किया। इसके बाद उन्होंने कड़े मुकाबले के बीच एशियाई चैंपियनशिप का खिताब जीता।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

इंजीनियरिंग कार्य हेतु ई-निविदा सूचना

क्र.संख्या (1) ई-निविदा संख्याः डीआरएम - इंजी.-बीएसपी-टी-134-26-27, दिनांकः 03.07.2026.
कार्यः बिलासपुर मंडल के सहायक मंडल अभियंता उमरिया के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत बड़े और छोटे पुलों के अप्रोच पर ऊंचे किनारों को काटना और चौड़ा करना, सेस (cess) में सुधार, ट्रॉली रिफ्यूज और अन्य सुरक्षा कार्य का प्रावधान। **निविदा मूल्यः** ₹ 5,13,31,095/- **अमानत राशिः** ₹ 10,26,600/-. **कार्य पूर्णता की अवधिः** 12 माह।

क्र.संख्या (2) ई-निविदा संख्याः डीआरएम - इंजी.-बीएसपी-टी-135-26-27, दिनांकः 03.07.2026.
कार्यः बिलासपुर मंडल के सहायक मंडल अभियंता शहडोल के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत बड़े और छोटे पुलों के अप्रोच पर ऊंचे किनारों को काटना और चौड़ा करना, सेस (cess) में सुधार, ट्रॉली रिफ्यूज और अन्य सुरक्षा कार्य का प्रावधान। **निविदा मूल्यः** ₹ 5,73,92,583/- **अमानत राशिः** ₹ 11,47,900/-. **कार्य पूर्णता की अवधिः** 12 माह।

क्र.संख्या (3) ई-निविदा संख्याः डीआरएम - इंजी.-बीएसपी-टी-136-26-27, दिनांकः 03.07.2026.
कार्यः बिलासपुर मंडल के सहायक मंडल अभियंता मनेन्द्रगढ़ के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मौहरी, कोतमा, उदलकछार, अंबिकापुर, विश्रामपुर, सूरजपुर रोड और दर्रीटोला रेलवे स्टेशनों पर ट्रैक मशीन स्टेबलिंग साइडिंग का निर्माण जिसमें पी. वे का काम, पाथवे, सड़कें, आर.सी.सी. टैंक, इमारतें, डेड एंड, पुलों का विस्तार और अन्य विविध कार्य शामिल हैं। **निविदा मूल्यः** ₹ 9,64,77,198/- **अमानत राशिः** ₹ 19,29,600/-. **कार्य पूर्णता की अवधिः** 12 माह।

क्र.संख्या (4) ई-निविदा संख्याः डीआरएम - इंजी.-बीएसपी-टी-137-26-27, दिनांकः 03.07.2026.
कार्यः बिलासपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल अभियंता (उत्तर) के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले लोरहा, रूपौंड, अमलाई, मौहरी और बिजुरी स्टेशनों पर लॉन्ग हॉल लूप लाइनों का निर्माण, इसमें मौजूदा लूप लाइनों का विस्तार और नई रेलवे लाइनों का निर्माण शामिल है, साथ ही, लॉन्ग हॉल, फॉर्मेशन मालगाड़ी पार्किंग ऑपरेशन के लिए मेन लाइन से कनेक्टिविटी, रास्ते (पाथवे) बनाना और अन्य संबंधित सिविल व पी.वे (P. Way) कार्य, तथा अमलाई स्टेशन पर ट्रैक मशीन साइडिंग का निर्माण कार्य भी शामिल है। **निविदा मूल्यः** ₹ 42,82,21,585/- **अमानत राशिः** ₹ 85,64,400/-. **कार्य पूर्णता की अवधिः** 18 माह।

निविदा जमा करने की आरंभ तिथिः 14.07.2026 के 11.00 बजे से। **निविदा जमा करने की अंतिम तिथिः 28.07.2026 के 11.00** बजे तक।

उपरोक्त ई–निविदा सूचना की पूरी जानकारी वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओं हेतु ई–टेन्डर के अलावा अन्य निविदा स्वीकार नही की जाएगी।

मंडल रेलवे प्रबंधक(अभियंता)/
सीपीआर/10/पीएच/268 **बिलासपुर**

South East Central Railway @secrail

फटकार के बाद जागा प्रशासनः पीएस राजस्व को भविष्य में अक्षरशः पालन के सख्त निर्देश

पूर्व निर्देश के पालन में पीएस राजस्व ने आदेश के पालन में देरी के लिए बिना शर्त मांगी माफी

हाईकोर्ट के आदेश की अवहेलना पर दो अधिकारी निलंबित

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने आदेश के पालन में लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया कि अदालत के निर्देशों का अक्षरशः पालन होना चाहिए। जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने अवमानना याचिका का निराकरण करते हुए राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव को भविष्य में ऐसे मामलों में विलंब न होने देने के निर्देश दिए। सुनवाई के दौरान प्रमुख सचिव, राजस्व विभाग स्वयं अदालत में उपस्थित हुए। उन्होंने आदेश के पालन में हुई देरी के लिए बिना शर्त क्षमा मांगी और अतिरिक्त अनुपालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। बताया गया कि 30 जून, 2026 का त्रुटिपूर्ण आदेश निरस्त कर एक जुलाई, 2026 को राजस्व मंडल के निर्देशों के अनुरूप नया आदेश पारित किया गया तथा याचिकाकर्ताओं के नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज कर दिए गए हैं। कोर्ट को यह भी बताया गया कि लापरवाही के लिए तत्कालीन नायब तहसीलदार शिब्बू सिंह कसोरिया व प्रभारी डिप्टी कलेक्टर व एसडीओ (राजस्व) संजय दुबे को

निलंबित कर दिया गया है। साथ ही कलेक्टर टीकमगढ़ को वरिष्ठ अधिकारियों की जांच समिति गठित कर दोषी अधिकारियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ गुलाटी व अधिवक्ता भानु प्रताप यादव ने पक्ष रखा, जबकि राज्य की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता एचएस रूपराह उपस्थित हुए। अनुपालन संतोषजनक पाए जाने पर कोर्ट ने अवमानना याचिका का निराकरण कर दिया।

फर्जी आर्डरशीट प्रकरण

विभागीय जांच जारी रहेगी : आईएएस अधिकारी को कथित लाभ पहुंचाने के आरोप का मामला

निलंबित सिविल जज को हाई कोर्ट से राहत नहीं

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने फर्जी आर्डरशीट जारी कर एक आईएएस अधिकारी को कथित लाभ पहुंचाने के मामले में निलंबित सिविल जज को राहत नहीं दी है। जस्टिस आनंद पाठक व जस्टिस बीपी शर्मा की ने विजेंद्र सिंह रावत की याचिका निरस्त करते हुए स्पष्ट किया कि आपराधिक मुकदमे के लंबित रहने का आधार लेकर विभागीय कार्यवाही नहीं रोकी जा सकती।
याचिकाकर्ता ने दलील दी थी कि इंदौर में पदस्थापना के दौरान वर्ष 2020 के घटनाक्रम से जुड़े आपराधिक मामले और विभागीय जांच के आरोप समान हैं। ऐसे में विभागीय जांच जारी रहने से आपराधिक मुकदमे में उनके बचाव पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। साथ ही करीब पांच वर्ष बाद आरोपपत्र जारी किए जाने को भी चुनौती दी गई। राज्य की ओर से तर्क दिया गया कि आरोप अत्यंत गंभीर हैं। एक न्यायिक अधिकारी पर फर्जी आदेश तैयार कर आरोपित को अनुचित लाभ पहुंचाने का आरोप न्यायपालिका की साख से जुड़ा विषय है, इसलिए अनुशासनात्मक जांच में विलंब उचित नहीं होगा। कोर्ट ने कहा कि न्यायपालिका पर जनता का विश्वास संवैधानिक व्यवस्था का आधार है। किसी न्यायिक अधिकारी के आचरण की जांच को आपराधिक मुकदमे के अंतिम निर्णय तक अनिश्चितकाल के लिए नहीं टाला जा सकता। इसी आधार पर कोर्ट ने विभागीय कार्यवाही को वैध मानते हुए याचिका निरस्त कर दी।

हाईकोर्ट ने 2015 का अवार्ड किया निरस्त

2013 के नए भूमि अधिग्रहण कानून से तय होगा मुआवजा

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने भूमि अधिग्रहण मामलों में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया है कि नया कानून लागू होने के बाद पुराने अधिनियम के तहत मुआवजा तय नहीं किया जा सकता। जस्टिस मनिंदर सिंह भट्टी की सिंगल बेंच ने याचिका स्वीकार करते हुए 29 अप्रैल, 2015 का मुआवजा अवार्ड निरस्त कर दिया। 2013 के भूमि अधिग्रहण कानून के तहत नया अवार्ड पारित करने के निर्देश दिए।

याचिकाकर्ता दमोह निवासी राम कुमार गुप्ता की ओर से अधिवक्ता आशीष त्रिवेदी, असीम त्रिवेदी ने पक्ष रखा। दलील दी गई कि निष्पक्ष मुआवजा व भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन में पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 एक जनवरी 2014 से लागू हो चुका था। इसके बावजूद 29 अप्रैल 2015 को समाप्त हो चुके 1894 के कानून के आधार पर अवार्ड पारित कर दिया गया, जो विधिसम्मत नहीं था। कोर्ट ने इस तर्क को स्वीकार करते हुए मामला पुनः भूमि अधिग्रहण अधिकारी-सह-अनुविभागीय अधिकारी को भेज दिया। कोर्ट ने आदेश दिया कि प्रमाणित प्रति प्रस्तुत होने के 90 दिनों के भीतर 2013 के अधिनियम के अनुसार मुआवजा तय कर नया अवार्ड पारित किया जाए।

हाईकोर्ट ने लगाई रोक, सरकार से 30 दिन में मांगा जवाब

सेवानिवृत्ति से पहले तबादला क्यों?

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने सेवा के आखिरी पड़ाव में किए गए स्थानांतरण पर राहत दे दी। जस्टिस विशाल धगट की सिंगल बेंच ने स्पष्ट कर दिया कि कर्मचारी की आपत्ति पर पहले विधिसम्मत निर्णय लिया जाए। कोर्ट ने अनूपपुर की प्राथमिक शिक्षिका कमल जान्हा के तबादले पर अंतरिम राहत देते हुए उन्हें फिलहाल पुराने स्कूल में ही कार्यरत रखने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने याचिका का निराकरण करते हुए संबंधित सक्षम प्राधिकारी को निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता के

लंबित अभ्यावेदन पर 30 दिनों के भीतर कारणयुक्त और स्पष्ट आदेश पारित किया जाए। तब तक शिक्षिका अपने वर्तमान पदस्थापना स्थल शासकीय संदीपनी स्कूल, पचखुरा, विकासखंड कोतमा, जिला अनूपपुर में कार्य करती रहेंगी।

अनूपपुर निवासी 61 वर्षीय कमल जान्हा ने 16 जून 2026 के स्थानांतरण आदेश को चुनौती दी थी। उनका तबादला कोतमा से शासकीय प्राथमिक विद्यालय अमौदा, विकासखंड पुष्पराजगढ़ किया गया था। याचिका में कहा गया कि उनकी सेवानिवृत्ति में केवल 12 माह शेष हैं। ऐसे समय स्थानांतरण से पेंशन और अन्य सेवानिवृत्ति संबंधी प्रक्रियाएं प्रभावित हो सकती हैं। यह भी बताया गया कि इस संबंध में दिया गया अभ्यावेदन अब तक लंबित है।

वर्क फ्राम होम के झांसे में लेकर खाते से 80 हजार उड़ाए

सायबर ठगों ने युवक और महिला को बनाया शिकार

जबलपुर। शहर में ऑनलाइन ठगी के दो मामलें सामने आए। बरगी निवासी एक युवक और अधारताल निवासी एक महिला को सायबर जालसाज ने अपना शिकार बनाया हैं। जिसमें शातिर साइबर अपराधी ने युवक को झांसे में लेकर उसके बैंक खाते से 40 हजार 999 रुपये निकाल लिए। वहीं महिला को वर्क फ्राम होम का झांसा देकर 40 हजार रुपए की चपत लगा दी। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बरगी पुलिस के अनुसार नितिन पटेल ने शिकायत में बताया कि 7 जुलाई को एक अज्ञात व्यक्ति ने अलग पहचान बताकर उससे संपर्क किया। बातचीत के दौरान उसने

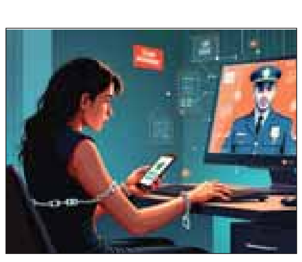

विश्वास जीतते हुए बैंकिंग संबंधी जानकारी हासिल कर ली। इसके बाद कुछ ही मिनटों में युवक के खाते से 40,999 रुपये ट्रांसफर हो गए। रकम कटने का मैसेज मिलने पर उसे साइबर ठगी का पता चला। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि वारदात किसी संदिग्ध लिंक, फर्जी कॉल या रिमोट एक्सेस के जरिए अंजाम दी गई।

वर्क फ्राम होम के नाम पर महिला को लगाई चपत

इसी प्रकार अधारताल क्षेत्र निवासी 30 वर्षीय ज्योति त्रिपाठी को व्हाट्सएप पर वर्क फ्रॉम होम का झांसा देकर अज्ञात जालसाजों ने 40 हजार रुपये की चपत लगा दी। अधारताल पुलिस के मुताबिक अज्ञात व्यक्ति ने टेलीग्राम एप के माध्यम से महिला को टास्क पूरे करने का लालच दिया था। शुरुआत में विश्वास जीतने के लिए जालसाजों ने ज्योति के पति के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया महाराजपुर शाखा के खाते में पहले 300 रुपये और फिर 2600 रुपये भेजे। आरोपियों के झांसे में आकर ज्योति ने गूगल पे के जरिए बताए गए यूपीआई आईडी पर 10 हजार रुपये और फिर शाम 6 बजे पटेल जय के नाम से बनी यूपीआई आईडी पर 30 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद जब उनसे और 50 हजार रुपये की मांग की गई, तो ठगी का अहसास हुआ। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 318(4) एवं 319(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस साइबर सेल की मदद से ट्रांजेक्शन से जुड़े बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जांच कर रही है।

रेल मंडल में विशेष टिकट जांच अभियान, 66 यात्री पकड़े गए

जबलपुर। यात्रियों को सुरक्षित और व्यवस्थित रेल यात्रा उपलब्ध कराने तथा बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा पर रोक लगाने के उद्देश्य से जबलपुर रेल मंडल में विशेष मजिस्ट्रेट टिकट जांच अभियान चलाया गया। स्पेशल रेलवे मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान में कई प्रमुख ट्रेनों और रेलखंडों पर सघन जांच की गई। अभियान के दौरान , , और सहित जबलपुर-कटनी और जबलपुर-पिपरिया रेलखंड की ट्रेनों में टिकट जांच की गई। जांच के दौरान बिना टिकट और अनियमित रूप से यात्रा करते 66 यात्रियों के खिलाफ रेलवे अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। इनमें 25 यात्री बिना टिकट तथा 41 यात्री अनियमित यात्रा करते पाए गए। रेलवे ने कार्रवाई करते हुए कुल 61 हजार 330 रुपए का राजस्व वसूल किया। अभियान में टिकट जांच स्टाफ के साथ रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) और रेलवे न्यायालय के कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से भाग लिया।

जबलपुर सहित चार स्टेशनों के यात्रियों को राहत

पुणे–दानापुर दैनिक स्पेशल ट्रेन 30 सितंबर तक चलेगी

जबलपुर। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ और यात्रा मांग को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने गाड़ी संख्या 01449/01450 पुणे–दानापुर–पुणे दैनिक स्पेशल ट्रेन का संचालन 30 सितंबर 2026 तक बढ़ा दिया है। इस निर्णय से पश्चिम मध्य रेलवे के इटारसी, जबलपुर, कटनी एवं सतना स्टेशनों के यात्रियों को सुविधा मिलेगी। ट्रेन में वातानुकूलित, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी सहित कुल 18 कोच लगाए गए हैं। गाड़ी संख्या 01449 पुणे–दानापुर स्पेशल 16 जुलाई से 28 सितंबर तक प्रतिदिन पुणे से रवाना होकर इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना सहित विभिन्न स्टेशनों पर ठहरते हुए तीसरे दिन दानापुर पहुंचेगी। वहीं गाड़ी संख्या 01450 दानापुर–पुणे स्पेशल 18 जुलाई से 30 सितंबर तक प्रतिदिन दानापुर से चलकर इन्हीं प्रमुख स्टेशनों से होते हुए पुणे पहुंचेगी। विस्तारित अवधि में दोनों दिशाओं में 75-75 अतिरिक्त फेरे संचालित किए जाएंगे।

फैसला अभी मतपेटियों में, हर दौर के साथ साफ हो रही तस्वीर

शुरुआती दौर में मिली बढ़त ने कुछ दावेदारियां की मजबूत

जबलपुर। एमपी स्टेट बार काउंसिल निर्वाचन 2026 की मतगणना के साथ चुनावी तस्वीर धीरे-धीरे स्पष्ट होने लगी है। अभी अंतिम परिणाम आना बाकी है, लेकिन शुरुआती दौर में मिली बढ़त ने कुछ प्रत्याशियों की दावेदारी को मजबूती दी है। हर चरण की गणना के साथ नए आंकड़े सामने आ रहे हैं और अधिवक्ता समाज की निगाहें मतगणना के अगले दौर पर टिकी हैं। ताजा रुझानों के अनुसार राकेश सिंह भदौरिया, विवेक सिंह, विनोद जयसिंह, नरेंद्र कुमार जैन और गौरव मिश्रा बढ़त बनाए हुए हैं। महिला प्रत्याशियों में प्रतीक्षा पाठक, प्रतिभा बलिया, अनघा पटेल, प्रीति राजेंद्र तिवारी और राजकुमारी शर्मा भी उल्लेखनीय बढ़त के साथ आगे चल रही हैं। अब तक 31,405 मतपत्रों की गणना पूरी हो चुकी है। इनमें 30,243 मत वैध पाए गए हैं, जबकि 1,162 मतपत्र निरस्त घोषित किए गए हैं। मतगणना प्रत्याशियों और उनके अधिकृत प्रतिनिधियों की मौजूदगी में चरणबद्ध ढंग से जारी है।

दो जालसाजों पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज

जमीन का विक्रय अनुबंध कर 35 लाख हड़पे

जबलपुर। गोहलपुर थानांतर्गत दो लोगों ने एक जमीन बेचने का विक्रय अनुबंध कर एक खरीददार को 35 लाख की चपत लगा दी। इसके बाद आरोपी जालसाजों ने उक्त जमीन को किसी अन्य व्यक्ति को बेच दिया। पीड़ित पक्ष ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया है। गोहलपुर पुलिस ने बताया कि अनवरगंज हनुमानताल निवासी मोहम्मद शाहिद ने मोहम्मद अशरफ से अमखेरा में 0.35 हेक्टेयर जमीन खरीदने के लिये विक्रय अनुबंध किया था। विक्रय अनुबंध के समय उक्त जमीन अर्जुन कुशवाहा के दादा तीरथ कुशवाहा के नाम पर दर्ज थी। जिसने स्वास्थ्य खराब होने पर उक्त जमीन अपने पुत्र संतोष कुशवाहा की प्रथम पत्नी महाराजिया बाई के नाम वसीयत कर दी थी। महाराजिया बाई की मौत के बाद जमीन उनके पुत्र अर्जुन कुशवाहा को प्राप्त हो गई। जिसके संबंध में रिकार्ड दुरूस्त होना बताया गया। मोहम्मद अशरफ ने उक्त जमीन 2 करोड़ 52 लाख रूपये प्रति एकड़ के हिसाब से बेचने विक्रय अनुबंध किया था।इस दौरान बयाना के रूप में मोहम्मद अशरफ को मोहम्मद शाहिद ने 35 लाख रूपये चेक के माध्यम से दिये। इस दौरान मोहम्मद अशरफ व अर्जुन कुशवाहा ने शाहिद को कहा था कि जमीन का रिकार्ड दुरूस्त होने के बाद और अर्जुन का नाम जमीन पर चढने के बाद उसका नाम व जमीन की रजिस्ट्री करा देंगे। इस तरह अशरफ व अर्जुन कुशवाहा ने मिलीभगत कर विक्रय अनुबंध कर बयाना की राशि 35 लाख हड़पने के बाद जमीन को शकील अंसारी को बेच दिया। आरोपियों मोहम्मद अशरफ व अर्जुन कुशवाहा के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

जिले में अच्छी बारिश के आसार बने

रुक-रुक कर बारिश का दौर जारी

जबलपुर। शहर में रुक-रुक कर बारिश का दौर जारी है। जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत महसूस हुई। बुधवार को सुबह और शाम बारिश हुई। दिन भर आसमान में बादल छाए रहे। तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग का कहना है कि पूर्वी मध्यप्रदेश के ऊपर मानसून सक्रिय है। जिसके प्रभाव से जबलपुर और उसके आसपास के क्षेत्रों में भी वर्षा हो रही है। अगले 24 घण्टों के दौरान भी अच्छी बारिश के आसार बने हुए हैं।

स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार पूर्वी मध्यप्रदेश पर छाए मानसूनी बादल के कारण बने हवा के कम दवाब के क्षेत्र के प्रभाव से जबलपुर, शहडोल और होशंगाबाद संभाग में बारिश के आसार बने हुए हैं। पिछले 24 घण्टों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 28.5 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 4 डिग्री कम दर्ज किया गया, वहीं न्यूनतम तापमान 25.4 डिग्री सामान्य दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातः काल 83 प्रतिशत सायं काल 97 प्रतिशत आंकी गई। पिछले 24 घण्टों के दौरान 18.0 मिली मीटर

वर्षा दर्ज की गई। 1 जून से अब तक कुल वर्षा 166.3 (6 इंच) दर्ज की जा चुकी है। जबकि गत वर्ष आज के दिन 48.04 मिली मीटर वर्षा हुई थी और कुल वर्षा 439.5 मिली मीटर दर्ज की जा चुकी थी। दक्षिणर-पश्चिमी हवाएं 7 से 8 किलो मीटर प्रति घण्टें की रफ्तार से चलीं। अगले 24 घण्टों के दौरान गरज-चमक के साथ पानी की बौछारें पड़ सकती हैं। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 29.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23.0 डिग्री दर्ज किया गया था।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240